# समाज विकास

**अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र**

• जनवरी २०२६ • वर्ष ७७ • अंक ०१

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९१वें स्थापाना दिवस समारोह के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. शशि पांजा उद्योग, वाणिज्य एवं उद्यम विभाग (प्रभारी मंत्री) पश्चिम बंगाल सरकार, सम्मानित अतिथि डॉ. सुनील श्रॉफ, सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण श्री नन्द लाल रूँगटा, श्री संतोष सराफ, पद्‌श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण श्री गिरधारी लाल गोयनका, श्री राज कुमार मिश्रा, श्री गोकुल चंद बजाज, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विवेक गुप्त, राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अनील मलावत।

## इस अंक में


**संपादकीय**

❑ आ गया भजन क्लबिंग का दौर

**अध्यक्षीय**

❑ परंपरा से प्रगति की ओर

**संस्कार-संस्कृति चेतना**

❑ क्या है मकर संक्रांति?

❑ सदैव सकारात्मक रहें ❑ एक धनी व्यक्ति

**प्रांतीय समाचार**

❑ सिक्किम, पूर्वोत्तर, कर्नाटक, पश्चिम बंग, झारखंड गुजरात, आंध्रप्रदेश, उत्कल, बिहार, महाराष्ट्र



विशेष पेज-२६


## बधाई!

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव-निर्वाचित अध्यक्ष

श्री संजय अग्रवाल (डोकानिया)

सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव-निर्वाचित अध्यक्ष

श्री सजन कुमार अग्रवाल

## ७७वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®

CENTURYLAMINATES®

CENTURYVENEERS®

CENTURYDOORS®

CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates

CENTURYPVC®

CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board

CENTURYPROWUD®
MDF-The **wood** of the future

zykron®
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

SAINIK 710
WATERPROOF PLY

SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

**CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.**

Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088

For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

# समाज विकास

◆ जनवरी २०२६ ◆ वर्ष ७७ ◆ अंक १

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

## अनुक्रमणिका

| शीर्षक | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| ● **चिट्ठी आई है** | ३ |
| ● **संपादकीय** : आ गया भजन क्लबिंग का दौर | ४-५ |
| ● **अध्यक्षीय** : परंपरा से प्रगति की ओर | ६ |
| ● **रपट** | |
| ९१वाँ स्थापना दिवस समारोह | ७-८ |
| सेमिनार उपसमिति की बैठक | ९ |
| राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक | १०-११ |
| ● **सम्मेलन समाचार** | |
| राष्ट्रीय अध्यक्ष का ७ दिवसीय पूर्वोत्तर, सिक्किम तथा नार्थ बंगाल की शाखाओं का दौरा | १२-१८ |
| विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना** | |
| क्या है मकर संक्रांति? सदैव सकारात्मक रहें एक धनी किसान | २६-२७ |
| ● **प्रांतीय समाचार** | |
| सिक्किम, पूर्वोत्तर, कर्नाटक, पश्चिम बंगा, झारखंड, गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्कल, बिहार, महाराष्ट्र | २०-२४, २९-३६, ३९-४४ |
| ● **आलेख** | |
| समाज-सुधार पर बातचीत एवं कार्यवाही का मंच - **सीताराम शर्मा** | १९ |
| ● नए सदस्यों का स्वागत | ४७-५० |

**स्वत्वाधिकारी**

**अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन**
**All India Marwari Federation**

**प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय** : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
**फोन : ०३३-४००४ ४०८९**

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

## चिट्ठी आई है

यह लेख लेखक शिव कुमार लोहिया जी की गहन वैचारिक दृष्टि, बौद्धिक परिपक्वता और मानवीय संवेदनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने फ्रायड के इद, अहं और परम अहं जैसे जटिल मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों को भारतीय दर्शन, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जीवन से जोड़ते हुए अत्यंत सरल, सहज और प्रभावशाली भाषा में प्रस्तुत किया है।

"अंतरात्मा के स्तर पर जीना ही मानव का अभिष्ट"—यह विचार आज के भौतिकतावादी, उपभोक्तावादी और आत्मकेंद्रित समाज में अत्यंत सार्थक एवं प्रासंगिक है। लेखक ने बड़े ही सुस्पष्ट ढंग से यह प्रतिपादित किया है कि केवल इंद्रिय-सुख या अहं के स्तर पर जीवन जीने से मानव मानसिक अशांति, नैतिक पतन और सामाजिक असंतुलन की ओर बढ़ता है, जबकि परम अहं के स्तर पर जीवन जीने से ही करुणा, सहानुभूति, नैतिकता, संयम और सामाजिक समरसता का विकास संभव होता है।

लेख की भाषा प्रवाहपूर्ण, भावगर्भित और विचारोत्तेजक है, जो पाठक को आत्ममंथन, आत्मबोध और अंतर्मुखी चिंतन के लिए प्रेरित करती है। यह रचना न केवल मनोविज्ञान एवं दर्शन के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है, बल्कि प्रत्येक उस व्यक्ति के लिए मार्गदर्शक है जो जीवन में मूल्यों, मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व को महत्व देता है।

समग्र रूप से यह लेख मानव चेतना को जाग्रत करने वाला, जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाला और समाज को नैतिक आधार प्रदान करने वाला एक अत्यंत श्रेष्ठ, प्रेरणादायक और कालजयी चिंतन प्रस्तुत करता है।

मारवाड़ी समाज सदैव से अपने पुरुषार्थ, संस्कार, संगठन और सेवा-भाव के लिए जाना जाता रहा है। हमारे पूर्वजों ने सीमित संसाधनों में भी परिश्रम, ईमानदारी और आपसी सहयोग के बल पर समाज को एक सशक्त पहचान दी। आज उसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने का कार्य मारवाड़ी सम्मेलन जैसे सशक्त संगठनों द्वारा निरंतर किया जा रहा है।

मारवाड़ी सम्मेलन, के सभी पूर्व अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों के कुशल नेतृत्व में, समाज को एकजुट करने, शिक्षा के प्रसार, सामाजिक सेवा, युवा सशक्तिकरण एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण हेतु निरंतर सक्रिय है। उनके मार्गदर्शन में सम्मेलन ने समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर समरसता और प्रगति की दिशा में सराहनीय कार्य किए हैं।

वर्तमान समय की आवश्यकता है कि हम परंपरा और प्रगति के बीच संतुलन बनाते हुए शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें तथा युवा पीढ़ी को आधुनिक ज्ञान के साथ संस्कारों से भी जोड़ें। वहीं वरिष्ठजनों का अनुभव और युवाओं की ऊर्जा—जब एक मंच पर आती है, तब समाज सशक्त बनता है।

जब समाज संगठन, सहयोग और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ता है, तब विकास केवल आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक भी होता है। मारवाड़ी सम्मेलन के निरंतर प्रयास, वर्तमान अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका जी के नेतृत्व में, समाज की जड़ों को और अधिक मजबूत कर रहे हैं।

आइए, हम सब मिलकर मारवाड़ी सम्मेलन के साथ कदम से कदम मिलाते हुए मारवाड़ी समाज की गरिमा, एकता और प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ इस समृद्ध विरासत पर गर्व कर सकें।

**— मनीष बाजोरिया**

# आ गया भजन क्लबिंग का दौर

हम लोगों में से सभी ने कभी न कभी ये भजन सुने, गाए होंगे। ये भजन लोकप्रिय हैं:-

देना हो तो दीजिए जनम-जनम का साथ
देना होगा जन्म जन्म का साथ।
गोविंद जय जय गोपाल जय जय
तुम उठो सिया सिंगार करो
शिव धनुष राम ने तोड़ा है।
सीता से नाता जोड़ा है।
मेरा रास्ता रोशन करो छाई अंधेरी रात
राधिका गोरी से बिरज की छोरी से
रस से भरोडी राधा रानी लागे
भजमन राधे राधे
राधे गोविंद गोविंद राधे
गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो
श्री राम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में
देख लो मेरे दिल के नगीने में
वीर हनुमाना अति बलवाना
राम नाम रसियो रे
राम राम जय राजा राम
राम राम जय सीताराम।
मत कर माया का अभिमान
काया गार से काची
झूठा माई थारो बाप।
झूठा सकल परिवार
झूठी कुट छाती
जैसे ओस रा मोती।

आप सोच रहे होंगे कि इन भजनों को मैं यहां क्यों उधृत कर रहा हूं। यह भजन मंदिरों एवं घरों मे तो गाए जाते हैं जिसमें अधिकांश वरिष्ठ नागरिक ही भाग लेते हैं, लेकिन अब ये भजन अपने नए अवतार एवं अंदाज में कंसर्ट में भी गए जा रहे हैं, जिसमें २० से २५ वर्ष के युवा हजारों की संख्या में पूरे जोश के साथ भाग ले रहे हैं। आज हमारे देश में संस्कृति का नवजागरण होता सा प्रतीत हो रहा है। विभिन्न शहरों में अब बड़े-बड़े सभागार एवं खुले स्टेडियम में भजन कीर्तन एवं स्तुति का आयोजन होता है जिसे भजन क्लबिंग का नाम दिया गया है। युवा टिकट कटवा कर इसमें भाग लेते हैं एवं झूम-झूम कर हाथ उठाकर ताली बजाते हुए घंटो शरीक रहते हैं। इसके पीछे एक भाई बहन की जोड़ी राघव एवं प्राची अग्रवाल का योगदान उल्लेखनीय है। आज यह पूरे देश में फैल रहा है। ये आयोजन देर रात तक चलते हैं एवं आपको युवा इसमें झूमते नजर आएंगे। इन कार्यक्रमो में मद्यपान नहीं होता। राघव एवं प्राची अग्रवाल बताते हैं कि यह सब उनके घर के कमरे से प्रारंभ हुआ। वे अपने पिता श्री दीपक अग्रवाल के साथ भजन कार्यक्रमों में जाते थे। बाद में उन्होंने एक कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें थोड़े ही लोग आए थे लेकिन उसका सकारात्मक अनुभव रहा। इससे उत्साहित होकर उन्होंने कोलकाता में एक कार्यक्रम किया जिसमें काफी संख्या में युवा लोग आए। उस कार्यक्रम की रील को उन्होंने इंस्टाग्राम में अपलोड कर दिया जो कि रातों-रात वायरल हो गया। लाखों लोगों ने उस रील को हाथों-हाथ लिया एवं एक बहस चल पड़ी। अधिकांश लोगों ने सराहा। आम राय रही कि 'इस प्रकार के कार्यक्रम से कोई समस्या नहीं है। हर पीढ़ी को अपनी ओर से परंपरा में कुछ न कुछ जोड़ने की आजादी है। यह बहुत शानदार है। 'लोगों ने कहा कि 'यह बहुत शानदार है, मैं भी इसमें शामिल होना चाहूंगा।' आज इंस्टाग्राम में उस रील को करोड़ों लोगों ने देख लिया है। भजन गाने के साथ बांसुरी, ढोलक, गिटार, कीबोर्ड, कीजॉन ड्रम और थोड़ी इलेक्ट्रॉनिक बीट जुड़ जाए, बन जाएगा भजन जेमिंग या भजन क्लबिंग। राघव एवं प्राची के कार्यक्रमों में श्रोताओं एवं कलाकारो के बीच में कोई दूरी नहीं होती। उन्होंने इसकी शुरुआत सन २०२४ में की थी। होटल में आयोजित होने पर भी कार्यक्रमों में मद्यपान वर्जित रहता है। उनका कहना है कि लोगों को मन में शांति प्रदान करने का माहौल देने के प्रति हम सजग हैं। श्रोतागण सभी बैठकर इसमें भाग लेते हैं। हम लोग इसे 'बैठक' के नाम से पुकारते हैं। उनके प्रचार मे सोशल मीडिया का प्रमुख योगदान रहा है। वे इंस्टाग्राम, यूट्यूब, वेबसाइट एवं व्हाट्सएप का व्यवहार करते हैं। इन कार्यक्रमों को भारत के अलावा दुबई, सिंगापुर, मलेशिया, अमेरिका में आयोजित करने का भी वे सोच रहे हैं। आइए देखते हैं कि क्या है भजन क्लबिग:

भजन गीत कीर्तन स्तुति को नए आधुनिक गिटार कीबोर्ड के साथ गाना
डिस्को लाइट्स और लाइव संगीत
मद्यपान हैंगओवर वर्जित। शुद्ध आनंद
आध्यात्मिक शांति।

इसकी विशेषता है:

बिना दिखावा किए आध्यात्मिकता की ओर झुकाव
भजन क्लबिंग के माध्यम से लोगों से मिलना जुलना
नशा छोड़ वास्तविक सुख की प्राप्ति
परंपरा को आधुनिक अंदाज में निभाना

इस ट्रेंड में युवाओं को भजन गाते हुए भक्ति रस में डूबे हुए देखा जा सकता है। यह ट्रेंड जेन Z में खास लोकप्रिय हो रहा है। कुल मिलाकर यह पारंपरिक भजन संध्या जैसे आयोजन का आधुनिक रूप है। जेन जेड अपने धर्म एवं संस्कृति से जुड़ कर पार्टी जैसे माहौल में मॉडर्न बीट्स और हाई वॉल्यूम संगीत पर थिरकते भगवान का नाम लेते है। भजन के बारे में अक्सर हमारी धारणा रहती है की मंद गति स्थिर सुर एवं पारंपरिक गायन। भजन गायन के साथ बांसुरी ढोलक गिटार कीबोर्ड, ड्रम जुड जाय तो बन जायगा भजन जैमिग/क्लबिंग।

आज शादियों में भी भजन क्लबिंग बढ़ रहा है। युवा पीढ़ी अब विवाह की शुरुआत पारंपरिक भजनों को आधुनिक संगीत के साथ कर रहे हैं। यहां श्रोतागण सुनने के साथ संगीत की लय में झूमते नाचते भी हैं। सबसे अच्छी बात तो यह है कि इस तरह के कार्यक्रमों में युवा किसी दबाव के कारण नहीं स्वेच्छा से जुड़ते हैं। भजन क्लबिंग ना तो पूरी तरह धार्मिक आयोजन है न हीं नाइट क्लब में आयोजित होने वाली जैसी पार्टी। यह तनाव मुक्त सकारात्मक माहौल देता है, जिसमें मद्यपान के हैंगओवर की जगह दिव्य आनंद की अनुभूति होती है। हाथों को उठाकर गाते हुए युवाओं की ऊर्जा उच्च स्तर पर पहुंच जाती है। इस तरह के आयोजन में भावना एवं आध्यात्मिक उत्साह का फैलाव देखने को मिलता है। अपनी भावना प्रकट करते हुए युवा कहते हैं कि 'सिर्फ जोर-जोर से भजन नहीं बज रहा आप उसमें लीन हो रहे हैं। आप इतनी मस्ती कर रहे हैं कि कौन आपको क्या देख रहा है कोई फर्क नहीं पड़ता। आप जुड़ रहे हैं।' इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले एक अन्य युवा ने कहा कि 'हम यहां आनंद लेने आए हैं। क्यों नहीं हम भगवान को अपने नजरिए से देखें।' ये कार्यक्रम सामाजिक, अनौपचारिक एवं

गरिमामय होते हैं। यहाँ उच्छृंखलता एवं शराब की मदहोशी नहीं होती। उनका कहना है कि धर्म एवं आधुनिकता एक दूसरे के खिलाफ नहीं है। जैन जेड कूल रहते हुए अपनी संस्कृति से जुड़ रहे हैं। वे तनाव, अनिद्रा, मादक द्रव्य, निकोटिन, अवसाद एवं खाने पीने के विकार से अभी ग्रसित हैं। शुक्रवार की रात को वे नाइट क्लब की जगह भजन क्लबिंग या जैमिंग में आ रहे हैं। इस प्रकार के कार्यक्रम में आकर उन्हें सामूहिकता के साथ ध्यान का अवसर भी मिलता है जिससे मन में शांति मिलती है। इंस्टाग्राम में इसकी धूम मची हुई है । देश में कई एनालिस्ट ने इसका संज्ञान लिया है और अपने-अपने तरह से इसका विश्लेषण कर रहे हैं। सभी ने इस तरह के आयोजनों का स्वागत किया है। कोई शक नहीं कि यह एक आंदोलन बन चुका है। इस प्रकार के विभिन्न आयोजकों, कलाकारो के १० लाख से लेकर ५० लाख तक इंस्टाग्राम में फॉलोअर हैं।

इस विषय में यह हमें याद रखना चाहिए कि सामूहिक भजन कीर्तन का सूत्रपात आधुनिक युग में २०वीं सदी में इस्कॉन के संस्थापक आचार्य भक्ति वेदांत स्वामी जगतगुरु श्रीमद् प्रभुपाद ने अमेरिका में किया था। इतिहास गवाह है १९६५ में उन्होंने कीर्तन के माध्यम से अमेरिका के हिप्पीयो को सर्वप्रथम कृष्णभावना मृत से जोड़ा था एवं हरे कृष्ण मंत्र को उन्होंने नाच गाकर विश्व में भक्ति आंदोलन का सूत्रपात किया था। आज भी इस्कॉन के मंदिरों में संगीत, भक्ति और नृत्य का एक अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। इस्कॉन के कई ऐसे भक्त हैं जिन्होने विदेशों में राम और कृष्ण के भक्ति संगीत का व्यापक प्रचार पूरे विश्व में किया है एवं लाखों की संख्या में सभी देशों में लोग इस प्रकार के कार्यक्रमों से जुड़ रहे हैं।

नए-नए कलाकार इस क्षेत्र में अपना कौशल इंस्टाग्राम एवं कार्यक्रमों के माध्यम से सिर्फ देश के शहरों में ही नहीं विदेशों में भी अपना योगदान दे रहे हैं। युवा इन्हें हाथों-हाथ स्वीकार कर रहे हैं। जिस प्रकार कभी विदेशो मे युवा चरम भोग से ग्रस्त होकर आध्यात्मिकता की ओर रुख आज के ६० वर्ष पहले रुख किया था, भारतीय युवा आज इस पथ के पथिक होने की ओर अग्रसर है। कहा जाता है कि आप उस विचार को रोक नहीं सकते जिसका समय आ गया है। मुझे कबीर दास की पंक्तियां स्मरण हो रही है, जिसमें उन्होंने कहा था:

**माला फेरत युग भया फिरा ना मन का फेर**
**कर का मन का डार दे मन का मनका फेर**

आज के युवा शायद इसी पाठ का अनुसरण कर रहे हैं। वह मन का मनका फेर रहे हैं। इस प्रकार का बदलाव हमें यह सिखाता है कि

**शाखों से टूट जाए वे पत्ते नहीं है हम**
**आंधी से कह दो की औकात में रहे**

इस बार महाकुंभ में २०-२५ साल के युवाओं की तादाद ४५ या इससे ज्यादा की उम्र वालों की तुलना में काफी ज्यादा रही। बीते एक साल में धार्मिक स्थलों की यात्रा संबंधी बुकिंग में १५० फीसदी इजाफा हुआ है। शायद इसी बदलाव का असर है कि प्रयागराज के साथ-साथ काशी और अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ में उन युवाओं की भागीदारी ज्यादा दिखी जो शायद पहली बार इस तरह की धार्मिक-आध्यात्मिक यात्रा पर निकले हैं। महाकुंभ पहुंचने वाले युवाओं में एक तबका ऐसा भी था, जो भक्ति के रंग में रंगा, उत्साह से लबरेज़ और भारतीय संस्कृति को करीब से जानने-समझने की ललक लेकर वहां पहुंचा। साधुओं की संगत में बैठकर स्मार्टफोन लेकर यह पूछते हुए वीडियो बनाते तमाम युवाओं को भी इस बार नोटिस किया गया, जो यह पूछ रहे थे कि आखिर सनातन धर्म क्या है, यह दूसरे धर्मों से कैसे और कितना अलग है?

अध्यात्म माने हम समझते हैं, केवल भस्म रमा के बैठ जाओ, माला फेरते रहो या केवल ग्रन्थ पढ़ते रहो; यही अध्यात्म नहीं है। जहाँ हमारा आत्मबल बढ़े, जहां कोई पराया न लगे; जहाँ जीवन में मानवीय मूल्य सहज ही बहने लगें और जहाँ हमारे भीतर अटूट विश्वास, अटूट शक्ति जगे वही अध्यात्म है। अध्यात्म हमारा मूल है। जब आप सत्संग में जाते हैं तो आपकी ऊर्जा सकारात्मक हो जाती है। इसलिए जीवन में सत्संग बहुत आवश्यक है। जब आप सत्संग में बैठते हैं तो आपकी पूरी चेतना बदल जाती है। आपका मन सकारात्मक हो जाता है और उत्साह, स्फूर्ति और भक्ति से भर जाता है। जब आप मन को भक्ति के वातावरण में डालते हैं, तब आप भक्ति में लीन हो जाते हैं। तो ऐसे ही जब हम जीवन को प्रेम और अध्यात्म में लगाते हैं तो हमारा पूरा जीवन प्रेमपूर्ण और अध्यात्मिक हो जाता है।

समाज को आज इस पर ध्यान देना चाहिए। निराशा के घटाटोप में आशा की यह एक अत्यंत ही उज्जवल किरण उभरी है। यह उलटी दिशा में जा रही हमारी युवा पीढ़ी की बुनियादी एवं क्रांतिकारी बदलाव का कहीं सूत्रपात तो नही? यह गुलाब में कांटे देखने की जगह कांटों में गुलाब देखने का संदेश दे रही है। धैर्य, साहस, लगन से विपरीत से विपरीत स्थिति में भी हमे अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते रहना चाहिए। जिंदगी में अपने लक्ष्य पर पहुंचने के लिए पहले अपने दिमाग को लक्ष्य पर पहुंचाना होता है। इसलिए इस प्रकार की गतिविधियां, इस प्रकार के हलचल का समाज को संज्ञान लेना चाहिए और इस धारा को आगे बढ़ाने के लिए अपना ध्यान एवं सहयोग देने के लिए माध्यमों के विषय में विचार करके आगे बढ़ना चाहिए।

(**पुनश्च:** रविवार, दिनांक: २५ जनवरी २०२६ को **प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी** ने अपने **'मन की बात'** कार्यक्रम में भजन क्लाइंबिंग के बारे में अपना वक्तव्य दिया। संपादकीय काफी पहले लिखा गया था एवं प्रेस में चला गया था। वक्तव्य की महत्व को समझते हुए अंतिम क्षणों में उनके वक्तव्य को यहां पर जोड़ा जा रहा है:-

"हमारे देश में भजन एवं कीर्तन सदियों से हमारी संस्कृति की आत्मा रहे हैं। हमने मंदिरों में भजन सुने हैं कथा सुनते वक्त सुने हैं और हर दौर में भक्ति को अपने समय के हिसाब से जिया है। आज की पीढ़ी भी नए कमाल कर रही है। आज के युवाओं ने भक्ति को अपने-अपने अनुभव और अपने जीवन शैली में ढाल दिया है। इसी सोच से एक नया संस्कृतिक चलन उभर कर सामने आया है। आपने सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो जरूर देखे होंगे। देश के अलग-अलग शहरों में बड़ी संख्या में युवा इकट्ठा हो रहे हैं, मंच सजा होता है, रोशनी होती है, संगीत होता है, पूरा ताम झाम होता है और माहौल किसी भी कंसर्ट से जरा भी कम नहीं होता। ऐसा ही लग रहा होता है जैसे कोई बहुत बड़ा कंसर्ट हो रहा हो। लेकिन वहां गाया जा रहा होता है पूरी तन्मयता के साथ, पूरे लगन के साथ के, पूरे लय के साथ भजन की गूंज। इसको आज भजन क्लबिंग कहा जा रहा है और यह खासकर जैन जी में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह देखकर अच्छा लगता है कि इन आयोजनों में भजन की गरिमा एवं सुचिता का पूरा ध्यान रखा जाता है। भक्ति को हल्के पन में नहीं लिया जाता, न शब्दों की मर्यादा टूटती है और ना ही भाव की। मंच आधुनिक हो सकता है, संगीत की प्रस्तुति अलग हो सकती है लेकिन मूल भावना वही रहती है - अध्यात्म का एक निरंतर प्रभाव। वहां अनुभव होता है।")

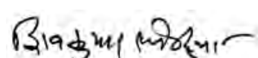

**शिव कुमार लोहिया**

# “परंपरा से प्रगति की ओर”

**पवन कुमार गोयनका**

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९१वें स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन २५ दिसंबर २०२५ को अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मारवाड़ी समाज की एकता, परंपरा, संस्कार और निरंतर प्रगति की जीवंत अभिव्यक्ति था। समारोह में देश के विभिन्न प्रांतों से पधारे प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा समाजबंधुओं की उपस्थिति अत्यंत उत्साहवर्धक और सराहनीय रही। इतनी बड़ी संख्या में समाजजनों की सहभागिता ने यह सिद्ध कर दिया कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन आज भी समाज की आशाओं, आकांक्षाओं और विश्वास का सशक्त केंद्र है।

इस अवसर पर पश्चिम बंगाल सरकार की प्रभारी मंत्री माननीया डॉ. शशि पांजा जी का आगमन समारोह की गरिमा को और भी बढ़ाने वाला रहा। उनके प्रेरणादायी आशीर्वचनों ने उपस्थित जनसमूह को न केवल प्रोत्साहित किया, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व, महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास जैसे विषयों पर नई सोच भी प्रदान की। उनके उद्बोधन से यह स्पष्ट हुआ कि सरकार और समाज मिलकर यदि सकारात्मक दिशा में कार्य करें, तो सामाजिक प्रगति के नए आयाम स्थापित किए जा सकते हैं। माननीया मंत्री जी के प्रति अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन कृतज्ञता व्यक्त करता है कि उन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम में से समय निकालकर हमारे समारोह को गौरवान्वित किया।

समारोह का एक अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण तब आया, जब **“मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान–२०२४”** से **डॉ. सुनील श्रॉफ** जी को सम्मानित किया गया। डॉ. श्रॉफ जी ने अंगदान एवं ट्रांसप्लांट, यूरोलॉजिकल सर्जरी, डिजिटल हेल्थ, टेलीमेडिसिन मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में जो उल्लेखनीय योगदान दिया है, वह समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह सम्मान न केवल एक व्यक्ति का सम्मान है, बल्कि उन मूल्यों का सम्मान है, जिन पर मारवाड़ी समाज की पहचान टिकी हुई है–सेवा, समर्पण, परिश्रम और संस्कार।

इस समारोह में समाजजनों से जो प्रेम, अपनत्व और आत्मीयता प्राप्त हुई, उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। मंच से लेकर दर्शकदीर्घा तक, हर चेहरे पर उत्साह, गर्व और अपनापन झलक रहा था। यह प्रेमभाव ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है, जो हमें निरंतर आगे बढ़ने की शक्ति देता है। समाज की यह सकारात्मक प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है कि सम्मेलन द्वारा किए जा रहे कार्य समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप हैं और सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

आज के इस पावन अवसर पर हम अपने सम्मेलन के उन सभी पूर्वजों को सादर नमन करते हैं, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी संगठन की नींव रखी और उसे सुदृढ़ बनाया। उनके त्याग, दूरदर्शिता और अथक प्रयासों के कारण ही आज अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एक सशक्त राष्ट्रीय संस्था के रूप में प्रतिष्ठित है। साथ ही, मैं हमारे सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके नेतृत्व, मार्गदर्शन और अनुभव ने सम्मेलन को निरंतर नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया।

इस भव्य आयोजन के सफल संचालन में राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रांतीय नेतृत्व, जिला एवं शाखा स्तर के कार्यकर्ताओं की भूमिका अविस्मरणीय रही। मंच व्यवस्था से लेकर अतिथि सत्कार, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से लेकर अनुशासनपूर्ण आयोजन तक–हर स्तर पर समर्पित कार्यकर्ताओं ने अथक परिश्रम किया। मैं हृदय से उन सभी का धन्यवाद करता हूँ, जिनके सहयोग और प्रतिबद्धता के कारण यह समारोह भली-भांति संपन्न हो सका।

मारवाड़ी समाज की विशेषता रही है कि उसने सदैव समय के साथ स्वयं को ढाला है, परंतु अपनी मूल संस्कृति और संस्कारों से कभी समझौता नहीं किया। आज हमारे युवा आधुनिक शिक्षा, तकनीक और वैश्विक अवसरों से जुड़ रहे हैं–यह अत्यंत गर्व की बात है। युवाओं में ऊर्जा, नवाचार और नेतृत्व की अद्भुत क्षमता है। आवश्यकता है कि यह ऊर्जा सही दिशा में लगे और समाज के निर्माण में योगदान दे। सम्मेलन युवाओं को मंच, मार्गदर्शन और अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

महिला शक्ति हमारे समाज की रीढ़ है। मारवाड़ी महिलाएँ आज शिक्षा, व्यवसाय, सेवा और नेतृत्व के हर क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। महिला समितियों की सक्रियता यह दर्शाती है कि समाज का भविष्य सशक्त हाथों में है। बच्चों के संस्कार, शिक्षा और चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान देना हम सभी का दायित्व है, क्योंकि वही आने वाले कल के कर्णधार हैं।

संस्कार और संस्कृति मारवाड़ी समाज की आत्मा हैं। हमारी परंपराएँ हमें अनुशासन, सादगी, सेवा और परिवार के प्रति जिम्मेदारी सिखाती हैं। आधुनिकता के साथ संतुलन बनाए रखते हुए इन मूल्यों को अगली पीढ़ी तक पहुँचाना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। इसी दिशा में सम्मेलन निरंतर सांस्कृतिक, शैक्षणिक और सामाजिक गतिविधियों का आयोजन करता रहा है।

आज समाज में कुछ नई विसंगतियाँ और कुरीतियाँ भी उभर रही हैं–अत्यधिक भौतिकवाद, पारिवारिक संवाद की कमी, सामाजिक समरसता में शिथिलता। हमें सजग रहकर इन प्रवृत्तियों का समाधान ढूँढना होगा। सम्मेलन का उद्देश्य केवल आयोजन करना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा दिखाना भी है। जागरूकता, संवाद और सकारात्मक पहल ही इन चुनौतियों का उत्तर हैं।

जनवरी माह में हमारा देश ७७वाँ गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। यह अवसर हमें संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों की याद दिलाता है। मैं सभी कार्यकर्ताओं और समाजबंधुओं से आह्वान करता हूँ कि वे देश के प्रति, सम्मेलन के प्रति और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। एक सशक्त समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव होता है।

पिछले वर्ष सम्मेलन के सबसे कर्मठ, दूरदर्शी और सम्मेलन के प्रति सच्ची निष्ठा रखने वाले पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्री रामअवतार जी पोद्दार का देहावसान हम सभी के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका जीवन संगठन, सेवा और सिद्धांतों का प्रतीक रहा। हम उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और संकल्प लेते हैं कि उनके आदर्शों को सदैव जीवित रखेंगे।

नववर्ष के शुभ अवसर पर मैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़े प्रत्येक सदस्य, कार्यकर्ता और समाजबंधु को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूं। आइए, हम सभी नई ऊर्जा, नए संकल्प और सकारात्मक सोच के साथ समाज के विकास, परिवार के विकास और राष्ट्र के विकास के लिए मिलकर कार्य करें। सम्मेलन के प्रति हमारा समर्पण, हमारे पूर्वजों की स्मृति और उनके द्वारा किए गए कार्यों के प्रति कृतज्ञता ही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इन्हीं भावनाओं के साथ, मैं एक बार फिर इस ऐतिहासिक ९१वें स्थापना दिवस समारोह को सफल बनाने वाले सभी साथियों का धन्यवाद करता हूँ और भविष्य में और अधिक संगठित, सशक्त एवं संस्कारवान मारवाड़ी समाज के निर्माण का संकल्प दोहराता हूँ।

**जय राष्ट्र, जय सम्मेलन, जय समाज।**

## अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का ९१वाँ स्थापना दिवस समारोह

# "स्वतंत्रता संग्राम से सामाजिक नवचेतना तक" : पवन कुमार गोयनका

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का ९१वाँ स्थापना दिवस समारोह कोलकाता स्थित कला मंदिर सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि और उद्योग, वाणिज्य एवं उद्यम विभाग तथा महिला एवं बाल विकास एवं सामाजिक कल्याण विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार की प्रभारी मंत्री डॉ. शशि पांजा ने स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन किया। सभी अतिथियों एवं सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. शशि पांजा ने सभी का अभिवादंन किया और सभी को सम्मेलन के ९१वें स्थापना दिवस समारोह के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना भारत की आजादी से पहले हुआ और सबसे बड़ी बात इसकी स्थापना कोलकाता में हुई। आज मारवाड़ी समाज देश के कोने-कोने में अपनी पहचान बना चुका है। साथ ही साथ कोलकाता में भी अनेक धर्मशालाएं, स्कूल, कालेज एवं अस्पताल बनाए। सामाजिक कार्यों में मारवाड़ी समाज का योगदान अद्भुत है। उस समय समाज में दहेज प्रथा, बाल विवाह, विधवा विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों का उन्मुलन किया। आजादी की लड़ाई में मारवाड़ी समाज के पुरुषों ने ही नहीं बल्कि महिलाओं ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इंदुमति गोयनका पहली मारवाड़ी महिला थी जो आजादी की लड़ाई में जेल गई। साथ ही डॉ. पांजा ने कार्यक्रम की सुंदर व्यवस्था हेतु सभी को धन्यवाद दिया एवं नए साल की शुभकामनाएं दी।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए एवं सम्मेलन की स्थापना के गौरवशाली यात्रा का स्मरण कराया। नौ दशकों से अधिक समय तक सम्मेलन समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण, शिक्षा संस्कृति, सामाजिक समरसता और संगठनात्मक एकता के क्षेत्र में निरंतर कार्य करता आया है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन की स्थापना की नींव उसकी स्थापना के पहले ही पड़ चुकी थी। १८५७ का गदर हो या नमक सत्याग्रह आंदोलन, असहयोग आंदोलन हो या विदेशी कपड़ो-वस्तुओं का बहिस्कार में मारवाड़ी समाज ने आर्थिक सहयोग, सामाजिक सहयोग, वैचारिक सहयोग, साहित्य द्वारा, समाचार पत्रों के माध्यम से मतलब पुरे तन-मन-धन से स्वतंत्रता आंदोलन में भागीदारी निभाई। अंग्रेजो के अत्याचार एवं कठोर अनुशासन को सहा। सैकड़ों लोगों को काले पानी की सजा हुई। जुर्माना और संपत्ति जब्ती दी गई। अनेक व्यापारियों की दुकानें सील की गई। नमक सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन में भाग लेने वालों पर निर्दय लाठी चार्ज और गिरफ्तारी हुई। भारत छोड़ो आंदोलन में ४८३ मारवाड़ी बंधुओं को जेल की सजा हुई। इन सभी मुद्दों को देखते हुए। सम्मेलन के गठन की आवश्यकता पड़ी। तब सम्मेलन के प्राण पुरुष स्व. ईश्वरदास जालान के नेतृत्व में २५ दिसंबर १९३५ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना हुई।

आज समाज हर क्षेत्र में उन्नति कर रहा है, राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक, प्रशाशनिक, शिक्षा, खेलकुद, साहित्य, कला, उद्योग एवं व्यापार में नई बुलंदियों को छु रहा है। आज कालांतर में बुराईयों एवं कुरीतियों का स्वरुप बदला है। प्री-वेडिंग शूट, शादी के समय शराब का परोसा जाना, फिजुलखर्ची-दिखावा, लड़कियों द्वारा लड़को से मेंहदी लगवाना, साड़ी पहनाना, मेकअप कराना अनुचित है। महिलाओं द्वारा शादी में सजधज कर खुले में सड़को पर नृत्य करना। तलाक की बढ़ती घटनाएं। हमें इसका पुरजोर विरोध करना है। जिसकी शुरुआत हमें अपने घरों से करनी होगी। सम्मेलन सभी समस्याओं पर काम कर रहा है और आशा है जल्द इसके परिणाम भी हमें दिखने लगेंगे। हमें आज युवा शक्ति, मातृशक्ति को भी साथ में लेकर चलना है क्योंकि ये हमारे भविष्य की धरोहर एवं कर्ता है। इनके बिना हम अपने सुंदर भविष्य की कल्पना भी नहीं कर सकते।

हमें अपने त्योंहारो के प्रचार-प्रसार पर जोर देना होगा क्योंकि हमारे त्योंहारों में सिद्धांत है, कहानी है और नैतिकता होती है। जो व्यक्ति को व्यक्ति से, परिवार को परिवार से, समाज को समाज से और समाज को राष्ट्र से जोड़ती है। हमें अपने संगठन को सदस्यता विस्तार से और मजबुत करना होगा। आप सभी को सम्मेलन रुपी यज्ञ में आहुती देनी होगी तब यह कार्य संपन्न होगा। सभी को तन-मन-धन से जुड़ना होगा तभी लक्ष्य की प्राप्ति होगी।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पुरस्कार चयन उपसमिति के चेयरमैन पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने कहा कि आज समाज बहुत तरक्की कर रहा है। विदेशो में काफी नाम कर रहा है। नई पीढ़ी अच्छा कार्य कर रही हैं। हमें साथ ही साथ अपने बच्चों को संस्कार देना चाहिए ताकि नई पीढ़ी हमारे संस्कारो को सहेज सके।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उद्योगपति, राजनीतिज्ञ और मीडियाकर्मी श्री विवेक गुप्ता ने कहा कि सम्मेलन के ९० वर्ष का कार्यकाल बहुत बड़ी बात है। आने वाले दस साल बहुत महत्वपूर्ण

है। सम्मेलन आज बहुत अच्छा कार्य कर रहा है।

स्थापना दिवस पर अंगदान/ट्रांसप्लांट, यूरोलॉजिकल सर्जरी, डिजीटल हेल्थ, टेलीमिडिसीन, मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक एवं उल्लेखनीय योगदान तथा सेवा प्रदान कर मारवाड़ी समाज का गौरव बढ़ाने के लिए मोहन फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. सुनील श्रॉफ को सम्मेलन के सर्वोच्च **'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान–२०२४ (सौजन्य : रामनिवास आशारानी लाखोटिया)** प्रदान किया गया एवं साथ ही सम्मान की श्रृंखला में अगली कड़ी में सम्मेलन के (२८वें राष्ट्रीय अधिवेशन, दिल्ली में घोषित) सम्मेलन में समर्पित समाज सेवा, उल्लेखनीय प्रेरणास्पद सहयोग एवं योगदान के लिए सर्वप्रिय वरिष्ठ समाजसेवी श्री आत्माराम सोंथलिया को **'नंदकिशोर जालान संगठन समर्पण सम्मान–२०२५** से विभूषित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री पश्चिम बंगाल सरकार डॉ. शशि पांजा, पुरस्कार चयन उपसमिति के चेयरमैन एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण श्री गिरधारी लाल गोयनका, श्री राजकुमार मिश्रा, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विवेक गुप्ता, राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता, राष्ट्रीय संयुक्तमंत्री द्वय श्री पवन कुमार जालान, श्री पवन कुमार बंसल एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अनील मल्लावत द्वारा तिलक, बुके, पगड़ी, दुपट्टा, शॉल, श्रीफल, माला, मानपत्र तथा (एक लाख की राशि – डॉ. सुनील श्रॉफ को) प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया।

समारोह के सम्मानित अतिथि डॉ. सुनील श्रॉफ ने कहा कि आज इस सम्मान का हकदार मैं नहीं मोहन फाउंडेशन का बहुत बड़ा परिवार है; जिससे मेरा अस्तित्व है। मेरे मरीज है और वो अंगदाता है जिसकी वजह से आज मैं सम्मानित हुआ। इसके बाद उन्होंने अंगदान एवं नेत्रदान के बारे में सभा में उपस्थित लोगो को अवगत कराया और उन्हें आगे बढ़कर इस मानवीय सहायता में सहयोग करने का अनुरोध किया। 'नंदकिशोर जालान संगठन समर्पण सम्मान' से सम्मानित सम्मेलन के वरिष्ठ समाजसेवी श्री आत्माराम सोंथलिया ने नंदकिशोर जालान जैसे कर्मठ व्यक्तित्व को नमन किया और सम्मान हेतु सभी का धन्यवाद किया।

कार्यक्रम के आरंभ में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गिरधारी लाल गोयनका ने स्वागत भाषण दिया एवं धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा ने दिया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। इस अवसर पर सम्मेलन की मासिक पत्रिका **'समाज विकास'** का विशेषांक का विमोचन किया गया।

समारोह में समाज के गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित थे। जिनमें पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्द लाल रुँगटा, श्री संतोष सराफ, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री रतन साह, श्री संजय हरलालका एवं श्री कैलाशपति तोदी, पूर्व

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर बिदावतका एवं श्री गोपाल अग्रवाल, प्रांतो से आए पदाधिकारी दिल्ली प्रांत से श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, श्री सज्जन शर्मा, श्री रमेश बजाज मध्य प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष श्री शरद सरावगी, पश्चिम बंग प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल, उत्तर प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री श्री टीकमचंद सेठिया, सिक्किम प्रांत से सत्य नारायण बंसल, सिक्किम मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष श्री सज्जन अग्रवाल, श्री कुंज बिहारी अग्रवाल, श्री शंकर कारिवाल, श्री रामविलास मिरानियां, श्री प्रह्नाद राय गोयनका, श्री शिवरतन फोगला श्री अनील डालमिया, श्री अरुण मल्लावत, श्री पवन जैन, श्री पियूष क्याल, श्रीमती सुषमा अग्रवाल, श्री जुगल किशोर जाजोदिया, श्री राजेश सोंथलिया, श्री संदीप सेक्सरिया, श्री सज्जन बेरिवाल, श्री अमित डाबड़ीवाल, श्री अमित मुँधड़ा, श्री राजेंद्र खंडेलवाल, राधाकिशन सफ्फड़ सहित समाज के अनेक बंधु-बांधव, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम के शुरुआत एवं अतं में कोलकाता की सांस्कृतिक संस्था 'अमैच्योर एक्टर्स एसोसिएशन (AAA) द्वारा दो नाटक सरल राजस्थानी भाषा में मंचित **'दैया रे दैया'** और **'जड़ाव बाई'** प्रस्तुत किया गया जिसका सभी श्रोताओं ने भरपुर आंनद लिया।

## सेमिनार उपसमिति की बैठक

# 'बातां कुरीतियां री, चर्चा समाधान री' विषय पर संगोष्ठी

## अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सार्थक पहल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार, डकबैक हाउस में **'बातां कुरीतियां री, चर्चा समाधान री'** विषय पर एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता सिटी केबल के निदेशक एवं श्री विशुद्धानंद हॉस्पिटल के सचिव श्री सुरेंद्र अग्रवाल ने संगोष्ठी के विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज में समस्याएं पहले भी थी और आज भी हैं, किंतु कुरीतियां वे नहीं होती जो शोर मचाती है, बल्कि वे होती हैं जिन्हें समाज चुपचाप स्वीकार कर लेता है। उन्होंने विवाह में बढ़ती आयु, तलाक की बढ़ती प्रवृत्ति, परिवारों के विघटन और दिखावे की संस्कृति पर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि मेडिकल साइंस के अनुसार लड़कियों का विवाह १८ से २१ वर्ष की आयु में उपयुक्त माना जाता है। आज देर से विवाह, नौकरी की व्यस्तता एवं व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के कारण पति-पत्नी के बीच सामंजस्य की कमी देखी जा रही है, जिससे पारिवारिक टूट और तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने संयुक्त परिवार प्रणाली को समाज की शक्ति बताते हुए कहा कि जहाँ आज भी संयुक्त परिवार हैं, वहाँ तलाक की समस्याएं अपेक्षाकृत कम हैं। समाज को ऐसे परिवारों को सम्मानित कर उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कर्ज लेकर शादियों में अनावश्यक खर्च की प्रवृत्ति पर भी चिंता जताई और संगठन के माध्यम से समाज को जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया।

जूम के माध्यम से जुड़े राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने कहा कि मद्यपान, तलाक, छोटे परिवार और बच्चों के देर से विवाह जैसी आज की कुरीतियों पर गंभीर चर्चा कर समाधान खोजने का यह प्रयास अत्यंय सराहनीय है। उन्होंने कहा कि समाज को इन विषयों पर खुलकर संवाद करने की आवश्यकता है।

विषय प्रवर्तन करते हुए सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन श्री संजय हरलालका ने कहा कि सम्मेलन निरंतर कुरीतियों पर चर्चा करता आया है। यद्यपि कुरीतियां बढ़ रही हैं, फिर भी हमें प्रयास करना नहीं छोड़ना चाहिए। यह संगोष्ठी विचारों के आदान-प्रदान की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। उन्होंने महिलाओं और युवाओं की भूमिका को सबसे अहम बताते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी केवल पाश्चात्य संस्कृति ही नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी अपना रही है।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने कहा कि समाज सुधार के लिए सबसे पहले हमें स्वयं को अनुशासित करना होगा। जब हम स्वयं सुधरेंगे, तभी समाज भी सुधरेगा। उन्होंने कहा कि जहाँ समस्याएं हैं, वहीं समाधान भी हैं।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा कि सम्मेलन की स्थापना ही समाज से कुरीतियों को दूर करने के उद्देश्य से की गई थी। आज नई-नई कुरीतियां जन्म ले रही हैं, जिन पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

इसके अलावा श्री आत्माराम सोंथलिया, श्री नंदलाल सिंघानिया, श्री अजय नांगलिया, श्री उत्तम गुप्ता, सुश्री पिंकी सेखानी एवं श्री संज्जन खंडेलवाल ने भी अपने विचार रखे और समाज सुधार की दिशा में सुझाव दिए।

कार्यक्रम के अंत में सेमिनार उपसमिति के संयोजक श्री विष्णु अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल सहित श्री घनश्याम सुगला, श्री अजय कुमार नांगलिया, श्री निश्छल दसानी, श्री संदीप कुमार सेक्सरिया, श्री बिनोद कुमार लिहला, श्री केदारमल झवर, श्री सीताराम अग्रवाल, श्री जुगल किशोर जाजोदिया, श्री बाल किशन जालान, श्री गोपाल अग्रवाल, श्री प्रदीप कुमार जालान, श्री शिव कुमार अग्रवाल, श्रीमती मंजू अग्रवाल, श्री राजेस सोनी, श्री संदीप मारोदिया सहित अनेक गणमान्य सदस्य संगोष्ठी में शरीक हुए।

# राष्ट्रीय स्तर पर मारवाड़ी समाज को एकजुट करना जरुरीः श्री गोयनका

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति (२०२५-२७) की पहली बैठक 'झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन' के आतिथ्य में रांची स्थित मारवाड़ी भवन परिसर में दिनांकः १७ जनवरी २०२६ को आयोजित की गई। बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनकाजी के सभापतित्व में शुरु हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका ने सर्वप्रथम सभी सदस्यों का अभिनंदन किया। स्वागत संबोधन झारखंड प्रांत के महामंत्री श्री विनोद कुमार जैन ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने कहा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन केवल एक संगठन नहीं, बल्कि संस्कार, संस्कृति, सेवा और संगठन की सशक्त परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री श्री विनोद जैन एवं उनकी पूरी टीम तथा साथ ही सम्मेलन से जुड़ी नई संबंद्ध संस्था 'मारवाड़ी सहायक समिति' के अध्यक्ष श्री पवन कुमार शर्मा को उत्कृष्ट व्यवस्थाओं एवं आत्मीय आतिथ्य के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बैठक में उपस्थित पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री, सभी प्रांतीय अध्यक्षों, महामंत्रियों, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों एवं विशेष आमंत्रित सदस्यों का अभिनंदन करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति से बैठक को दिशा एवं गरिमा प्राप्त हुई है। उन्होंने झारखंड प्रांत द्वारा आयोजित 'मारवाड़ महोत्सव' की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का सुंदर उदाहरण है। अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिवंगत समाजसेवियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं शोकाकुल परिवारों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने संगठन विस्तार पर बल देते हुए कहा कि सदस्यता ही संगठन की शक्ति है। अल्प समय में बड़ी संख्या में नए सदस्यों का सम्मेलन से जुड़ना उत्साहवर्धक है। उन्होंने 'देश के हर घर से एक सदस्य' के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया। शिक्षा, संस्कार एवं रोजगार के क्षेत्र में सम्मेलन द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि ये प्रयास समाज को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। आगे श्री गोयनका ने सिक्किम में सम्मेलन से जुड़ी संबंद्ध संस्था 'सिक्किम मारवाड़ी समाज' के बारे में भी सभा को अवगत कराया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा कि ऐसा कोई समाज नहीं है। जहाँ समस्याएं नहीं होती है। हमें उन समस्याओं को सुलझाना चाहिए। पश्चिम बंग प्रांत एवं झारखंड प्रांत की समस्याओं का समाधान हमें मिलजुल कर खोजना चाहिए। उन्होंने इन दोनो प्रांतो के प्रभारी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गिरधारी लाल गोयनका से इन प्रांतों की समस्याओं को सुलझाने का आग्रह किया।

कार्यसूची के अनुसार, सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (२० जुलाई

२०२५) रायपुर का कार्यवृत प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। उन्होंने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन की गतिविधियों एवं भावी कार्यक्रमों पर महामंत्री की रपट प्रस्तुत की। राष्ट्रीय स्थायी समिति के गठन के विषय में विचार-विमर्श हुआ और इसके गठन का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका को दिया गया।

संगठन-विस्तार तथा प्रांतों की सक्रियता पर प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्षों श्री गिरधारी लाल गोयनका, डॉ. सुभाष अग्रवाल एवं श्री बिनोद तोदी ने अपनी संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की।

सम्मेलन के संविधान की धारा १४(१ ) के तहत कार्यकारिणी सभा में सिक्किम मारवाड़ी समाज, (सिक्किम) एवं मारवाड़ी सहायक समिति, (रांची) को संबद्ध संस्थाओं के रूप में स्वीकृत प्रदान की गई।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत कुमार सुराणा ने पूर्वोत्तर में आयोजित संस्कारशाला के आयोजन पर सभा को अवगत कराया और उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष से इस प्रकार के कार्यक्रमों को जिसमें बच्चों को अपने संस्कार-संस्कृति से अवगत कराने हेतु सम्मेलन की सभी प्रादेशिक शाखाओं में संचालन करवाने हेतु अनुरोध किया।

उपस्थित प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल (झारखंड), श्री राजेश सिंघल (दिल्ली), पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल (आंध्र प्रदेश), प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश चांडक (पूर्वोत्तर) एवं अन्य ने प्रांतीय सम्मेलन की रपट प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका ने प्रांतों को भेजी गई रपट के प्रारुप में आ रही दिक्कतों को एक-एक कर सभी पॉईंट को पढ़ कर समझाया और कहा कि जिन प्रांतों से हमे रपट प्राप्त नहीं हो रही है उन प्रांतों के नाम अगली बैठकों में बताए जाएंगे। श्री गोयनका ने आगे कहा कि प्रत्येक प्रांत को राष्ट्रीय बैठकों का आतिथ्य करना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने अपने विचार साक्षा किए एवं प्रस्तुत रपट में आवश्यक सुधार हेतु ध्यान आकर्षित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका ने रपट में आवश्यक सुधार करवाने का आश्वासन दिया।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के दिसंबर माह तक के आय-व्यय का 'लेखा-जोखा एवं संतुलन पत्र' समिति के समक्ष जानकारी हेतु प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कमार गोयनका ने पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के चुनाव प्रक्रिया की वर्तमान स्थिति से सभा में उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने बताया की झारखंड प्रांत से संबंधित शिकायतों को सुलझाने पर विचार-विमर्श चल रहा है, आशा है इसे हम जल्द सुलझा लेंगे।

निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने सदस्यता के विषय में बताया की प्रांत केंद्र से सम्मेलन की वेबसाइट का आईडी एवं पासवर्ड लेकर स्वयं नये सदस्यों को सम्मेलन से जोड़ सकते है। आगे उन्होंने कहा कि जो प्रांत सक्रिय नहीं है उनमे से ५ प्रांतों पर पहले ध्यान केंद्रीत करना चाहिए जिससे वो सशक्त हो। जाति जनगणना पर बात करते हुए कहा कि इस पर सम्मेलन को एक बड़ी बैठक आयोजित करनी चाहिए। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

मौके पर सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन बंसल, राष्टीय कोषाध्यक्ष श्री अनील मलावत, निवर्तमान राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री संजय गोयनका, पूर्वोत्तर के प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय श्री विनोद लोहिया, निवर्मतान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं झारखंड के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री राज कुमार केडिया, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री कमल नोपानी, श्री निर्मल कुमार काबरा, श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, बिहार के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री यूगल किशोर अग्रवाल, श्री चंडी प्रसाद डालमिया, श्री अजय मारु, श्री बाबू लाल बंका, श्री ओम प्रकाश पोद्दार, श्री प्रमोद कुमार सारस्वत, श्रीमती सुषमा अग्रवाल, श्री रमेश कुमार बजाज, श्री सज्जन शर्मा, श्री ओम प्रकाश प्रणव, श्री मुकेश मित्तल, श्री कृष्णा अग्रवाल, श्री राजेश कुमार रितोलिया, श्री संतोष कुमार अग्रवाल, श्री कमल कुमार केडिया, श्री पवन कुमार शर्मा, श्री ललित कुमार पोद्दार, श्री प्रमोद छावछरिया एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

# राष्ट्रीय अध्यक्ष का ५ दिवसीय पूर्वोत्तर, सिक्किम तथा नार्थ बंगाल की शाखाओं का दौरा

**२ जनवरी २०२६** को रात्रि में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के गुवाहाटी आगमन पर उनके स्वागत में राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा एवं मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के अध्यक्ष श्री अजित शर्मा एवं सचिव श्री अनुज चौधरी ने उनका असमिया संस्कृति के अनुरूप फुलाम गोमछा पहना कर गर्मजोशी से स्वागत अभिनंदन किया।

**३ जनवरी २०२६** को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय पदाधिकारियों के संग एक अनौपचारिक बैठक की तथा समाज के गणमान्य बंधुओं से भेंट मुलाकात करने के पश्चात लोहिया लायंस आडिटोरियम पहुंचे, जहां राष्ट्रीय दिशा निर्देशानुसार संस्कारों को जागरूक करने तथा भावी पीढ़ी को संस्कारवान बना कर समृद्ध समाज तथा सशक्त राष्ट्र निर्माण हेतु ज्ञानशाला की तर्ज पर संस्कारशाला के उद्घाटन सत्र होना सुनिश्चित था। राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन की प्रथम संस्कारशाला का शुभारंभ करने विशेष रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका गुवाहाटी दो दिन पहले पहुंच कर पुरे

प्रकल्प को संचालन करने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा ने अपने गृह क्षेत्र कामरूप शाखा से प्रथम संस्कारशाला आरंभ करने का प्रण उठाया।

**४ जनवरी २०२५** को श्री गौहाटी गौशाला परिवार द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिनंदन किया गया। गुवाहाटी की १११ वर्ष पुरानी गौरवमई संस्था श्री गौहाटी गौशाला द्वारा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन पर उन्हें गौशाला परिसर में सुबह आमंत्रित कर उनके अभिनंदन का कार्यक्रम आयोजित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बंसत सुराणा, प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक के साथ गौशाला परिसर पहुंचे तथा गौशाला की गतिविधियों का अवलोकन किया तथा वहां समाज के प्रबुद्धजनों तथा श्री गौहाटी गोशाला ट्रस्ट तथा कार्यकारिणी समिति ने आदरणीय का अभिनंदन किया तथा प्रतिक स्वरूप कामधेनु गौमाता तथा श्री गौहाटी गौशाला की गतिविधियों सम्बंधित स्मारिका भेंट की।

उसके बाद प्रथम संस्कारशाला का उद्घाटन समारोह जहाँ आयोजित किया गया था। वहाँ आडिटोरियम के १०० मीटर पहले कामरूप शाखा के शीर्ष पदाधिकारी तथा कार्यकारिणी सदस्य ने उनकी अगुवाई की तथा वहां असम के लोकप्रिय बिहु का लाइव प्रदर्शन करने वाले कलाकारों ने अपने बिहु गान पर सभी को थिरकने के लिए मजबुर कर दिया, बिहु नृत्य करते सभी आडिटोरियम पहुंचे जहां कामरूप शाखा की महिला सदस्यों ने कुमकुम, अक्षत, तिलक के साथ द्वार पर स्वागत किया। सदस्यों से भेंट मुलाकात करने के पश्चात उद्घाटन सत्र का मंच सजाया गया तथा गरिमा के साथ सभी आदरणीय को मंचासिन करवाया।

राज्यपाल महोदय के आगमन पर गाड़ी से उतरते ही प्रांत एवं शाखा ने अभिनंदन किया तथा बिहु के सुरीले गीत के साथ

उन्हें ससम्मान मंचासिन करवाया। राष्ट्रीय गान एवं असम जातिय संगीत (असम एंथम) के पाठ के साथ कार्यक्रम को गति प्रदान की। श्रीमती पुष्पा सोनी के कुशल संचालन में महामहिम राज्यपाल तथा मंचासिन वरिष्ठ जनो में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा, विशिष्ट अतिथि उद्योगपति तथा वरिष्ठ समाजसेवी श्री प्रदीप भड़ेच, शिशु निकेतन विद्यालय के अध्यक्ष श्री पवन अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री सुशील गोयल, कामरूप शाखा अध्यक्ष श्री अजित शर्मा एवं सचिव श्री अनुज चौधरी ने दीप प्रज्जवलित कर संस्कारशाला का उद्घाटन किया। कामरूप शाखा की बहनों द्वारा सुमधुर स्वागत गीत से अतिथियों का स्वागत किया। इसके पश्चात महामहिम राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद जी आचार्य, तथा मंचासिन वरिष्ठजनों का अभिनंदन किया गया। शाखा अध्यक्ष श्री अजीत शर्मा के स्वागत उद्बोधन के पश्चात राष्ट्रीय संगठन मंत्री तथा इस कार्यशाला के मार्गदर्शक श्री बंसत सुराणा ने अपने सम्बोधन में संस्कारशाला प्रकल्प की रूपरेखा तथा कार्य योजना बताते हुए कहा कि ४ से १४ वर्ष की आयु के बच्चों के लिए अध्यात्म एवं संस्कार के बिजारोपण हेतु विशेष रूप से कुशल प्रशिक्षकों के द्वारा प्रत्येक रविवार को स्थानीय शिशु निकेतन विद्यालय में कक्षाएं संचालित होगी। इसके लिए सेलेब्स तैयार किया गया है, जो पुस्तक के रूप में तैयार कर प्रकाशित करवाई गई है। संस्कारशाला के प्रति बच्चों की रूची बढ़ाने के लिए स्कुल किट बैग तैयार करवाई गई है तथा भविष्य में इसके लिए ड्रेस कोड भी लागू होगा, जिससे संस्कारशाला के बच्चों के साथ-साथ अन्य बच्चों को भी आकर्षित करे।

संस्कारशाला के बच्चों के लिए विशेष रूप से तैयार करवाई गई संस्कार पुस्तिका का विमोचन महामहिम से करवाने के साथ संस्कारशाला की मुख्य प्रशिक्षक श्रीमती सारिका भंडारी ने पुस्तक की सरंचना, उपयोगिता के साथ साथ इसे बनाने में सहयोगकर्ता की जानकारी साझा करते हुए अपने अनुभव साझा किए।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा ने अपने उद्बोधन में विश्व गुरु भारत तथा भारत की पौराणिक काल से चली आ रही गुरू कुल की शिक्षा पद्धति के साथ अध्यात्म, योग, भक्ति, आदर, सम्मान, सुसंस्कृत बनाने के साथ साथ चारित्रिक रूप से सुदृढ़ बनाने की परम्परा का जिक्र करते हुए आधुनिक समय में निति नियमों को ताख पर रख कर, शिक्षा पद्धति के साथ-साथ शिशु पोषण में आ रहे बदलाव के कारण संस्कारों में नित निरंतर गिरावट प्रति सचेत किया। ऐसे में समजिक संस्थाओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। उन्होंने कामरूप शाखा के संस्कारशाला की पहल को राष्ट्रीय माडल बना कर समग्र भारत में जनभावना जागृत करने में रचनात्मक योगदान के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका ने अपने सम्बोधन में समाज को दूरदृष्टा बन कर सामाजिक पारिवारिक संरचना एवं व्यवस्थित समाज में आ रहे सांस्कृतिक प्रदूषण प्रति सचेत करते हुए इसके कारण होने वाले सबसे बड़े नुकसान शनै-शनै संस्कार विहिन होने जा भावी पीढ़ी को समय रहते सचेतन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। एकल परिवार के चलते माता-पिता का कामकाजी होना बच्चों को उपयुक्त समय नहीं दे पाने से बच्चों में परिवार से मिलने वाले व्यवहारिक ज्ञान जिसे संस्कार कहते हैं की कमी अब परिलक्षित होने लगी है, इसका एक कारण बच्चों को बुजुर्ग का सानिध्य नहीं मिल रहा है, ऐसे में मोरल वैल्यू सिखाने के लिए नया स्टार्टअप आयेगा, मोटीवेशन प्रशिक्षकों की आवश्यकता होगी या एन. जी. ओं. को कमर कसनी होगी। इसलिए समय रहते ही मारवाड़ी समाज के हर घटक संस्था को, सम्मेलन की शाखाओं को राष्ट्रीय स्तर पर संस्कारशाला के माध्यम से समाज के व्यापत हो रहे प्रदूषण को खत्म करने का बीड़ा उठाना होगा। उन्होंने राष्ट्रीय ऐजेंडा में प्रस्तावित तथा पारित कार्यक्रम के अनुसार पूर्वोत्तर के गुवाहाटी में कामरूप शाखा की अभिनव पहल की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए आने वाले समय में ये सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने इस पर गंभीरता से संज्ञान लेकर सभी शाखाओं को ज्यादा से ज्यादा संस्कारशाला जैसे प्रकल्प हाथ में लेने का आह्वान किया।

आखिरी वक्ता के रूप में महामहिम राज्यपाल महोदय ने सम्बोधन रखा। अपने सम्बोधन की शुरुआत में उन्होंने सभी को राम-राम कहा तथा प्रत्यूत्तर में राम-राम की सदन से प्रतिध्वनि आने को उन्होंने मारवाड़ी समाज के संस्कारवान होने की संज्ञा दी। उन्होंने कहा काबरा जी ने अपने सम्बोधन की शुरुआत राम-राम से की तब से विचार उमड़ने शुरू हो गये, ये मारवाड़ी समाज है जो अपनी विरासत को सहेजते हुए अपने संस्कार के प्रति कितना जागरूक है की एक राम-राम पर, पुरा सभागार राममय हो गया है। उन्होंने आगे संस्कार को ही चरित्र का निर्माता बताते हुए बहुत सारे उदाहरण भगवत गीता, रामायण, सप्तशती, अन्य धार्मिक ग्रंथों की सरस बातों से हम सभी को प्रेरित कर हमारे मनोबल को ऊंचा बढ़ाते हुए कहा कि जो संस्कारशाला की पुस्तक का विमोचन किया गया है। उसे मैंने ध्यान से पढ़ा है, ये पुस्तक अतुलनीय है ये बच्चों को ही नहीं बड़ो के लिए मार्ग दर्शिका है। इस पुस्तक की समस्त बाते अगर में भी जीवन में उतार लू तो खुद को सौभाग्यशाली समझुंगा।

इसके पश्चात मंच पर इस संस्कारशाला की चारो प्रशिक्षिका श्रीमती सारिका भंडारी, श्रीमती अंजू शर्मा, श्रीमती सोनिका लोहिया और श्रीमती अरुणा शर्मा का सम्मान किया गया। प्रथम संस्कारशाला में पंजीकरण करवाने वाले ३५ बच्चों को राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा संस्कारशाला का शपथ पाठ करवा कर गुरू कुल का शिष्य बनाये जाने की परम्परा का निर्वाह किया गया। संस्कारशाला की संयोजिका श्रीमती कंचन शर्मा, श्रीमती कुसुम जालान, श्रीमती विनीता चौधरी ने संस्कारशाला के बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष के हाथों उन्हें किट प्रदान करवाई। समारोह की कार्य सूची को पूर्ण करने का कार्य सचिव श्री अनुज चौधरी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। सामुहिक राष्ट्रगान के साथ समारोह सम्पादीत हुआ। महामहिम जलपान ग्रहण करने के बाद रवाना हुए, उन्होंने बड़े ही आत्मियता के साथ जाते जाते विभिन्न संस्थाओं से पधारे बंधुओं से अभिनंदन स्वीकार किया, बच्चों और महिलाओं की इच्छा का सम्मान रखते हुए यादगार पल बनाते हुए जन साधारण के साथ तस्वीरें उतराई, सबसे छोटे बच्चे का स्वयं के गले से दुपट्टा उतार कर पहनाते हुए अपनी सादगी एवं विनम्रता का परिचय देते हुए हमें सहज संस्कारवान बनने का आभास करवाया।

महामहिम की रवानगी के पश्चात द्वितीय सत्र आरंभ हुआ। जिसका संचालन प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद आदरणीय श्री पवन जी गोयनका का

प्रथम बार गुवाहाटी आगमन हुआ। गुवाहाटी हमेशा आतिथ्य एवं सत्कार मे आगे रहती है, समाज की घटक संस्था, सम्मेलन तथा युवा मंच के अलावा काफी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका का अभिनंदन किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका के सामाजिक अभिनंदन की कड़ी में सबसे पहले पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन इसके पश्चात मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा, गुवाहाटी शाखा, महिला शाखा, मेट्रो शाखा, पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी युवा मंच, मारवाड़ी युवा मंच की गुवाहाटी शाखा, सिरोज शाखा, समृद्धि शाखा, कामाख्या शाखा, तेरापंथ सभा, महेश्वरी सभा, श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, विप्र फाउंडेशन, अग्रवाल सभा, अष्ट लक्ष्मी फाउंडेशन, बनवासी कल्याण आश्रम, भारत भारती, मारवाड़ी महिला एकता मंच, तेरापंथ महिला मंडल, माहेश्वरी महिला समिति, लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद, अणुव्रत समिति, अग्रवाल युवा परिषद, गौ महिला समिति, विप्र युवा असम ने असमीया परंपरा के अनुसार उनका स्वागत किया। स्वागत सम्मान कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक ने किया।

संस्कारशाला उद्घाटन समारोह तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिनंदन समारोह को सफल बनाने में शाखा के संस्थापक अध्यक्ष श्री संपत मिश्र, पूर्व अध्यक्ष श्री निरंजन सिकारिया व श्री दिनेश गुप्ता के अलावा श्री संजय घिरिया, श्री संतोष जैन, श्री प्रभात शर्मा, श्री उमाशंकर गट्टानी, श्री बिसंबर शर्मा, श्री संजय निमोदिया, श्रीमती सरला जैन, श्रीमती सुनीता गुप्ता, श्रीमती पिंकी घिरिया, श्रीमती नीलम जाजोदिया, श्रीमती विजया शर्मा, श्रीमती पूजा निमोदिया ने रचनात्मक सहयोग दिया। कार्यक्रम समाप्ति पर आयोजित स्वरूची भोज ग्रहण करते हुए राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की समीक्षा की।

**सिक्किम प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन तथा मारवाड़ी सम्मेलन सिलीगुड़ी शाखा की सभाओं में अंशग्रहण :** संस्कारशाला उद्घाटन समारोह के पश्चात सांय ०४:२० की वंदे भारत एक्सप्रेस से राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय संगठन मंत्री तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष के विशेष आग्रह पर पूर्वोत्तर प्रदेश के महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक सिक्किम के गंगटोक तथा नार्थ बंगाल के सिलीगुड़ी में आहूत सभा में अंशग्रहण करने हेतु रवाना हुए।

पूर्वोत्तर प्रदेश के वाट्सएप ग्रुप में रवानगी की पोस्ट देखकर न्यू बंगाईगांव तथा कोकड़ाझार रेलवे स्टेशन पर सम्मेलन की शाखाएं राष्ट्रीय पदाधिकारियों से भेंट मुलाकात करने तथा अभिनंदन करने पहुँच गयी। आत्मियता जब प्रबल हो, और देने के भाव जब इस कदर उमड़ पड़ते हैं तब व्यक्ति स्वयं को रोक नहीं सकता। ऐसा ही दृश्य बंगाईगांव तथा कोकड़ाझार स्टेशन पर देखने को मिला। गाड़ी यहां मात्र दो मिनट रूकती है।

न्यू बंगाईगांव जंक्शन पर प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र हरलालका, बंगाईगांव शाखा के निवर्तमान सचिव श्री अजित भंसाली, बंगाईगांव महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती मंजू दुग्गड एवं सचिव श्रीमती चंदा भंसाली ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री का फुलाम गौमछा पहना कर अभिनंदन किया। इतने कम समय में जैसे अपार स्नेह का आदान-प्रदान हो गया हो। शिष्टाचार मुलाकात के साथ आत्मिक प्रेम से ओतप्रोत जलपान का थैला हमें थमा गया। उनके अनुरोध को शिरोधार्य करते हुए हमने गर्मागर्म काफी, गाजर का हलुआ तथा समोसे का आनंद उठाया। महिला शाखा आयें और उनकी विशेषता साथ नहीं आये ये हो नहीं सकता, ये मारवाड़ी समाज परिवार का सुंदर परिचय है।

पूर्वोत्तर के महामंत्री श्री रमेश चांडक ने बताया कि गेट पर पुनः चलना होगा। कोकराझार आने वाला है यहां भी हमारी शाखा है आइये आपको मिलवाता हूं। कोकराझार स्टेशन पर प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य आदरणीय किसनलाल जी नाहटा, अपने पुत्र मोहित नाहटा जो मारवाड़ी युवा मंच का प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं तथा वर्तमान में राष्ट्रीय युवा मंच मे संयुक्त मंत्री के दायित्व का निर्वाह कर रहे हैं, अपनी धर्मपत्नी प्रेरणा नाहटा के साथ बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। आधे घंटे पूर्व ही स्टेशन पर पहुंच कर उनका फोन रमेश जी को गया था, ये पुनः आत्मिकता का उदाहरण हम सभी के समक्ष हैं। नाहटा परिवार ने अभिनंदन किया तथा ड्राई फ्रूट की ट्रे मार्ग में जलपान हेतु पकड़ा दी, बेटे -बहु का चरण स्पर्श कर आशिर्वाद लेना, मारवाड़ी समाज की अटूट पहचान तथा संस्कारों का संजिदा उदाहरण ये जता गया कि भावी पीढ़ी में ऐसे संस्कार का समावेश कैसे हो इसके लिए इस वाकिये को सिर्फ दिल में संजो कर मात्र नहीं रखना है। समाज को इसे जानना जरूरी है। हम सकुन के साथ समाज की सुंदर तस्वीर पर विश्लेषण करते यात्रा में आगे बढ़ गये।

**५ जनवरी २०२६** को सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गंगटोक में मुख्य अतिथि सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के आगमन पर गंगटोक स्थित ठाकुरबाड़ी दुर्गा मंदिर पुजा समिति के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, सिक्किम मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष श्री सजन अग्रवाल, सिक्किम के विशिष्ट अतिथि नगर पार्षद श्री संदीप मालू, सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराना, सिक्किम के प्रांतीय अध्यक्ष श्री रमेश पेड़िवाल, पूवोत्तर के प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश चांडक एवं सिक्किम मारवाड़ी समाज के प्रांतीय सचिव श्री धीरज बसंल मंच पर उपस्थिति थे।

मंचासिन वरिष्ठजनों ने दीप प्रज्ज्वलित कर भगवान गणेश की वंदना की। मंचासिन वरिष्ठजनों का स्थानीय परम्परा के अनुसार खदाम पहना कर अभिनंदन किया।

बैठक का संचालन करते हुए श्री धीरज बंसल ने सभा को बैठक के उद्देश्यों के बारे में बताया कि आज यहाँ सिक्किम प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं सिक्किम मारवाड़ी समाज की संयुक्त बैठक आहूत की गई है। उन्होंने बताया कि 'सिक्किम मारवाड़ी समाज' को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध कर यहां समाज के जुड़ाव को प्रगाढ़ करने तथा सांगठनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने का मुख्य उद्देश्य है।

आगे बैठक को संबोधित करते हुए सिक्किम प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष श्री रमेश कुमार पेड़िवाल ने अपने उद्बोधन में सभी का स्वागत करते हुए गंगटोक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के आगमन पर खुशी जाहिर करते हुए सभा में उपस्थित सभी सदस्यों को सम्मेलन की भूमिका, उद्देश्यों तथा कार्यकलापों की जानकारी साझा की। श्री रमेश पेड़िवाल ने कहा कि सिक्किम मारवाड़ी समाज का मारवाड़ी सम्मेलन के अंतर्गत आने पर अत्यंत प्रसन्नता हुई तथा इस जुड़ाव में हुये आपसी निर्णय को रखते हुए बताया कि सिक्किम में सम्मेलन का तात्पर्य सभा अथवा

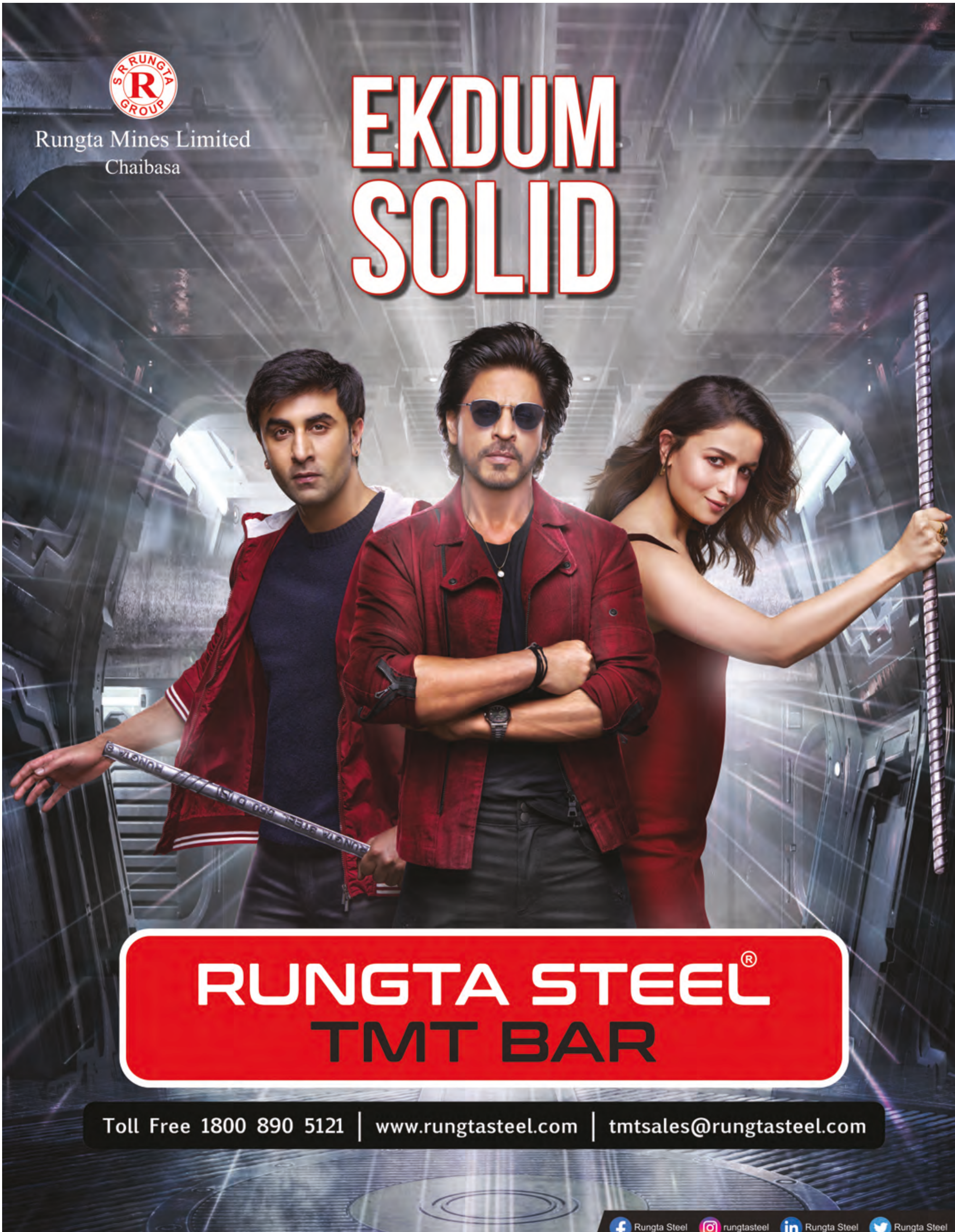


Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

IAC
SINCE 1959
ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab
POWERING 47 COUNTRIES ACROSS THE WORLD
IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959
PRODUCTS & SERVICES OFFERED:
▶INSULATOR HARDWARE FITTINGS UPTO 1200 kV HVAC & 800 kV HVDC
▶AB CABLE & OPGW FITTINGS
▶POLE / DISTRIBUTION LINE HARDWARE
▶EARTHING, STAY & TOWER ACCESSORIES
▶HTLS CONDUCTOR ACCESSORIES & SUB-ZERO HARDWARE FITTINGS
▶SUBSTATION CLAMPS & CONNECTORS
▶CONDUCTOR, INSULATOR & HARDWARE TESTING FACILITY
▶AB CABLES, COVERED CONDUCTORS AND ADSS CABLE ACCESSORIES
Chakra
BMV 60 T20
Transmission and distribution line hardwares | HTLS Conductor Testing
www.iacelectricals.com
info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata – 700020

अधिवेशन समझा जाता है। इसलिए सरकार मारवाड़ी समाज को मारवाड़ी समाज की संस्था समझते हुए महत्व देती है। सम्मेलन के सभी सदस्य सिक्किम मारवाड़ी समाज के सदस्य हैं। इसलिए आज राष्ट्रीय अध्यक्ष की मौजुदगी में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए दोनों ही संस्था को एकरूपता देने के सार्थक प्रयास होंगे। उन्होंने समाज हित में इसे उचित बताते हुए कार्य को गति प्रदान करवाने का आग्रह किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन जी गोयनका ने अपने संबोधन में सिक्किम मारवाड़ी समाज को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के परिवार बनने पर बधाई दी। उन्होंने दोंनो संस्थाओं के संबद्ध से पूर्व समाज की स्थिति तथा उसके बाद की स्थिति पर सुंदर ढंग से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सम्मेलन को समाज सुधार, सामाजिक सरोकार तथा समरसता के साथ राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाने के प्रति अपने उद्गार रखे। श्री गोयनका ने कहा कि कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है के तर्ज पर सिक्किम मारवाड़ी समाज को एक बड़े निर्णय लेने तथा समाजिक सरोकार तथा सांगठनिक शक्ति को प्रगाढ़ करने के लिए बड़े फैसले लेने पर सहमति जताने के लिए साधुवाद दिया। उन्होंने दोनों संगठनों को समाज हित में जारी रखने में कोई आपत्ती विपत्ति नहीं है परन्तु दोंनो संस्था को एक रुप देने के लिए दोनों संस्थाओं की कार्यकारिणी एक ही हो पर सहमति बनाकर सम्मेलन के इतिहास में एक नया अध्याय रच दिया। उन्होंने आगे कहा संस्था का अध्यक्ष जो भी बने वो मारवाड़ी सम्मेलन का सदस्य अवश्य होना चाहिए, इसके लिए जरूरत के अनुसार तथा कोई भी इच्छुक व्यक्ति सम्मेलन की सदस्यता ग्रहण कर सकता है। उन्होंने दोनों ही संस्था में हुइ रजामंदी को सभा में सर्वसम्मति से पारित करवा कर सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवीन कार्यकारिणी हेतु आज की सभा में मनोनयन का अनुरोध किया, जिसे सहर्ष सर्व सम्मति दी गई।

सिक्किम मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष श्री सजन अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में सिक्किम मारवाड़ी समाज के कार्य कलापों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि सिक्किम के प्रांय मारवाड़ी परिवार को जोड़ने का कार्य उनकी संस्था के द्वारा किया गया है। यहां प्रशासन, सरकार तथा स्थानीय समाज के साथ बहुत घनिष्ठ संबंध है तथा हमारा एक दूसरे के कार्यक्रमों में बहुत अच्छी भागीदारी होती रही है। सरकार द्वारा भी समाज को बहुत सम्मान दिया जाता रहा है। मारवाड़ी समाज का सिक्किम में १५० वर्ष से अधिक समय का जुड़ाव है तथा एक समय तक यहां मारवाड़ी ही व्यापार के रूप में सिक्किम की आर्थिक शक्ति रही है अब बिहारी तथा स्थानीय लोग भी व्यापार तथा अन्य कार्य में जुड़ित है। उन्होंने राष्ट्रीय पदाधिकारियों को होली के समय गंगटोक पधारने का स्नेह निमंत्रण देते हुए बताया कि वृंदावन और ब्रज की तरह आपको सर्व समाज के साथ होली के त्योहार की छटा मंत्र मुग्ध कर देगी। उन्होंने सिक्किम मारवाड़ी समाज का मारवाड़ी सम्मेलन में जुड़ाव को सामाजिक समरसता तथा सांगठनिक शक्ति को प्रगाढ़ करने प्रति रचनात्मक कदम बताते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका का धन्यवाद दिया की उनकी सार्थक पहल से आज का ये दिन ऐतिहासिक बन गया।

इसके पश्चात विशिष्ट अतिथि गंगटोक के नगर पार्षद श्री संदीप मालू को सभा की गतिविधियां पर रिमार्क देने के लिए आमंत्रित किया गया। श्री मालू के सारगर्भित उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष के गंगटोक पधारने तथा साथी पदाधिकारीयों का नगर पार्षद की और से शाब्दिक अभिनंदन करते हुए सिक्किम में मारवाड़ी समाज की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला तथा सेवा भाव के कारण ही वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दो मारवाड़ी नगर पार्षद के रूप में सेवाये दे रहे हैं तथा इस सभागार में विराजित पूर्व मेयर के रूप में महती सेवायें देने वाले श्री की अनुशंसा की। उन्होंने बताया कि समाज की गुहार पर सरकार ने आठ कट्टा जमीन मारवाड़ी समाज का भव्य भवन बनने हेतु आवंटित की है तथा बहुत बड़ी राशि भवन निर्माण हेतु देने का आश्वासन भी दिया, जिसकी पहली किस्त के रूप में एक करोड़ की राशि प्राप्त हो गई है तथा अगले तीन वर्ष में इसी प्रकार निर्माण में सरकार के सहयोग के प्रति आश्वस्त हैं।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा ने अपने सम्बोधन में संगठन के महत्व, संगठन की ताकत तथा संगठन में व्यक्ति की भूमिका कैसी हो तथा सकारात्मकता के साथ हम कैसे भावी पीढ़ी के सामने आने वाली समस्या को पहचान कर जन जागरण कर समस्या को नासूर बनने से रोकने प्रति सभी को प्रेरित करते हुए एक बृहद परिवार के रूप में सामंजस्य स्थापित कर समाज की सुरत और शिरत बदल सकते हैं पर जोर दिया।

पूर्वोत्तर प्रांत के प्रांतीय महामंत्री एवं उक्त बैठक के सम्मानित अतिथि श्री रमेश कुमार चांडक ने अपने सम्बोधन में प्रांत के अनुभवों को साझा किया।

इसके पश्चात सिक्किम मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के संबद्ध संस्था के दस्तावेज रूपी परिपत्र एवं शुल्क जमा दिये जाने की रशीद राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय श्री गोयनका को सुपुर्द की। इसके उपरांत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका ने सिक्किम मारवाड़ी समाज को मारवाड़ी सम्मेलन का अंश होने की घोषणा की।

उसके बाद सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवीन अध्यक्ष के लिए श्री रमेश पेड़िवाल ने सिक्किम मारवाड़ी समाज के

अध्यक्ष श्री सजन अग्रवाल के नाम की प्रस्तावना की। जिसे सभा ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सजन अग्रवाल को प्रांतीय अध्यक्ष पद पर आसीन करवाते हुए राष्ट्र की ओर से फुलाम गौमछा पहना कर अभिनंदन किया। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित नगर पार्षद श्री संदीप मालू का भी समाज गौरव बढ़ाने के लिए राष्ट्र की और से अभिनंदन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संस्था का कार्यकाल अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र के अनुरूप ही होगा प्रति संज्ञान करवाया।

इसके पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय संगठन मंत्री तथा पूर्वोत्तर के महामंत्री को प्यार की सौगात के रूप में श्रीराम दरबार की सुंदर मुर्तियां भेंट की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका द्वारा नवीन अध्यक्ष को अपनी कार्यकारिणी का गठन कर शीघ्र राष्ट्र को सूचित करने का अनुरोध किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में सिक्किम के निवर्तमान अध्यक्ष श्री रमेश पेड़िवाल को मनोनीत किए जाने की घोषणा की। सिक्किम प्रांत की ओर से श्री रमेश पेड़िवाल का अभिनंदन किया।

अंत में सम्मेलन के कोषाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जी थिरानी ने बहुत ही सुन्दर ढंग से धन्यवाद ज्ञापन किया। राष्ट्रीय गान के साथ सभा पूर्ण हुयी।

बैठक में दोंनो संस्थाओं से सर्वश्री संदीप मालू, प्रमोद कुमार अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, अजय बेरीवाल, मोतीलाल बंसल, लीलाधर अग्रवाल, सुनील कुमार शर्मा, शक्ति सिंह चौधरी, रमेश कुमार अग्रवाल, श्रीमती कुसुम अग्रवाल, श्रीमती अनीमा शारदा, सुभाष डागा संग अनेक सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

**६ जनवरी २०२६** को राष्ट्रीय अध्यक्ष के उत्तर बंगाल के दौरे की श्रृंखला में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की उत्तरी बंगाल की विभिन्न शाखाओं के साथ एक अनौपचारिक मुलाकात हुई। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के सम्मान में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साथ में राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा, पूर्वोत्तर प्रांत के महामंत्री श्री रमेश चांडक के अलावा उत्तरी बंगाल की विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। मुलाकात में समाज-सुधार एवं संगठन विस्तार आदि पर चर्चा हुई। उपस्थित सदस्यों ने अपने अपने विचार रखे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने समाज में व्याप्त विसंगतियों एवं संभावित उपायों पर चर्चा की एवं सम्मेलन द्वारा किए जा रहे प्रयासों एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं पूर्वोत्तर महामंत्री, सिलीगुड़ी शाखा अध्यक्ष डॉ. श्री राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने भी अपने अपने विचार रखे।

सम्मेलन समाचार

## केंद्रीय कानून मंत्री श्री मेघवाल से मुलाकात

दिनांकः २२ दिसंबर २०२५ को केंद्रीय कानून मंत्री, भारत सरकार, श्री अर्जुन राम जी मेघवाल से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका एवं साथ में दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री सज्जन शर्मा ने मुलाकात की।

माननीय मंत्री जी को जन्मदिन की बधाई दी साथ ही श्री धीरज जैन की सहायता हेतु एक पत्र भी दिया।

मध्य प्रदेश अध्यक्ष श्री शरद सरावगी से प्राप्त सूचनानुसार श्री धीरज जैन कैमरून में एक कंपनी में नौकरी करते है। एक दिन कंपनी का कैश लेकर आ रहा थे कि उनसे रास्ते में डकैती हो गई। कंपनी ने धीरज पर ही इल्ज़ाम लगाकर कैमरून पुलिस से गिरफ्तार करवा दिया। उनकी पत्नी और एक साल की बच्ची वहां पर भाड़े के फ्लैट में अकेली है जो कि मकान मालिक ने उन्हें ३१ दिसंबर २५ तक खाली करने को कह दिया है। परिवार बहुत ही टेंशन में एवं घबराया हुआ है। मामला थोड़ा अर्जेंट एवं गंभीर होने के कारण माननीय मंत्री जी से परिवार की सहायता हेतु ज्ञापन दिया एवं शीघ्र सहायता हेतु अनुरोध किया। मंत्री जी ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

## स्वर्गीय गोयल की स्मृति में डाकटिकट

**भादरा (छानीबड़ी) की धरती पर जन्मे स्वर्गीय श्री ओमप्रकाश गोयल जी की पुण्य स्मृति में नेपाल सरकार द्वारा ₹१० का डाक टिकट जारी किया जाना पूरे समाज के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।**

आलेख

# समाज-सुधार पर बातचीत एवं कार्यवाही का मंच

**–सीताराम शर्मा**
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

१९९० में मेरे सम्मेलन में सक्रिय रूप से जुड़ने के करीबन ३५ वर्षों के बाद, संभवतः यह पहला अवसर रहा है कि मैं २५ दिसम्बर २०२५ को आयोजित ९१वें स्थापना दिवस में शारीरिक अस्वस्थता के चलते उपस्थित नहीं रह सका हूँ। मुझे अपनी बात रखने का अवसर प्राप्त होता तो मैं बहुत कुछ बोलना चाहता था। सम्मेलन, जो मैं मानता हूँ एवं बराबर दोहराता हूँ, कि मारवाड़ी समाज की प्रतिनिधि संस्था है जिसके मुख्य उद्देश्य रहे हैं - समाज सुधार एवं समरसता, और इन्हीं मुद्दों पर सम्मेलन लगातार वार्तालाप ही नहीं, कार्यक्रम भी करती रहती हैं। यह हर्ष का विषय है कि सम्मेलन की ताकत एवं आवाज में लगातार नयी उर्जा का संचार हो रहा है। एक तरफ नयी युवा-शक्ति जुड़ रही है, वहीं पुराने वरिष्ठ एवं अनुभवी नेतृत्व का भी पूर्ण सहयोग एवं समर्थन मिल रहा है। प्रत्येक वर्ष मारवाड़ी सम्मेलन समाज के एक विशिष्ट व्यक्ति को राजस्थानी व्यक्तित्व पुरस्कार से सम्मानित करता है। इस वर्ष भी ऐसी ही एक महान विभूति डॉ. सुनील श्राफ को सम्मानित किया जा रहा है। मुझे इस बात की विशेष खुशी है कि इस वर्ष के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. शशि पांजा, पश्चिम बंगाल सरकार की उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पधार रही हैं - यह एक महत्वपूर्ण, सार्थक एवं प्रभावशाली उपलब्धि है। हालाँकि मैं इसको राजनैतिक नजरिये से नहीं देखना चाहता लेकिन मैंने समाज की राजनैतिक भूमिका पर बराबर जोर दिया है। मैंने सम्मेलन के अध्यक्षीय काल में इसी संदर्भ में समाज को नारा दिया था, "कोषाध्यक्ष नहीं, अध्यक्ष बनो"। इस नारे के पीछे मुख्य भावना थी कि मारवाड़ी समाज में राजनैतिक चेतना का विकास हो एवं वे केवल धन के बल पर राजनीति नहीं करे। संभवतः यह पहला अवसर है जब वर्तमान पश्चिम बंगाल सरकार की एक वरिष्ठ नेता एवं मंत्री मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यक्रम में पधारी हैं। हालाँकि सम्मेलन वर्षों से राज्य की लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्रीमती ममता बनर्जी को आमंत्रित करने, यहाँ तक कि उनसे साक्षात्कार के लिये असफल प्रयास करता रहा है। यह एक शुभ संकेत है। हम यहाँ राजनीति की बात नहीं कर रहे हैं, सत्ताधीन सरकार की चर्चा कर रहे हैं। संयोगवश १९७७ में कांग्रेस की पराजय एवं वामपंथियों की विजय के बाद से। यह तथ्य है कि १९७१-७२ में रामकृष्ण सरावगी, जो कांग्रेस की सिद्धार्थ शंकर रे की सरकार में मंत्री थे, उसके बाद कोई मारवाड़ी बंगाल में मंत्री नहीं रहा है। एक तरफ जहाँ मारवाड़ी जनसंख्या में लगातार बृद्धि हुयी है, वहीं मारवाड़ी समाज की राजनैतिक हैसियत में कमी आयी है। वाममोर्चे के ३४ वर्षों की सरकार में कोई मारवाड़ी विधानसभा, लोकसभा या राज्यसभा में नहीं रहा। यह संतोष का विषय है कि ममता बनर्जी की सरकार में एक मारवाड़ी - विवेक गुप्त, को राज्यसभा के लिये मनोनीत किया गया एवं वर्तमान में वे जोड़ासांकू क्षेत्र के विधायक हैं। श्री विवेक गुप्त जी मारवाड़ी सम्मेलन से सक्रिय रूप से जुड़े हैं, मारवाड़ी समाज के एकमात्र प्रतिनिधि हैं। मैं पश्चिम बंगाल में मारवाड़ियों-हिंदी भाषाभाषियों के प्रतिनिधित्व की चर्चा करना चाहता हूँ। श्रीमती शशि पांजा जी से मेरा वर्षों पुराना परिचय है। मैं इसे पारिवारिक सम्बंध भी कह सकता हूँ क्योंकि मेरा उनके पिता तुल्य ससुर डॉ. अजित पांजा से भी घनिष्ठ सम्बंध था। यूं तो शशि जी भी अहिंदी भाषाभाषी होने के नाते हमारी प्रतिनिधि हैं क्योंकि उनकी हिंदी उनके ससुर अजित बाबू से बेहतर है। अजित बाबू दिल्ली की राजनीति में जाने के बाद मुझसे अफसोस प्रकट करते थे कि उनकी हिंदी अच्छी नहीं है। राजनेता का कान मिलना बड़ी बात होती है, आप उनसे अपनी बात कह सकते हैं। मारवाड़ी संभवतः राजस्थान के बाद सबसे अधिक बंगाल में रहते हैं। पश्चिम बंगाल में अपनी भारी तादाद और लगभग प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण अवदान एवं भूमिका के बावजूद वे हमेशा राजनीतिक हाशिये पर ही रहे हैं। यहाँ सभी राजनीतिक दल चुनाव के समय ही उनकी सुधि लेते हैं। मारवाड़ी ही नहीं, बंगाल में हिंदीभाषियों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर भी नजर डाली जाये तो लगता है उनकी राजनीतिक हैसियत में भी लगातार गिरावट आयी है। श्रीमती शशि पांजा की उपस्थिति हमें उत्साहित करती है और प्रेरित करती है कि हमारी भावना मुख्यमंत्री तक पहुँचायेंगी।

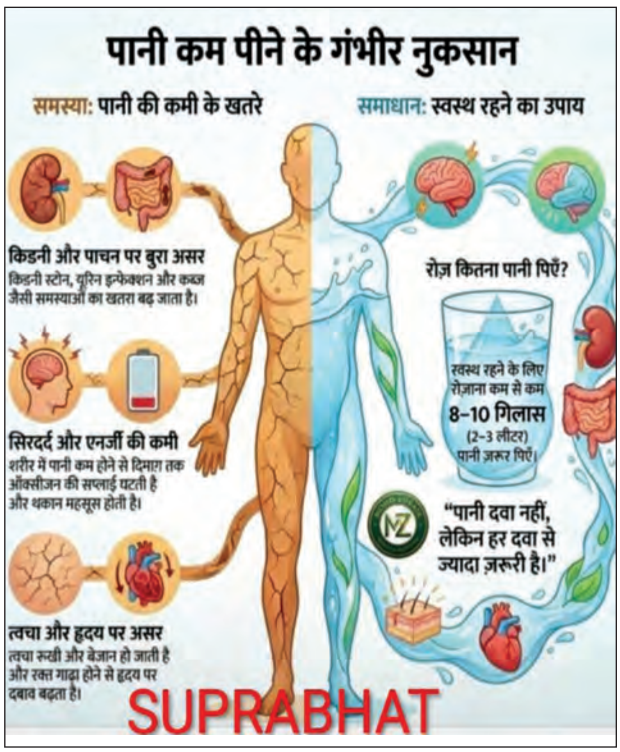

प्रांतीय समाचार : सिक्किम

# श्री सजन अग्रवाल सिक्किम प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष बनें

५ जनवरी २०२६ को सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गंगटोक में मुख्य अतिथि सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के आगमन पर गंगटोक स्थित ठाकुरबाड़ी दुर्गा मंदिर पुजा समिति के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, सिक्किम मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष श्री सजन अग्रवाल, सिक्किम के विशिष्ट अतिथि नगर पार्षद श्री संदीप मालू, सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराना, सिक्किम के प्रांतीय अध्यक्ष श्री रमेश पेड़िवाल, पूवोत्तर के प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश चांडक एवं सिक्किम मारवाड़ी समाज के प्रांतीय सचिव श्री धीरज बसंल मंच पर उपस्थिति थे।

बैठक का संचालन करते हुए श्री धीरज बंसल ने सभा को बैठक के उद्देश्यों के बारे में बताया कि आज यहाँ सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं सिक्किम मारवाड़ी समाज की संयुक्त बैठक आहूत की गई है। उन्होंने बताया कि सिक्किम मारवाड़ी समाज को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध कर यहां समाज के जुड़ाव को प्रगाढ़ करने तथा सांगठनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने का मुख्य उद्देश्य है।

आगे बैठक को संबोधित करते हुए सिक्किम प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष श्री रमेश कुमार पेड़िवाल ने अपने उद्‌बोधन में सभी का स्वागत करते हुए गंगटोक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के आगमन पर खुशी जाहिर की। श्री रमेश पेडिवाल ने कहा कि सिक्किम मारवाड़ी समाज का मारवाड़ी सम्मेलन के अंतर्गत आने पर अत्यंत प्रसन्नता हुई तथा इस जुड़ाव में हुये आपसी निर्णय को रखते हुए बताया कि सिक्किम में सम्मेलन का तात्पर्य सभा अथवा अधिवेशन समझा जाता है। इसलिए सरकार मारवाड़ी समाज को मारवाड़ी समाज की संस्था समझते हुए महत्व देती है। सम्मेलन के सभी सदस्य सिक्किम मारवाड़ी समाज के सदस्य हैं। इसलिए आज राष्ट्रीय अध्यक्ष की मौजुदगी में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए दोनों ही संस्था को एकरूपता देने के सार्थक प्रयास होंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन जी गोयनका ने अपने संबोधन में सिक्किम मारवाड़ी समाज को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के परिवार बनने पर बधाई दी। उन्होंने दोंनो संस्थाओं के संबद्ध से पूर्व समाज की स्थिति तथा उसके बाद की स्थिति पर सुंदर ढंग से जानकारी दी। श्री गोयनका ने कहा कि कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है के तर्ज पर सिक्किम समाज परिवार को एक बड़े निर्णय लेने तथा समाजिक सरोकार तथा सांगठनिक शक्ति को प्रगाढ़ करने के लिए बड़े फैसले लेने पर सहमति जताने के लिए साधुवाद दिया। साथ ही दोनों संस्थाओं की कार्यकारिणी एक ही हो पर सहमति बनाकर सम्मेलन के इतिहास में एक नया अध्याय रच दिया। उन्होंने आगे कहा संस्था का अध्यक्ष जो भी बने वो मारवाड़ी सम्मेलन का सदस्य अवश्य होना चाहिए। उन्होंने दोनों ही संस्था में हुई रजामंदी को सभा में सर्वसम्मिति से पारित करवा कर सिक्किम प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के नवीन कार्यकारिणी हेतु आज की सभा में मनोनयन का अनुरोध किया, जिसे सहर्ष सर्व सम्मति दी गई।

सिक्किम मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष श्री सजन अग्रवाल ने अपने उद्‌बोधन में सिक्किम मारवाड़ी समाज के कार्य कलापों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि सिक्किम के प्रांय मारवाड़ी परिवार को जोड़ने का कार्य उनकी संस्था के द्वारा किया गया है। यहाँ प्रशासन, सरकार तथा स्थानीय समाज के साथ बहुत घनिष्ठ संबंध है तथा हमारा एक दूसरे के कार्यक्रमों में बहुत अच्छी भागीदारी होती रही है। सरकार द्वारा भी समाज को बहुत सम्मान दिया जाता रहा है।

**(शेष पृष्ठ - १८ में)**

## संक्षिप्त परिचय

**– श्री सजन कुमार अग्रवाल**

श्री साजन कुमार अग्रवाल, हरियाणा के एक छोटे से गाँव इंदीवाली से संबंधित हैं, जो हरियाणा के भिवानी जिले में पड़ता है। आपके पिताजी श्री बनवारी लाल अग्रवाल और दादाजी ने छोटी उम्र में ही सिक्किम के रेनॉक नामक एक छोटे से बाजार में आकर बस गए थे। आपश्री का जन्म वहीं रेनॉक बाजार में हुआ था और वहीं से अपनी शिक्षा प्राप्त की। बाद में आप गंगटोक के पास टाडोंग नामक शहर में रहने लगे। यही आपका श्रीमती मंजू अग्रवाल से विवाह संपन्न हुआ। पिताजी के निधन के बाद, आपश्री को छोटी सी उम्र में ही व्यापार संभालना पड़ा। कड़ी मेहनत और संघर्ष के साथ आपने व्यापार को आगे बढ़ाया। आपके दो बेटे बड़े बेटे श्री पंकज अग्रवाल और छोटे बेटे श्री अनमोल अग्रवाल है। दोनों अपने व्यवसाय में रत है।

व्यवसायिक एवं पारिवारिक गतिविधियों के साथ ही सामाजिक गतिविधियों में आपकी काफी रुची थी। आपश्री (२०००-२००२) एवं (२०२३-२०२५) तक लायंस क्लब ऑफ गंगटोक हिल्स का दो बार अध्यक्ष पद पर रह चुके है। गंगटोक इलेक्ट्रिकल हार्डवेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष के पद को सुशोभित किया। सिक्किम मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष पद का निर्वहन करने के साथ वर्तमान में आप अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय इकाई, सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष के पद पर नियुक्त है।

इसके पश्चात विशिष्ट अतिथि गंगटोक के नगर पार्षद श्री संदीप मालू को सभा की गतिविधियां पर रिमार्क देने के लिए आमंत्रित किया गया। श्री मालू के सारगर्भित उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष के गंगटोक पधारने तथा साथी पदाधिकारीयों का नगर पार्षद की और से शाब्दिक अभिनंदन करते हुए सिक्किम में मारवाड़ी समाज की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला तथा सेवा भाव के कारण ही वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दो मारवाड़ी नगर पार्षद के रूप में सेवाये दे रहे हैं तथा इस सभागार में विराजित पूर्व मेयर के रूप में महती सेवायें देने वाले की अनुशंसा की। उन्होंने बताया कि समाज की गुहार पर सरकार ने आठ कट्ठा जमीन मारवाड़ी समाज का भव्य भवन बनने हेतु आवंटित की है तथा बहुत बड़ी राशि भवन निर्माण हेतु देने का आश्वासन भी दिया, जिसकी पहली किस्त के रूप में एक करोड़ की राशि प्राप्त हो गई है तथा अगले तीन वर्ष में इसी प्रकार निर्माण में सरकार के सहयोग के प्रति आश्वस्त हैं।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा ने कहा कि मिलकर हम सरकार एवं समाज की सुरत और शिरत बदल सकते हैं।

पूर्वोत्तर प्रांत के प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक ने अपने अनुभवों को साझा किया।

इसके पश्चात सिक्किम मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के संबद्ध संस्था के दस्तावेज रूपी परिपत्र एवं शुल्क जमा दिये जाने की रशीद राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय श्री गोयनका को सुपुर्द की। इसके उपरांत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका ने सिक्किम मारवाड़ी समाज को मारवाड़ी सम्मेलन का अंश होने की घोषणा की।

उसके बाद सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवीन अध्यक्ष के लिए श्री रमेश पेड़िवाल ने सिक्किम मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष श्री सजन अग्रवाल के नाम की प्रस्तावना की। जिसे सभा ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सजन अग्रवाल को प्रांतीय अध्यक्ष पद पर आसीन करवाते हुए राष्ट्र की ओर से फुलाम गौमछा पहना कर अभिनंदन किया। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित नगर पार्षद श्री संदीप मालू का भी समाज गौरव बढ़ाने के लिए राष्ट्र की ओर से अभिनंदन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संस्था का कार्यकाल अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र के अनुरूप ही होगा प्रति संज्ञान करवाया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में सिक्किम के निवर्तमान अध्यक्ष श्री रमेश पेड़िवाल को मनोनीत किए जाने की घोषणा की। सिक्किम प्रांत की ओर से श्री रमेश पेड़िवाल का अभिनंदन किया।

अंत में सम्मेलन के कोषाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जी थिरानी ने बहुत ही सुन्दर ढंग से धन्यवाद ज्ञापन किया। राष्ट्रीय गान के साथ सभा पूर्ण हुयी।

बैठक में दोनो संस्थाओं से सर्वश्री संदीप मालू, प्रमोद कुमार अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, अजय बेरीवाल, मोतीलाल बंसल, लीलाधर अग्रवाल, सुनील कुमार शर्मा, शक्ति सिंह चौधरी, रमेश कुमार अग्रवाल, श्रीमती कुसुम अग्रवाल, श्रीमती अनीमा शारदा, सुभाष डागा संग अनेक सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

**समाचार सार**

# प्री-वेडिंग पर एक अनुभव साझा

समाज में चल रही प्री-वेडिंग की भेड़ चाल की गति को विराम देने हेतु एक पहल - अपने परिवार से

गत दिनों विवाह सावो के एक महीने में अपने परिवार में चार विवाह का योग बना (वृंदावन, सिलीगुड़ी, बीकानेर व नागपुर) जिनमें तीन लड़कों और एक लड़की का विवाह था। हमारी एक विनम्र अपील और बच्चों को समझाने पर इन सभी विवाहों में किसी भी प्रकार का प्री-वेडिंग शूट नहीं किया गया। यह अनुभव मेरे लिए अत्यंत हृदय और गर्व का विषय रहा। मारवाड़ी समाज में हम लंबे समय से काउंसलिंग सत्रों, पारिवारिक बैठकों और सार्वजनिक मंचों के माध्यम से प्री-वेडिंग शूट जैसी अनावश्यक, अश्लील और खर्चीली परंपराओं को समाप्त करने का आग्रह करते आ रहे हैं।

परिवार के इन विवाहों में यह स्पष्ट रूप से देखने को मिला कि जब होने वाले वर-वधू को प्यार और विश्वास के साथ समझाया गया, तो उन्होंने अपने माता-पिता की सीमाओं, उनकी वर्षों की मेहनत और उनके मन के भावों को गहराई से समझा एवं स्वीकार किया कि माता-पिता की खुशियों और सुकून से बड़ा कोई उत्सव नहीं हो सकता और समाज भी यही चाहता है। विवाह का वास्तविक सौंदर्य सादगी, संस्कार और पारिवारिक सामंजस्य में ही निहित है, न कि बाहरी दुनिया के कैमरों की चमक-दमक में।

मैंने देखा है कि बहुत से हमारे बंधु यह मानते हैं और मेरा भी अनुभव रहा है कि समाज के अग्रणी वरिष्ठजनों के सार्वजनिक भाषण और मार्गदर्शन के साथ साथ व्यक्तिगत तौर पर समझाने से वर्तमान पीढ़ी वस्तुस्थिति को समझने का प्रयास करती है और सहयोग भी करती है। आज की युवा पीढ़ी संवेदनशील है, और सही तरीके से संवाद करने पर समाज के हित में निर्णय लेने की पूरी क्षमता रखती है।

प्री-वेडिंग शूट जैसी परंपराओं को पूरी तरह समाप्त करने के लिए हमें आदेश देने के बजाय बच्चों से दिल से बात करनी होगी। जब हम अपने बच्चों को यह एहसास दिलाते हैं कि उनकी एक छोटी-सी सहमति उनके माता-पिता के चेहरे पर सुकून की मुस्कान ला सकती है, समाज में उनकी छवि निखरती है तब उनका हृदय स्वयं बोल उठता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यदि हम प्रेम, विश्वास और समझदारी के साथ संवाद करेंगे, तो हमारी युवा पीढ़ी न केवल सकारात्मक प्रतिक्रिया देगी, बल्कि समाज की सादगी और संस्कारों की परंपरा को आगे बढ़ाने में गर्व भी महसूस करेगी।

**(व्यक्तिगत और प्रत्यक्ष अनुभव के आधार पर)**

**– रमेश पेड़ीवाल**
निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष
सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

# गुवाहाटी में संस्कारशाला का राज्यपाल ने किया उद्घाटन

## सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का भव्य अभिनंदन

मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा की ओर से ४ से १४ वर्ष की आयु के बच्चों के लिए अध्यात्म एवं संस्कार आधारित शिक्षण प्रकल्प संस्कारशाला का शुभारंभ ४ जनवरी २०२६ को श्री लायंस लोहिया ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य एवं मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा, विशिष्ट अतिथि श्री प्रदीप भड़ेच, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री सुशील गोयल, कामरूप शाखा अध्यक्ष श्री अजीत शर्मा तथा शाखा सचिव श्री अनुज चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा कि शिक्षा तभी सार्थक होती है जब उसके साथ संस्कार जुड़े हों। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उन्हें भारतीय जीवन मूल्यों, संस्कृति और नैतिकता से परिचित कराना अत्यंत आवश्यक है। राज्यपाल ने प्राचीन गुरुकुल परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय संस्कारशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास किया जाता था। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। राज्यपाल ने कहा बच्चों को भटकाव से बचाने के लिए संस्कार शालाओं की स्थापना आवश्यक है।

मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने अपने संबोधन में कहा कि संस्कारशाला एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम बनने की दिशा में अग्रसर है और इसका श्रेय कामरूप शाखा को जाता है। उन्होंने कहा कि ९० वर्षों से अधिक पुरानी यह संस्था समाज सेवा और राष्ट हित में निरंतर कार्य कर रही है। समाज को संगठित और संस्कारित करना ही सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर संस्कारशाला के विद्यार्थियों के लिए तैयार की गई लिखित संस्कार पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन पुष्पा सोनी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सचिव अनुज चौधरी ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्कारशाला की शिक्षिका सुश्री सारिका भंडारी, सुश्री अंजु शर्मा, सुश्री सोनिका लोहिया और सुश्री अरुणा शर्मा का भी सम्मान किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका के सामाजिक अभिनंदन की कड़ी में मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप, गुवाहाटी, मेट्रो, महिला शाखा, मायुमं की गुवाहाटी शाखा, सिरोज, समृद्धि, कामाख्या शाखा, तेरापंथ सभा, महेश्वरी सभा, अष्ट लक्ष्मी फाउंडेशन, बनवासी कल्याण, भारत भारती, मारवाड़ी महिला एकता मंच, तेरापंथ महिला मंडल, माहेश्वरी महिला समिति, विप्र फाउंडेशन, लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद, अणुव्रत समिति, अग्रवाल सभा, अग्रवाल युवा परिषद, गौड महिला समिति, विप्र युवा असम ने असमीया परंपरा के अनुसार उनका स्वागत किया। संस्कारशाला की संयोजिका सुश्री कंचन शर्मा, सुश्री कुसुम जालान, सुश्री विनीता चौधरी ने संस्कारशाला के बच्चों को प्रोत्साहित कर राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय के कर कमल से उनको किट प्रदान की। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा के संस्थापक अध्यक्ष श्री संपत मिश्र, पूर्व अध्यक्ष श्री निरंजन सिकरिया व श्री दिनेश गुप्ता के अलावा श्री संजय घिरिया, श्री संतोष जैन, श्री प्रभात शर्मा, श्री उमाशंकर गट्टानी, श्री बिसंबर शर्मा, श्री संजय निमोदिया, सुश्री सरला जैन, सुश्री सुनीता गुप्ता, सुश्री पिंकी घिरिया, सुश्री नीलम जाजोदिया, सुश्री विजया शर्मा, सुश्री पूजा निमोदिया ने सहयोग दिया।

# राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

पूर्वोत्तर प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रामास) का एक प्रतिनिधिमंडल प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा के नेतृत्व में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से राज भवन में शिष्टाचार भेंट हेतु मिला। प्रतिनिधिमंडल में संगठन मंत्री मनोज काला एवं कोषाध्यक्ष दिनेश गुप्ता भी सम्मिलित रहे।

भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा द्वारा आगामी ४ जनवरी से प्रारंभ की जा रही **'संस्कार शाला'** की जानकारी देते हुए उसके उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने हेतु महामहिम राज्यपाल से आग्रह किया।

प्रतिनिधिमंडल ने यह भी अवगत कराया कि पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन का वार्षिक अधिवेशन आगामी २१ एवं २२ मार्च को मोरान में आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है, तथा इस अवसर पर भी महामहिम राज्यपाल को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

# ऊपरी असम में प्रांतीय अध्यक्ष का दौरा

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा ने ऊपरी असम के विभिन्न शाखाओं का सांगठनिक दौरा किया। इस क्रम में उन्होंने डिब्रूगढ़, धुबड़ी, चापरमुख, नगांव, आमगुरी, दुमदुमा जोरहाट और मोरानहाट शाखाओं का दौरा किया और सभी शाखा के पदाधिकारियों तथा सदस्यों से संगठन और समाज को मजबूत बनाने में अपना योगदान देने का आह्वान किया। इस दौरे का उद्देश्य शाखाओं के संगठनात्मक कामकाज की समीक्षा, समाजिक संवेदनशीलता कार्यक्रमों में सहभागिता और संगठन विस्तार की दिशा में मार्गदर्शन देना था।

डिब्रूगढ़ में प्रांतीय अध्यक्ष श्री काबरा ने गोपाल गौशाला में गौसेवा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात हनुमान सिंघानिया रोड स्थित होटल स्वागत में डिब्रूगढ़ शाखा की सभा में शामिल हुए। सभा में उन्होंने सभी को ९१वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि यह दिन केवल संगठन की स्थापना का स्मरण नहीं, बल्कि समाज की एकजुटता, सेवा भाव और सतत संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि अब प्रत्येक शाखा सभा में रूपकुंवर ज्योति प्रसाद अगरवाला की तस्वीर अनिवार्य रूप से लगाई जाए।

दुमदुम शाखा के आधिकारिक दौरे के दौरान प्रांतीय अध्यक्ष ने समाजबंधुओं के साथ संवाद किया। दुमदुमा शाखा के अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र पेड़ीवाल की अध्यक्षता में यह विशेष सभा दुमदुमा मारवाड़ी पंचायती भवन में आयोजित हुई। सभा में प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र प्रसाद हरलालका, डॉ. महेश जैन, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री प्रकाश बैद, सहायक मंत्री श्री हेमंत जितानी और प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री दिनेश गोयल मंचासीन थे।

इस अवसर पर दुमदुमा शाखा के पूर्व अध्यक्ष श्री जयनारायण बंसल, श्री महावीर मोदी सहित कई समाजबंधु उपस्थित थे। मारवाड़ी युवा मंच के सचिव श्री हर्ष बेरीवाल और अन्य सदस्यों ने सक्रियता से भाग लिया।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री काबरा ने जोरहाट में आयोजित चौपाल सभा में समाज में बढ़ती चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बड़ी उम्र में विवाह, प्री-वेडिंग शूट और शराब का सेवन जैसी प्रवृत्तियां समाज के लिए अभिशाप हैं। श्री काबरा ने सुझाव दिया कि दिन के समय विवाह के सात फेरे कई सामाजिक समस्याओं के समाधान में सहायक हो सकते हैं।

सभा में प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र हरलालका ने भी महत्वपूर्ण विचार रखे।

जोरहाट शाखा अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल हरलालका ने प्रांतीय पदाधिकारियों का स्वागत किया। सभा में सचिव श्री बाबूलाल सांखला की अनुपस्थिति के चलते आगामी कार्यकारिणी सभा में उनके स्थान पर किसी सदस्य को पदभार सौंपने पर चर्चा करने का निर्णय लिया गया।

धुबड़ी एवं चापरमुख शाखाओं के सदस्यों से सांगठनिक योजनाओं पर चर्चा, अस्वस्थ सदस्य और परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। नगांव और आमगुरी में स्थानीय समाजबंधुओं के साथ विचार विमर्श, समाजिक मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया। मोरानहाट में बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट और चौपाल सभा में सम्मिलित होकर सदस्यों के साथ अनुभव साझा किया।

दौरे के दौरान प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र हरलालका, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य और स्थानीय शाखा पदाधिकारी सक्रिय रूप से अध्यक्ष के साथ रहे और सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने में सहयोग किया।

# प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन

१४ दिसंबर २०२५ को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के कोकराझाड़ जिले के गोसाईगांव स्थित मारवाड़ी विवाह भवन में १४ दिसंबर को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रामास) की तीसरी प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई। गोसाईगांव शाखा के आतिथ्य में आयोजित इस बैठक में समाज के विकास, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता के संवर्धन पर विशेष चर्चा हुई।

इस बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री विनोद कुमार लोहिया, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री सुशील गोयल, प्रांतीय संगठन मंत्री श्री मनोज काला, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री दिनेश गुप्ता सहित अन्य प्रांतीय पदाधिकारी तथा गोसाइगांव शाखा के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। इनके अलावा बरपेटा रोड, बंगाईगांव, कोकराझाड़, बिलासिपाड़ा, धुबड़ी, सापटग्राम और नवगठित गोलकगंज शाखाओं के पदाधिकारी और सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री रुद्र चांडक द्वारा गणेश वंदना नृत्य से हुई।

इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा ने कहा कि लगभग २००-३०० वर्ष पूर्व असम आए मारवाड़ी समाज के लोग स्वयं को असमिया मानते हैं और भविष्य में भी असमिया ही रहेंगे। श्री काबरा ने शिक्षा संस्थानों की स्थापना, रक्तदान, नेत्रदान सहित विभिन्न सामाजिक कार्यों में मारवाड़ी समाज के योगदान पर भी प्रकाश डाला।

स्वागत समिति के सदस्य रिकेश अग्रवाल ने बताया कि मारवाड़ी समाज सदैव शांति, अनुशासन और कानून के मार्ग पर चलता है। उनका उद्देश्य केवल सामाजिक हित और विकास है।

इस बैठक के दौरान गोसाईगांव महिला शाखा का गठन किया गया।

शाखा अध्यक्ष श्री सत्यनारायण चांडक और सचिव श्री कालूराम झंवर सहित उनकी समर्पित टीम ने इस आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

## 'महक माटी री' मारवाड़ी कवि सम्मेलन संपन्न

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा के सौजन्य से छत्रीबाडी स्थित परशुराम सेवा सदन में **'महक माटी री'** नामक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें कवियों ने राजस्थानी भाषा में कविताओं की प्रस्तुति दी। इसके अलावा पुणे से पधारी रिचा मिश्र ने महिला सशक्तिकरण के ऊपर प्रेरक वक्तव्य देकर महिलाओं को प्रेरित किया। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप मे मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय विनोद लोहिया, विशिष्ट अतिथि प्रेरक वक्ता रिचा मिश्र, मारवाड़ी सम्मेलन के मंडलीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल, महिला शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा, शाखा सलाहकार सरला काबरा, मंजू पाटनी, शारदा केड़िया, इंदिरा जिंदल, सरोज मित्तल ने द्वीप प्रज्वलित करके किया। शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर प्रेरक वक्ता रिचा मिश्र ने कहा कि असम के मारवाड़ीयों ने अपनी भाषा को बचाने के लिए अन्य किसी राज्यों के मारवाड़ीयों से बहुत अधिक और बेहतरीन प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि इस तरीके के कार्यक्रम अपनी भाषा को बचाने के लिए अति आवश्यक है। मुख्य अतिथि श्री विनोद लोहिया ने राजस्थानी भाषा में अपना संबोधन देते हुए कहा कि हमारी आने वाली पीढ़ी को अपनी भाषा संस्कृति से लगाव रखने के प्रयासों पर जोर दिया। इस अवसर पर कवियत्री पुष्पा सोनी, प्रज्ञा माया शर्मा, प्रतिभा शर्मा, कुमुद शर्मा, कवि मनोज नायाब और किशोर अग्रवाल ने मारवाड़ी भाषा में काव्य पाठ कर के तालिया से वाहवाही लूटी। कार्यक्रम में सोनारी से भाजपा के वरिष्ठ नेता अनूप सिंह राजपुरोहित, राजस्थानी लोक नायक बद्री व्यास, राजस्थानी कलाकार महेंद्र गौड, मारवारी सम्मेलन के प्रांतीय मंडलीय सहायक मंत्री निरंजन सिकरीया, सम्मेलन कामरूप शाखा के अध्यक्ष अजीत शर्मा, संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र, सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष शंकर बिरला, गुवाहाटी शाखा के उपाध्यक्ष प्रदीप भुवालका, विवेक सांगानेरिया, मक्खन अग्रवाल के अलावा अन्य कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रज्ञा माया शर्मा ने किया तथा कार्यक्रम संयोजिका रश्मि जैन ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

## छात्रों के बीच स्वेटर वितरण कार्यक्रम

मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा ने सर्दी के मौसम को देखते हुए उलुबाडी बीके काकोटी रोड स्थित सरकारी निम्न बुनियादी विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच गर्म स्वेटर वितरित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा ने इस कार्य की सराहना करते हुए छात्रों को पढ़ लिखकर महान व्यक्ति बनकर नाम रोशन करने का आह्वान किया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका तबस्सुम सैकिया ने सम्मेलन कामरूप शाखा के इस कार्य की सराहना की। कामरुप शाखा अध्यक्ष श्री अजीत शर्मा ने कहा कि हम भविष्य में भी इसी तरह का सहयोग करते हुए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आगामी २४ दिसंबर को इसी विद्यालय के छात्रों के बाच चित्रांकन प्रतियोगिता करवाएंगे। कार्यक्रम में कामरूप शाखा के संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र, पूर्व अध्यक्ष व वर्तमान प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय विनोद लोहिया, पूर्व अध्यक्ष व वर्तमान प्रांतीय कोषाध्यक्ष दिनेश गुप्ता के अलावा संजय खेतान, संजय गिरिया, विश्वभर शर्मा, संतोष जैन, सुरेश अग्रवाल और सरिता लोहिया उपस्थित थी।

## कार्यकारिणी सभा आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा की कार्यकारिणी सभा आयोजित गुवाहाटी शाखा कार्यालय में शाखा अध्यक्ष शंकर बिड़ला की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में आगामी असम टी-२० क्रिकेट लीग २.० एवं मुख्य क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। गणतंत्र दिवस समारोह को भव्य एवं आकर्षक रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर महिलाओं एवं बच्चों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं तथा आमजन के मनोरंजन हेतु भव्य कार्निवाल का भी आयोजन किया जाएगा।

यह संपूर्ण आयोजन कार्यक्रम चेयरमैन राहुल लोहिया के नेतृत्व में तथा खेलकूद संयोजक प्रवीण डागा एवं रमेश दमानी के सानिध्य में संपन्न होगा।

उक्त कार्यकारिणी सभा में मंडलीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल, उपाध्यक्ष प्रदीप भुवालका, सचिव सूरज सिंघानिया, सह-सचिव मनोज नायब चांडक, प्रचार-प्रसार मंत्री विवेक सांगानेरिया, खेलकूद संयोजक रमेश दम्मानी सहित कार्यकारिणी सदस्य माखन लाल अग्रवाल, राकेश भातरा, महेंद्र नाहर, प्रदीप पाटनी, विकास जैन, जितेंद्र जैन, एवं मितेश सुराणा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

manipalhospitals
LIFE'S ON

***Medica*** is now
# Manipal Hospital
# EM BYPASS

**Manipal Hospital EM Bypass**

The 500 bed Kolkata Hospital, located in Mukundapur, off EM Bypass, is one of the most respected and trusted healthcare providers in Eastern India. **It has kept its promise of delivering quality healthcare**

**500** Beds | **180** ICU Beds | **15** OTs | **3** Cathlab | **350** Doctors

www.manipalhospitals.com | 033 **6680 0000**

# क्या है मकर संक्रांति?

सूर्य का मकर राशि में प्रवेश करना 'मकर संक्रान्ति' कहलाता है। इसी दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं। शास्त्रों में उत्तरायण के समय को देवताओं का दिन तथा दक्षिणायन को देवताओं की रात कहा गया है। इस तरह मकर संक्रान्ति एक तरह से देवताओं की सुबह होती है। इस दिन स्नान, दान, जप, तप, श्राद्ध तथा अनुष्ठान का बहुत महत्व है। कहते हैं कि इस मौके पर किया गया दान सौ गुना होकर वापस फलीभूत होता है। मकर संक्रान्ति के दिन घी तिल कंबल खिचड़ी दान का खास महत्व है। पूरे देश का त्यौहार मकर संक्रांति।

ऐसी मान्यता है कि गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर तीर्थ राज प्रयाग में 'मकर संक्रांति' पर्व के दिन सभी देवी-देवता अपना स्वरूप बदल कर स्नान के लिए जाते हैं। इस मौके पर इलाहाबाद (प्रयाग) के संगम स्थल पर हर साल सगभग एक मास तक माघ मेला लगता है, जहां लोग कल्पवास भी करते हैं। बारह साल में एक बार कुंभ मेला लगता है, यह भी लगभग एक महीने तक रहता है। इसी तरह ६ बरसों में अर्धकुंभ मेला भी लगता है। मकर संक्रान्ति पर्व हर साल १४ जनवरी को पड़ता है। एक और प्रसिद्ध मेला बंगाल में मकर संक्रांन्ति पर्व पर गंगा सागर में लगता है।

गंगा सागर के मेले के पीछे पौराणिक कथा है, कि आज के दिन गंगा जी स्वर्ग से उतरकर भागीरथ के पीछे-पीछे चल कर कपिल मुनि के आश्रम में जाकर सागर में मिल गई। गंगा जी के पावन जल से ही राजा सगर के ६० हजार शापग्रस्त पुत्रों का उद्धार हुआ था। इसी घटना की स्मृति में यह तीर्थ का नाम गंगा सागर के नाम से विख्यात हुआ और हर साल १४ जनवरी को गंगा सागर में मेले का आयोजन होने लगा।

महाराष्ट्र में ऐसा माना जाता है कि मकर संक्रान्ति से सूर्य की गति तिल-तिल बढ़ने लगती है, इसलिये इस दिन तिल के बने मिष्ठान बनाकर एक-दूसरे को बांटने की परंपरा है। महाराष्ट्र और गुजरात में मकर संक्रान्ति पर्व पर अनेक खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन होता है।

पंजाब, जम्मू-कश्मीर एवं हिमाचल प्रदेश में लोहड़ी के नाम से मकर संक्रान्ति पर्व मनाया जाता है। एक प्रचलित लोक कथा के अनुसार मकर संक्रान्ति के दिन कंस ने श्री कृष्ण को मारने के लिए लोहिता नाम की राक्षसी को गोकुल भेजा था। जिसे श्री कृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था। उसी घटना के फलस्वरूप लोहड़ी पर्व मनाया जाता है। सिंधी समाज भी मकर संक्रांन्ति के एक दिन पूर्व इसे 'लाल लोही' के रूप में मनाता है। दक्षिण भारत में मकर संक्रान्ति को पोंगल के रूप में मनाया जाता है।

इस दिन तिल, चावल, दाल की खिचड़ी बनायी जाती है। इस मौके पर बैलों की लड़ाई होती है, इसे मत्तु पोंगल भी कहते है। तमिलनाडु में तमिल पंचांग का नया साल पोंगल ही होता है।

राजस्थान की प्रथा के अनुसार इस दिन महिलाएं तिल के लड्डू तथा चूरमें के लड्डू बनाकर सास-ससुर या दूसरे बड़े-बुजुर्ग का देती हैं और उनका आशीर्वाद लेती है। राजस्थान-हरियाणा में मुख्य रूप से दाल, बाटी, चूरमा, खीर-पूरी का भगवान को भोग लगाकर भोजन किया जाता है। कई जगहों पर विशाल दंगल का आयोजन भी किया जाता है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पतंग प्रतियोगिताएं भी होती हैं। इसके अलावा दक्षिण बिहार के मदार क्षेत्र में भी एक मेला लगता है।

ग्रंथों में है इसके महत्व का वर्णन मकर संक्रांति के त्यौहार का वर्णन जाने-माने ग्रंथों में भी मिलता है।

माघे मासि महादेव यो दद्यात् घृतकम्बलम्।<br>
स भुक्त्वा सकलान भोगान् अन्ते मोक्षं च विन्दति।।<br>
माघ मासे तिलान यस्तु ब्राह्मणेभ्यः प्रयच्छति।<br>
सर्व सत्त्व समाकीर्ण नरकं स न पश्यति।।<br>
(महाभारत अनुशासन पर्व)

मकर संक्रांति के दिन गंगा स्नान और गंगा तट पर दान की खास महिमा है। तीर्थ राज प्रयाग में मकर संक्रान्ति मेला तो सारी दुनिया में विख्यात है। इसका वर्णन करते हुए गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी श्री रामचरित मानस में लिखा है:-

माघ मकर गत रवि जब होई।<br>
तीरथ पतिहिं आव सब कोई।।<br>
देव अनुज किंनर नर श्रेनी।<br>
सादर मज्जहिं सकल त्रिबेनी।।

इस दिन सूर्य अपनी कक्षाओं में बदलाव कर दक्षिणायन से उत्तर तरफ होकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं। जिस राशि में सूर्य की कक्षा का परिवर्तन होता है, उसे 'संक्रमण' या 'संक्रांन्ति' कहा जाता है। मकर संक्रांन्ति से सूर्य उत्तरायण हो जाने का मतलब गरम मौसम की शुरुआत की तरह देखा जाता है।

## सदैव सकारात्मक रहें

महाराजा दशरथ को जब संतान प्राप्ति नहीं हो रही थी तब वो बड़े दुःखी रहते थे...पर ऐसे समय में उनको एक ही बात से हौंसला मिलता था जो कभी उन्हें आशाहीन नहीं होने देता था...

और वह था श्रवण के पिता का श्राप....

दशरथ जब-जब दुःखी होते थे तो उन्हें श्रवण के पिता का दिया श्राप याद आ जाता था... (कालिदास ने रघुवंशम में इसका वर्णन किया है)

श्रवण के पिता ने ये श्राप दिया था कि "जैसे मैं पुत्र वियोग में तड़प-तड़प के मर रहा हूँ वैसे ही तू भी तड़प-तड़प कर मरेगा....."

दशरथ को पता था कि ये श्राप अवश्य फलीभूत होगा और इसका मतलब है कि मुझे इस जन्म में तो जरूर पुत्र प्राप्त होगा.... (तभी तो उसके शोक में मैं तड़प के मरूँगा)

यानि यह श्राप दशरथ के लिए संतान प्राप्ति का सौभाग्य लेकर आया....

ऐसी ही एक घटना सुग्रीव के साथ भी हुई....

वाल्मीकि रामायण में वर्णन है कि सुग्रीव जब माता सीता की खोज में वानर वीरों को पृथ्वी की अलग - अलग दिशाओं में भेज रहे थे.... तो उसके साथ-साथ उन्हें ये भी बता रहे थे कि किस दिशा में तुम्हें कौन सा स्थान या देश मिलेगा और किस दिशा में तुम्हें जाना चाहिए या नहीं जाना चाहिये....

प्रभु श्रीराम सुग्रीव का ये भगौलिक ज्ञान देखकर हतप्रभ थे...

उन्होंने सुग्रीव से पूछा कि सुग्रीव तुमको ये सब कैसे पता...?

तो सुग्रीव ने उनसे कहा कि... "मैं बाली के भय से जब मारा-मारा फिर रहा था तब पूरी पृथ्वी पर कहीं शरण न मिली... और इस चक्कर में मैंने पूरी पृथ्वी छान मारी और इसी दौरान मुझे सारे भूगोल का ज्ञान हो गया...."

अब अगर सुग्रीव पर ये संकट न आया होता तो उन्हें भूगोल का ज्ञान नहीं होता और माता जानकी को खोजना कितना कठिन हो जाता...

इसीलिए किसी ने बड़ा सुंदर कहा है:-

"अनुकूलता भोजन है, प्रतिकूलता विटामिन है और चुनौतियाँ वरदान है और जो उनके अनुसार व्यवहार करें.... वही पुरुषार्थी है...."

ईश्वर की तरफ से मिलने वाला हर एक पुष्प अगर वरदान है.......तो हर एक काँटा भी वरदान ही समझें....

.....अगर आज मिले सुख से आप खुश हो...तो कभी अगर कोई दुख, विपदा, अड़चन आ जाये.....तो घबरायें नहीं.... क्या पता वो अगले किसी सुख की तैयारी हो....

इसलिए हर परिस्थिति में सदैव सकारात्मक रहें!

## एक धनी किसान

एक धनी किसान था। उसे विरासत में खूब संपत्ति मिली थी। ज्यादा धन-संपदा ने उसे आलसी बना दिया।वह सारा दिन खाली बैठा हुक्का गुड़गुड़ाता रहता था। उसकी लापरवाही का नौकर-चाकर नाजायज फायदा उठाते थे। उसके सगे-संबंधी भी उसका माल साफ करने में लगे रहते थे। एक बार किसान का एक पुराना मित्र उससे मिलने आया। वह उसके घर की अराजकता देख दुःखी हुआ। उसने किसान को समझाने की कोशिश की लेकिन उस पर कोई असर नहीं पड़ा। एक दिन उसने कहा कि वह उसे एक ऐसे महात्मा के पास ले जाएगा जो अमीर होने का तरीका बताते हैं। किसान के भीतर उत्सुकता जागी। वह महात्मा से मिलने को तैयार हो गया। महात्मा ने बताया, 'हर रोज सूर्योदय से पहले एक हंसा आता है जो किसी के देखने से पहले ही गायब हो जाता है। जो इस हंस को देख लेता है उसका धन निरंतर बढ़ता जाता है।'

अगले दिन किसान सूर्योदय से पहले उठा और हंस को खोजने खलिहान में गया। उसने देखा कि उसका एक संबंधी बोरे में अनाज भरकर ले जा रहा है। किसान ने उसे पकड़ लिया। वह रिश्तेदार बेहद लज्जित हुआ और क्षमा मांगने लगा। तब वह गौशाला में पहुंचा। वहां उसका एक नौकर दूध चुरा रहा था। किसान ने उसे फटकारा। उसने पाया कि वहां बेहद गंदगी है। उसने नौकरों को नींद से जगाया और उन्हें काम करने की हिदायत दी। दूसरे दिन भी कुछ ऐसा ही हुआ। इस तरह किसान रोज हंस की खोज में जल्दी उठता। इस कारण सारे नौकर सचेत हो गए और मुस्तैदी से काम करने लगे। जो रिश्तेदार गड़बड़ी कर रहे थे वे भी सुधर गए।

जल्दी उठने और घूमने-फिरने से किसान का स्वास्थ्य भी ठीक हो गया। इस प्रकार धन तो बढ़ने लगा, लेकिन हंस नहीं दिखा। इस बात की शिकायत करने जब वह महात्मा के पास पहुंचा तो उन्होंने कहा, 'तुम्हें हंस के दर्शन तो हो गए, पर तुम उसे पहचान नहीं पाए। वह हंस है परिश्रम। तुमने परिश्रम किया, जिसका लाभ अब तुम्हें मिलने लगा है।

*With Best Compliments From:*

# Makhanllal Jalan & Co.

**FOREIGN EXCHANGE & FINANCE BROKERS**

**Tower-1, Bengal Eco Intelligent Park**
**Unit No.9, 14th Floor, Plot No.3**
**Block-EM, Sector-V, Salt Lake**
**Kolkata-700091**
**Dial: 2357-8225, 4003-6988**
**Mobile: 9831093931**

# राष्ट्रीय सम्मेलन का स्थापना दिवस

## डिब्रूगढ़ शाखा ने प्रज्ज्वलित किए ९१ दीप

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९१वें स्थापना दिवस के अवसर पर असम प्रांत की विभिन्न शाखाओं द्वारा समाजसेवा, सम्मान, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक चेतना और संगठनात्मक एकता से जुड़े अनेक प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९१वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सम्मेलन की डिब्रूगढ़ शाखा और महिला शाखा ने २५ दिसंबर को स्थानीय श्री राधाकृष्ण मंदिर, झालूकपाड़ा में ९१ मिट्टी के दीपकों को ९१ के आकार में सजाकर विद्वान पंडितों के सानिध्य में मंत्रोचारण के साथ प्रज्वलित किया गया।

## अभिनंदन समारोह का आयोजन

इससे पूर्व २१ दिसंबर को भी डिब्रूगढ़ शाखा एवं महिला शाखा ने संयुक्त रूप से सम्मेलन के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विवेकानंद केंद्र, आनन्दालय भवन में एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। डिब्रूगढ़ शाखा अध्यक्ष कैलाश धानुका, मंडल 'क' के उपाध्यक्ष श्री राजकुमार अग्रवाल, सचिव श्री संदीप केजड़ीवाल और सलाहकार श्री आत्माराम बिरमीवाल सहित सभी प्रमुख सदस्य मंचासिन हुए। मुख्य अतिथि के रूप में तिनसुकिया निवासी समाजसेवी, अध्यापिका और कवयित्री निशा नंदिनी 'भारतीय' को आमंत्रित किया गया। उन्हें असमिया गामोसा, दुपट्टा, मिठाई और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद समाजबंधु श्री श्यामसुंदर देवड़ा और श्री रमेश सिंघानिया का भी अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल और महिला शाखा की सचिव सपना बजाज ने किया। सभा में पूर्वोत्तर प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्य, समाज के अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी, समाजबंधु एवं मातृ शक्ति उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत में सहसचिव श्री राकेश अग्रवाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

## धुबड़ी शाखा द्वारा वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९१वें स्थापना दिवस के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन की धुबड़ी शाखा ने अपने **'वरिष्ठ नागरिक सम्मान'** कार्यक्रम के द्वितीय एवं अंतिम चरण का आयोजन किया। इस अवसर पर शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने १३ स्थानीय वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया। इससे पूर्व १८ दिसंबर २०२५ को पहले चरण में और २४ दिसंबर को ११ वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में श्री अनोप चन्द सेठिया, श्री दिनेश कुमार अग्रवाला (धनावत), श्री सुशील कुमार बैंगानी, श्री मदन लाल बुच्चा, श्री दिलीप कुमार चोरड़िया, श्री हनुमान प्रसाद अग्रवाला, श्री महेन्द्र कुमार जैन, श्री विकास शर्मा और श्री तेज करण पारिक का विशेष योगदान रहा।

## मनाया स्थापना दिवस

सम्मेलन की बिलासीपाड़ा शाखा एवं बिलासीपाड़ा महिला शाखा ने २५ दिसंबर को संयुक्त रूप से उत्साह के साथ सम्मेलन का ९१वां स्थापना दिवस मनाया।

## स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम : पूर्वोत्तर

### वरिष्ठ समाजसेवियों का अभिनंदन

मारवाड़ी सम्मेलन धेमाजी एवं मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा धेमाजी ने संयुक्त रूप से सम्मेलन का स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर दोनों शाखा के सदस्यों ने समाज के दो अनुभवो, प्रेरणादायी एवं वयोवृद्ध सदस्यों श्री श्याम सुंदर गाड़ोदिया एवं श्रीमती रुक्मणी देवी सुरपूरिया का अभिनंदन किया। शाखा के अध्यक्ष श्री विष्णु बंसल, महिला शाखा अध्यक्ष श्रीमती ललिता बंसल, सचिव श्री रोहित गाड़ोदिया एवं महिला शाखा सचिव श्रीमती दीपा मालपानी के नेतृत्व में कार्यकारिणी सदस्यों ने सम्मानित अतिथियों के आवास पर जाकर उन्हें दुशाला, सेलेंग चादर, पंचमेवा की ट्रे एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य श्री दुर्गादत्त राठी, श्री उमेश खंडेलिया, उपाध्यक्ष श्री पंकज सिंघल, निवर्तमान अध्यक्षा श्रीमती कविता सिंघानिया, उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा खंडेलिया, कोषाध्यक्ष श्रीमती मंजू बंसल सहित श्रीमती प्रिया अग्रवाल, श्रीमती निर्मला अग्रवाल एवं श्रीमती सुधा अग्रवाल उपस्थित रहीं।

### वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

सम्मेलन के स्थापना दिवस पर गोलकगंज शाखा ने वरिष्ठ नागरिक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसके अंतर्गत समाज के वरिष्ठ नागरिकों श्रीमान सम्पत लाल सेठिया और श्रीमती रत्ना देवी सेठिया का सम्मान किया।

### वरिष्ठ नागरिक सम्मान कार्यक्रम

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के स्थापना दिवस के पावन अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, रंगिया शाखा द्वारा समाज के वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान हेतु एक विशेष एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मेलन के पदाधिकारी एवं सदस्य समाज के सम्माननीय वरिष्ठजनों के घर-घर जाकर उन्हें शॉल, मिठाई एवं कलम भेंट कर सम्मानित किया। इसी क्रम में २५ दिसंबर की सुबह रंगिया में पधारे प्रसिद्ध कथावाचक प्रपन्ना महाराज का प्रातः १० बजे कथास्थल पर प्रथम अभिनंदन कर तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ किया गया। मारवाड़ी सम्मेलन रंगिया शाखा के अध्यक्ष श्री योगेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में सचिव श्री जितेंद्र जाजोदिया और अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम के आयोजन में सक्रिय योगदान दिया।

### चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन, टियोक शाखा ने सम्मेलन के स्थापना दिवस के अवसर पर बच्चों के लिए चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल १४५ बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी सृजनात्मक कला का प्रदर्शन किया।

## स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम : पूर्वोत्तर

# साउंड थेरेपी और चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन

सम्मेलन की कामरूप शाखा ने सम्मेलन की स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में साउंड थेरेपी कार्यक्रम और उलुबाड़ी निम्न बुनियादी विद्यालय में चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया। शाखा के थेरेपी कार्यक्रम में ५० से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण श्रीमती सुचेन्द्रा रॉय द्वारा प्रस्तुत ध्वनि चिकित्सा सत्र था, जिसने सभी प्रतिभागियों को एक नया और अनुठा अनुभव प्रदान किया। इस आयोजन का कुशल संचालन संयोजक श्रीमती कुसुम जालान, श्री संजय घीरिया और श्री संजय खेतान ने किया। वहीं उलुबाड़ी निम्न बुनियादी विद्यालय में आयोजित चित्रांकन प्रतियोगिता में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिए तथा अपनी कला और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर बच्चों के बीच चॉकलेट, बिस्किट, फल और ठंड से बचाव हेतु मफलर वितरित किए गए। इन कार्यक्रमों में प्रांतीय अध्यक्ष (मुख्यालय) श्री विनोद कुमार लोहिया, शाखा के संस्थापक अध्यक्ष श्री संपत मिश्र, सचिव श्री अनुज चौधरी, उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता लोहिया, संयुक्त सचिव श्रीमती कंचन शर्मा, सदस्या श्रीमती पिंकी घिरिया, श्री बिसंबर शर्मा, श्री प्रभात शर्मा, श्री सुरेश अग्रवाल, श्री संतोष जैन, श्रीमती बबीता अग्रवाल, श्रीमती बबिता खेतान और श्री श्रीकांत बांका ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

# सिलाई मशीन वितरण

सम्मेलन के स्थापना दिवस के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा ने एक जरूरतमंद महिला को सिलाई मशीन प्रदान किया। इसके अतिरिक्त घर में उपयोगी कई वस्तुएँ भी उन्हें सम्मान स्वरूप प्रदान की गई। शाखा अध्यक्षा श्रीमती संतोष शर्मा के नेतृत्व में शाखा की सदस्यों सयोंजिका अग्रवाल, सलाहकार श्रीमती सरला काबरा, श्रीमती इंदिरा जिंदल, मंत्री श्रीमती मंजू भंसाली, कोषाध्यक्ष श्रीमती शांति कुंडलिया, उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा गोयल, श्रीमती ज्योति शर्मा, कार्यकारिणी सदस्या श्रीमती सिया शर्मा, श्रीमती विद्या कुंडलिया और श्रीमती मीनू दूधोड़िया सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

# मनाया स्थापना दिवस कार्यक्रम

सम्मेलन की तिनसुकिया शाखा एवं तिनसुकिया महिला शाखा ने महाराजा अग्रसेन भवन में धूमधाम से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का ९१वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम में तिनसुकिया जिले के नवनियुक्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री मयंक कुमार झा, आईपीएस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ मंडलीय उपाध्यक्ष श्री प्रकाश वेद, मंडलीय सहायक मंत्री श्री हेमंत जितानी, मुख्य वक्ता सीए श्री मयूर अग्रवाल, अधिवक्ता श्रीमती सुमन शर्मा, सम्मेलन अध्यक्ष श्री पवन केजरीवाल, महिला शाखा अध्यक्षा श्रीमती सुनीता जालान, सचिव श्री विमल चौखानी एवं श्रीमती मनीषा कनोई मंचासीन रहे। मंच संचालन का दायित्व श्री राम अवतार सारड़ा ने निभाया। कार्यक्रम का शुभारंभ संयोजक श्री राम अवतार सारड़ा द्वारा गणेश वंदना के साथ किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि श्री मयंक कुमार झा एवं अन्य अतिथियों के करकमलों से दीप प्रज्वलन संपन्न हुआ। प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा के निर्देशानुसार रूप कुंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाल की तस्वीर कार्यक्रम स्थल पर स्थापित की गई।

## स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम : पूर्वोत्तर

# मंडल 'ए' की शाखाओं ने मनाया स्थापना दिवस

मोरानहाट शाखा के आतिथ्य में मंडल 'ए' के अंतर्गत आठ शाखाओं ने संयुक्त रूप से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का ९१वां स्थापना दिवस मनाया। सम्मेलन सदस्य श्री बिरेन अग्रवाल के निवास स्थान पर आयोजित इस समारोह में प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र हरलालका, प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. महेश जैन, प्रांतीय संयुक्त मंत्रीश्री बिरेन अग्रवाल, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री राजकुमार अग्रवाल, मंडलीय सहायक मंत्री श्री पवन मोर, प्रांतीय कार्यशाला संयोजक श्री बिमल अग्रवाल, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री अनिल पोद्दार एवं श्री संदीप अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। मोरानहाट शाखा के सदस्यों के साथ-साथ सोनारी, शिमलगुड़ी, नाजिरा-गैलेकी, शिवसागर, डिमौ, डिब्रूगढ़ एवं डीकम ग्रेटर शाखाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य, मोरान की अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा समाजबंधु बड़ी संख्या में इस मेलजोल समारोह में उपस्थित रहे। मोरानहाट शाखा अध्यक्ष श्री बिनोद अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन श्री पवन मोर ने किया। इस अवसर पर विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों, विशिष्ट समाजबंधुओं, मातृशक्ति एवं संस्थागत प्रतिनिधियों का दुपट्टा एवं फुलाम गामोसा से सम्मान किया गया। कार्यक्रम के विशेष सत्र में समाज के चार वरिष्ठजनों-श्री डालूराम माड़ोदिया, श्री सत्यनारायण बेड़िया, श्री प्रह्लाद पोद्दार एवं श्री श्रीनिवास चांडक-को विशिष्ट समाजबंधु अलंकरण से सम्मानित किया गया। अस्वस्थता के कारण अनुपस्थित डालूराम माड़ोदिया को शीघ्र उनके निवास पर सम्मानित करने की घोषणा की गई। शिमलगुड़ी शाखा द्वारा रक्तदान क्षेत्र में विशेष योगदान हेतु डॉ. महेश जैन का सम्मान किया गया तथा सत्र २०२३-२५ में विशेष सहयोग हेतु युवा प्रतिभा श्री मनीष बेड़िया को भी सम्मानित किया गया।

# पौधरोपण कार्यक्रम

सम्मेलन के स्थापना दिवस के अवसर पर सिलचर शाखा ने पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया।

# मनाया स्थापना दिवस

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९१वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन शिवसागर शाखा द्वारा २५ एवं २६ दिसंबर २०२५ को सेवा, सम्मान एवं सामाजिक समर्पण से परिपूर्ण विविध कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया।

२६ दिसंबर को खेमका मातृ सेवा सदन में मारवाड़ी सम्मेलन शिवसागर शाखा एवं केडिया मेडिकल हॉल के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल ४२ लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एन. के. दास एवं उनकी टीम द्वारा रोगियों की जांच एवं परामर्श प्रदान किया गया, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिला। उसी दिन स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शिवसागर के प्रतिष्ठित समाजसेवियों एवं विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में शिक्षाविद, साहित्यकार, लेखक एवं असम साहित्य सभा शिवसागर जिला के पूर्व अध्यक्ष श्री सीनाराम बरुवा, प्राग न्यूज के वरिष्ठ पत्रकार श्री भैरव मुंडा, वरिष्ठ चिकित्सक, समाजसेवक एवं संगीतकार डॉ. प्रबुद्ध प्रसाद चेतिया शामिल रहे। तीनों महानुभावों को असमिया जातीय प्रतीक फुलाम गामोसा एवं मोमेंटो (अभिनंदन पत्र) प्रदान कर सम्मानित किया गया।

स्थापना दिवस के अवसर पर शाखा द्वारा स्थानीय बैपटिस्ट मंडली स्थित वस्त्र बैंक में जरूरतमंद एवं असहाय लोगों हेतु गरम कपड़े प्रदान किए गए। इस मानवीय पहल के लिए बैपटिस्ट मंडली के पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने मारवाड़ी सम्मेलन शिवसागर शाखा का आभार व्यक्त किया। २५ दिसंबर २०२५ को मोरान मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा सेपोन में आयोजित मंडलीय 'ए' स्तर के स्थापना दिवस समारोह में शिवसागर शाखा की सक्रिय सहभागिता रही। इस अवसर पर शिवसागर शाखा की ओर से अध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार खेमका, सचिव श्री आनंद प्रकाश केडिया, कोषाध्यक्ष श्री सुनील कुमार छावछरिया, निवर्तमान अध्यक्ष श्री विजय कुमार चितावत एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री नंदकिशोर झवर उपस्थित रहे।

**स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम : पूर्वोत्तर**

## मनाया ९१वां स्थापना दिवस

मारवाड़ी सम्मेलन की जोरहाट शाखा ने उत्साह के साथ मनाया राष्ट्रीय सम्मेलन का ९१वां स्थापना दिवस। ठाकुरबाड़ी परिसर में शाखाध्यक्ष श्री कन्हैयालाल हरलालका और श्री बाबुलाल गगड़ द्वारा झंडोत्तोलन के साथ हुई। इस अवसर पर समाज के विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। लेखक-चिंतक श्री ओमप्रकाश गट्टाणी एवं गुवाहाटी में निर्माणाधीन छात्रावास के संयोजक श्री जुगल किशोर सिंघी ने छात्रावास की प्रगति और जोरहाट के समाजबंधुओं के योगदान की सराहना की। समाजकर्मी डॉ. इंद्रप्रसाद साहेवाला ने सम्मेलन की सफलता और समाज में इसके महत्व पर प्रकाश डाला।

## संयुक्त शाखा द्वारा कंबल वितरण

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की बरपेटा रोड शाखा और मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में ५ जनवरी को सरभोग के आगे किस्मत द्वारिका गांव में १०० कंबल वितरण का कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में शाखा अध्यक्ष श्री संजय घिड़िया के साथ प्रांतीय अध्यक्ष (मंडल-ज) श्री राजेन्द्र हरलालका, प्रांतीय सहायक मंत्री (मंडल-ज) श्रीमती स्मिता धिरासरिया, महिला शाखा अध्यक्षा श्रीमती सुमित्रा जैन, गांव प्रधान श्रीमती सविता नाथ, गांव समाजसेवक श्री भैरव बर्मन, गांव के वार्ड न. ५ के मेंबर श्री अजीत कुमार दास, गांव के समाजसेवक श्री गोवर्धन पावक, श्री हरीकिशन माहेश्वरी, श्री शिवरतन राठी को मंचासिन करवाया गया। मारवाड़ी समाज से पधारे कई महानुभावों ने कार्यक्रम की और शोभा बढ़ाई। सचिव श्री कमल खेमका ने इस आयोजन की जानकारी प्रेषित की।

## प्रेरणादायक नारी शक्ति सम्मान समारोह संपन्न

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९१वें स्थापना दिवस के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, बरपेटा रोड शाखा द्वारा दिनांकः २५ दिसंबर २०२५ (गुरुवार) को स्थानीय श्री राधाकृष्ण ठाकदुरबाड़ी प्रांगण में **"प्रेरणादायक नारी शक्ति सम्मान समारोह"** का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में अपने प्रेरणास्पद कार्यों से नारी सशक्तिकरण को नई दिशा देने वाली महिलाओं की अदम्य शक्ति, साहस, सृजनशीलता, नेतृत्व क्षमता एवं उनके बहुआयामी योगदान को सम्मानित करना था ताकि आने वाली पीढ़ियाँ उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ सकें।

कार्यक्रम में मंचासीन प्रमुख अतिथियों में शाखा अध्यक्ष संजय घिड़िया, राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी के अध्यक्ष राधा किशन चौधरी, मंडल-ज के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्रीधर शर्मा, मंडल-ज की सहायक मंत्री श्रीमती स्मिता धिरासरिया, शाखा उपाध्यक्ष बासुदेव माहेश्वरी, शाखा सचिव कमल खेमका एवं बरपेटा रोड महिला शाखा की अध्यक्षा श्रीमती सुमित्रा जैन। कार्यक्रम का संचालन शाखा के सह-सचिव एवं इस कार्यक्रम के संयोजक रवि प्रकाश अग्रवाला एवं शाखा के कोषाध्यक्ष संजय जाजोदिया ने किया।

उक्त कार्यक्रम में उपस्थित राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी के सचिव भेरु कुमार शर्मा, समाजसेवी शिवरतन राठी, श्रीमती सीता हरलालका सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने नारी शक्ति के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

## तुलसी पूजन एवं गौसेवा

मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा, नॉर्थ लखीमपुर ने २५ दिसंबर को स्थापना दिवस और तुलसी पूजन दिवस के अवसर पर स्थानीय जगन्नाथ मंदिर में जाकर भगवान की पूजा-अर्चना की और उसके पश्चात गायों को चारा एवं गुड़ खिलाकर गौसेवा का पुण्य कार्य संपन्न किया। कार्यक्रम में सभी उपस्थित सदस्यों ने अपने हाथों से गायों को चारा खिलाया। इस कार्य में अध्यक्ष सुषमा लखोटिया, उपाध्यक्ष संगीता पटवारी, सलाहकार सरोज गिडियो एवं पूरी कार्यकारिणी की सहभागिता रही।

## स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम : कर्नाटक

# बच्चों संग मनाया सम्मेलन का स्थापना दिवस

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के स्थापना दिवस के अवसर पर बेंगलूरु मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा सामाजिक सेवा की भावना को साकार करते हुए एक प्रेरणादायी सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दबासपेटे स्थित धरिश्री ट्रस्ट विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का मूल संदेश रहा– **नर सेवा ही नारायण सेवा**।

कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष बच्चों के लिए स्नेहपूर्ण वातावरण में हाई-टी, खेलकूद तथा विविध मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल ने सेवा, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज के वंचित एवं विशेष वर्ग के प्रति संवेदनशीलता ही किसी भी संगठन की वास्तविक पहचान होती है।

# संक्रांति पर सेवा और संवेदना का प्रेरणादायक आयोजन

कर्नाटक प्रांत की मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि, बेंगलूरु द्वारा नेले आशा किरणा गर्ल्स ऑफनेज में **'संक्रांति शेयरिंग सेलिब्रेशन'** का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद बच्चियों के साथ पर्व की खुशियाँ साझा करना था। यह कार्यक्रम संस्था की अध्यक्ष माया अग्रवाल के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्था की सचिव शालिनी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष हेमलता सांवरिया तथा सलाहकार मंजू अग्रवाल का मार्गदर्शन भी अत्यंत सराहनीय रहा। इस सामाजिक पहल को सफल बनाने में अनेक सदस्यों का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष निर्मला गोयल, लता चौधरी, संयुक्त सचिव पल्लवी पोद्दार, सहायक सचिव बिनीता अग्रवाल, संयोजक नेहा उमेश अग्रवाल तथा सदस्य पूजा (मदन) अग्रवाल, हेमलता अग्रवाल, आशा मित्तल और पारुल अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।

## प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग

# सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट

६ जनवरी २०२६ को राष्ट्रीय अध्यक्ष के उत्तर बंगाल के दौरे की श्रृंखला में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की उत्तरी बंगाल की विभिन्न शाखाओं के साथ एक अनौपचारिक मुलाकात हुई। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के सम्मान में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साथ में राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा, पूर्वोत्तर प्रांत के महामंत्री श्री रमेश चांडक के अलावा उत्तरी बंगाल की विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। मुलाकात में समाज-सुधार एवं संगठन विस्तार आदि पर चर्चा हुई। उपस्थित सदस्यों ने अपने अपने विचार रखे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने समाज में व्याप्त विसंगतियों एवं संभावित उपायों पर चर्चा की एवं सम्मेलन द्वारा किए जा रहे प्रयासों एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं पूर्वोत्तर महामंत्री, सिलीगुड़ी शाखा अध्यक्ष डॉ. श्री राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने भी अपने अपने विचार रखे।

बैठक में सचिव श्री अरुण कंदोई, कोषाध्यक्ष श्री विजय अग्रवाल, सलाहकार श्री राम अवतार बरेलिया, भूतपूर्व अध्यक्ष श्री विष्णु केडिया, उपाध्यक्ष श्री अशोक अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री जयसिंहजी कुंडलिया, कार्यकारिणी सदस्य श्री बजरंग सेठिया, श्री मनोज शर्मा एवं श्री बिजेंद्र गोयल उपस्थित रहे।

साथ ही दार्जीलिंग शाखा से अध्यक्ष श्री बृजमोहन गर्ग एवं कर्सियांग शाखा से श्री राजेंद्रजी अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

## श्रद्धांजलि

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य एवं रांची के प्रख्यात समाजसेवी आदरणीय स्व० भागचंद पोद्दार के निधन दिनांक का समाचार अत्यंत दुःखद, हृदयविदारक एवं अपूरणीय क्षति का बोध कराने वाला है। सम्मेलन परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि!

# प्रथम मारवाड़ महोत्सव–२०२६

## आपणो माटी - आपणो विरासत - आपणो मारवाड़

झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सहायक समिति के संयुक्त तत्वाधान् में मारवाड़ महोत्सव २०२६ का भव्य आयोजन भगवान बिरसा मुण्डा पावन जन्म भूमि राँची, झारखण्ड में दिनांक १६ से १८ जनवरी २०२६ तक किया गया। तीन दिवसीय भव्य मारवाड़ महोत्सव में राजस्थानी संस्कृति, व्यंजनों, हस्तशिल्प, परम्पराओं की अद्‌भुत झलक समाज के लोगों को प्रत्यक्ष रूप से देखने अवसर प्राप्त हुआ। इस महोत्सव का उद्देश्य राजस्थान एवं मारवाड़ समृद्ध, संस्कृति, परंपराओं, खानपान, लोककला का जीवंत प्रदर्शन एवं वीरता को प्रदर्शित करना था। जिससे अपनी माटी की सुगंध, अपने पूर्वजों की जन्म भूमि का हमारी एकता एवं अखण्डता का संगम हुआ। हमारे राजस्थान की उपरोक्त संस्कृति जो लुप्त हो रही थी, उसे समाज के हर वर्ग को प्रदर्शित एवं संगठित करने हेतु एक उदगम के रूप में महोत्सव का आयोजन किया गया।

मारवाड़ महोत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्‌घाटन दिनांक १६ जनवरी २०२६ को झारखण्ड के महामहिम राज्यपाल श्री संतोष गंगवार जी के कर कमलों द्वारा किया गया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्रगान एवं दीप प्रज्जवन करते हुए कार्यक्रम का विधिवत् शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात् गणेश वंदना श्री मुकेश काबरा द्वारा किया गया।

महामहिम का स्वागत सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश जी अग्रवाल ने अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर किया एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत सम्मान प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार अग्रवाल एवं प्रांतीय महामंत्री श्री विनोद जैन ने किया। महामहिम को स्मृति चिह्न मारवाड़ी सहायक समिति के अध्यक्ष श्री पवन कुमार शर्मा ने एवं विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह श्री ललित कुमार पोद्दार एवं श्री अरूण भरतीया ने संयुक्त रूप से देकर सम्मान किया।

महामहिम ने अपने उद्‌गार में मारवाड़ी समाज के कार्यों एवं योगदानों की प्रशंसा करते हुए कहा कि राजस्थानी एवं मारवाड़ी समाज की संस्कृति काफी समृद्ध है। मारवाड़ी समाज के लोग स्थानीय लोगों के साथ घुल-मिल कर उनकी कला एवं संस्कृति को संरक्षित रखते हुए अपनी संस्कृति को भी समृद्ध बनाते है, यही मारवाड़ी समाज की पहचान है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज का योगदान न सिर्फ राज्य में बल्कि सम्पूर्ण देश में स्मरणीय, प्रेरणादायक और गौरवशाली रहा है। यह समाज समृद्ध संस्कृति, सभ्यता, विविधता में एकता, परोपकार की भावना और कठिन परिश्रम के लिए जाना जाता है। देश में आई विपरीत परिस्थिति के

समय भी यह समाज हमेशा अग्रणीय रहा है। महामहिम ने मारवाड़ महोत्सव के सम्पूर्ण परिसर का परिभ्रमण करते हुए मारवाड़ महोत्सव की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने अपने सम्बोधन में कहा कि सम्मेलन समाज को संगठित कर, संस्कार एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा समाजिक एकता, समाजिक समरस्ता, शिक्षा, सेवा कार्य और संघात्मक विकास पर सम्मेलन निरंतर प्रयारत होकर कार्य कर रही है।

विशिष्ट अतिथि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता ने सम्मेलन के भावी योजनाओं पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। महोत्सव के मुख्य संयोजक श्री अरूण भरतीया ने तीन दिवसीय कार्यक्रम की सम्पूर्ण जानकारी प्रस्तुत की।

मारवाड़ महोत्सव के उद्‌घाटन सत्र के दौरान प्रसिद्ध समाजसेवी, पूर्वी भारत में सर्वप्रथम परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह आयोजन के जनक श्रद्धेय श्री भागचन्द जी पोद्दार, जो अग्रवाल सभा राँची के संस्थापक, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सहायक समिति के पूर्व अध्यक्ष सहित अनेकों सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं में अपने कार्यो के क्रियान्वयन हेतु अपना अतुल्लनीय योगदान दिया। श्रद्धेय श्री भागचन्द जी पोद्दार के अनुकरणीय योगदान के लिए मरणोंपरान्त **'झारखण्ड समाज रत्न'** से अलंकृत किया गया। यह सम्मान उनके पुत्र श्री पवन कुमार पोद्दार ने अपने परिवार जनों की उपस्थित में महामहिम राज्यपाल श्री संतोष गंगवार के कर कमलों से प्राप्त किया।

प्रथम दिवसीय कार्यक्रम में मेंहदी रचनी प्रतियोगिता, राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम, अपनी संस्कृति को जाने, अपने मारवाड़ को जाने कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय समाज के बच्चों एवं पुरूषों के द्वारा किया गया। जिसमें काफी संख्या में समाज महिला, पुरूष एवं बच्चों ने अपनी सहभागिता दी। प्रातः ११ बजे से अपराह्न ३ बजे तक आर.बी.एल बैंक के द्वारा निःशुल्क आई चेकअप कैंप लगाकर निःशुल्क चश्मा का वितरण किया गया। साथ ही कई प्रकार के रक्त जांच भी किया गया। जिसमें लगभग १२५ व्यक्ति लाभांवित हुए।

संध्या ६ बजें राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद श्रीमती महुआ मांझी एवं पूर्वी सिंहभूम के विधायक श्री सरयू राय के कर कमलों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। श्री सेठ ने अपने सम्बोधन में समाज के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब मैं समाज के बीच आता हूँ तो मुझे आभाश होता कि मैं अपने घर में हूँ। विधायक श्री सरयू राय ने कहा कि यह आयोजन सम्पूर्ण मारवाड़ी समाज के अतीत को जीवंत रूप में दर्शाते हुए समाज को एकजुट करने का सराहनीय कार्य है। राज्यसभा सांसद श्रीमती महुआ मांझी ने कहा कि सम्पूर्ण मारवाड़ी समाज सभी वर्गों के लिए परोपकारी कार्य करने में अतुलनीय योगदान देते आ रहे है, जो सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। तत्पश्चात् सभी अतिथियों ने चौकी घाणी में राजस्थानी पारम्पारिक व्यंजनों का लुप्त उठाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन संध्या ६ बजे से किया गया। जिसमें कोलकाता से आए हुए कलाकारों के द्वारा रामायण पर आधारित नाटिका का लघु मंचन किया।

महोत्सव के प्रवेश द्वार पर राजस्थान के उदयपुर किला की जीवंत झांकी को दर्शाते हुए आगंतुक समाज बंधुओं का स्वागत राजस्थानी वाद्य यंत्र एवं राजस्थानी नृत्य के साथ किया जा रहा था। पूरा परिसर राजस्थान की धरोहर किलाओं झरनों, महलों, कलाकृतियों, राजस्थानी परिधानों, रेगिस्तान की छवि के साथ सुसज्जित किया गया था जो अपने आप में आंगतुकों को राजस्थान की संस्कृति एवं सभ्यता की अनुपम दृश्य से अभिभुत कर रही थी।

जयपुर राजस्थान से आये हुए ४० कलाकारों के द्वारा राजस्थानी परंपरा के अनुरूप सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए जिसमें प्रमुख रूप से घूमर नृत्य, कालबेलिया, लोकगीत, लोकनाटय का मंचन, राजस्थान की परंपराओं को जीवंत कर रहा था। राजस्थान से आए हुए कलाकारों के द्वारा फॉक, कालबेलिया, चरी, भवई, फॉयर, पुपेट, भोपा, कच्ची घोड़ी नृत्य लोगों मंत्र मुग्ध कर रहा था। राजस्थान की लृप्त हो रही कटपुतली नृत्य एवं बाईस्कोप को देखने के लिए बुढ़े एवं बच्चें आतुर हो रहे थे।

राजस्थान से आये हुए रसोईयों के द्वारा बाजरें की रोटी एवं लहसुन की चटनी, राजस्थानी मशाला पापड एवं लापड़ खाने के लिए लोग आतुर थे। परिसर में राजस्थान का साफा बांधा जा रहा था तथा राजस्थान के चूरन, राजस्थानी पापड़, खीचियां, चिप्स, राजस्थानी परिधान, वृंदावन का पोशाक एवं चूड़ियों के स्टॉल लोगों को लुभा रहा थे। परिसर में राजस्थानी व्यंजनों के स्टॉल जिसमें प्रमुख रूप से दाल, बाटी, चूरमा, मिर्चा पकोड़ी, प्याज की कचौड़ी, कढ़ी कचौड़ी, वृंदावन की दुध एवं हवा मिठाई लोगों को आकर्षित कर रही थी।

महोत्सव में प्रतिदिन जयपुर राजस्थान के तर्ज पर चौकी घाणी में ३० से अधिक राजस्थानी व्यजंनों को परोसा गया जिसमें प्रतिदिन ३०० व्यक्तियों ने राजस्थानी भोजन को ग्रहण किया। तीन दिवसीय महोत्सव में प्रतिदिन हजारों की संख्या में सपरिवार लोग प्रवेश कार्ड प्राप्त कर महोत्सव परिसर का परिभ्रमण कर रहे थे।

मारवाड़ महोत्सव के द्वितीय दिवस को प्रातः ११ बजे पुनः मेला प्रारंभ हुआ तथा १२ बजे से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०२५-२७ की प्रथम राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति बैठक प्रारंभ हुई जिसका आतिथ्य झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा किया गया। जिसमें पूरे राष्ट्र से लगभग २७ लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

अपराह्न ३ बजे से समाज के स्थानीय बच्चों द्वारा सांस्कृतिक परम्परा पर "अपनी संस्कृति को जाने- अपने मारवाड़ को जाने" विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। तत्पश्चात् संध्या ६ बजे से कोलकाता से आए हुए कलाकारों के द्वारा सुदामा चरित्र पर नाटय मंचन किया गया।

संध्या ५ बजे से समाज के ४० प्रसिद्ध चिकित्सकों को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं पौधा प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष, झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के श्री ओम प्रकाश अग्रवाल उपस्थित हुए। इस अवसर पर वेदांता अस्पताल द्वारा विभिन्न प्रकार की चिकित्सीय जांच एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई।

मारवाड़ महोत्सव के तृतीय एवं समापन दिवस पर प्रातः ११ बजे से पुनः राजस्थानी पारम्परिक लोक नृत्य के साथ मेला प्रारंभ हुआ। मेला परिसर में मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली के प्रसिद्ध चिकित्सकों के द्वारा हृदय एवं हड्डी रोग पर निःशुल्क परामर्श दिया गया। अपराह्न २ बजे से समाज के स्थानीय महिलाओं एवं बच्चों के द्वारा अपनी माटी रो गीत (लोकगीत प्रतियोगिता) का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के काफी लोगों ने कार्यक्रम का आनन्द प्राप्त किया। आयोजन में प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। तत्पश्चात् संध्या ६ बजे से कोलकाता से आए कलाकारों के द्वारा **'नानी बाय को मायरों'** पर नाटय मंचन किया गया। जिसमें काफी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम के जीवंत चित्रण का आनन्द प्राप्त किया।

तत्पश्चात् समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखण्ड सरकार के वित्त मंत्री श्री राधाकृष्ण किशोर उपस्थित हुए। माननीय मंत्री जी का सम्मान श्री कौशल राजगढ़िया एवं श्री रमण बोड़ा द्वारा अंग वस्त्र एवं पौधा प्रदान कर किया गया एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में रांची के माननीय विधायक श्री सी.पी.सिंह का सम्मान श्री राजेश कौशिक के द्वारा अंग वस्त्र एवं पौधा देकर किया गया। आए हुए अतिथियों ने मारवाड़ महोत्सव की सराहना करते हुए कहा कि महोत्सव नयी पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने वाला समारोह हैं तथा सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इसके उपरान्त रात्रि १० बजे सम्पूर्ण महोत्सव का समापन किया गया।

झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध संस्था मारवाड़ी सहायक समिति के संयुक्त तत्वाधान में रांची में 'मारवाड़ महोत्सव' कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

GAMCO
LET'S GROW
(Golden Goenka Group)

# BUILDING A UNIQUE PORTFOLIO OF ASSETS

## Creating sustainable value for all stakeholders

| | | |
|---|---|---|
| Multi-Asset Investments | Capital Market Investments | Real Estate |
| Warehousuing | Structured Finaring & Secured Lending | Investments in Emerging Companies |

At Gamco, our vision is to stay successful through strategic multi-asset investments and sustainable value creation.
Our distinctive asset curation strategy makes us unique among listed companies.

**GAMCO LIMITED**

25A S.P. Mukherjee Road, Kolkata-700025
Phone: 03324750073
Email: gamcoltd@gamco.co.in
Website: www.gamco.co.in

# SHRI VISHUDHANAND SARASWATI MARWARI HOSPITAL

**118, RAJA RAM MOHAN ROY SARANI,KOLKATA- 700009**
**WESTBENGAL , INDIA**

**PHONE :** 3521-1449/1500 Mob: 9230985245

**EMAIL :** svsmh11@gmail.com

**WEB : www.svsmarwarihospital.com**

## FACILITIES

### DIAGNOSTIC SERVICES

- ★ Digital X-Ray
  (500 MA Machine)
  (200 MA Machine)
  (Portable Machine)
- ★ Ultrasound Sonography
- ★ Pathology (Lab)
- ★ Endoscopy
- ★ Laprosocopy
- ★ Colour Doppler
- ★ E.C.G

### INDOOR DEPARTMENT

- ★ Intensive Therapeutic Unit
- ★ A/C Delux Cabin
- ★ Major / Minor O.T
- ★ Male / Female Surgical Unit
- ★ Male / Female Medical Ward
- ★ Maternity Ward
- ★ General Cabin
- ★ Special Cabin

### OPD ( RS.100/-ONLY)

- ★ Dental OPD
- ★ Eye OPD
- ★ Skin OPD
- ★ Neurology OPD
- ★ Chest OPD
- ★ Puva OPD

*With Best Compliments From:-*

## GOVIND STEEL CO. LTD

## राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सहायक समिति का एक प्रतिनिधिमंडल झारखंड के माननीय राज्यपाल श्री संतोष गंगवार जी से शिष्टाचार मुलाक़ात हेतु मिला। प्रतिनिधिमंडल द्वारा राज्यपाल जी को मारवाड़ी भवन में १६ जनवरी से १८ जनवरी तक आयोजित होने वाले **'मारवाड़ महोत्सव'** की जानकारी दी गई तथा उन्हें उक्त महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने का आग्रह किया गया। मुलाक़ात के दौरान पूर्व डिप्टी मेयर श्री संजीव विजयवर्गीय, श्री पवन शर्मा, श्री विनोद जैन, श्री रमन बोड़ा एवं श्री अरुण भरतीया उपस्थित रहे।

## पौष महोत्सव संपन्न

दिनांकः २८ दिसंबर २०२५ को झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की बेरमो शाखा द्वारा राजस्थानी संस्कृति के पारंपरिक त्यौहार पौष बड़ा महोत्सव स्थानीय श्री अग्रसेन स्मृति भवन में मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित सम्मेलन के अध्यक्ष सर्वश्री छित्तरमल अग्रवाल तथा महामंत्री कृष्ण कुमार चांडक, श्री अग्रसेन स्मृति भवन के वरीय उपाध्यक्ष अशोक राठी तथा कोषाध्यक्ष प्रेम राज गोयल, द्वारका प्रसाद अग्रवाल, दामोदर लाल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद मित्तल, दामोदर दास पेड़िवाल, अशोक राठी, प्रेम गोयल, दिलीप मित्तल, बिनोद अग्रवाल, जुगल अग्रवाल, बजरंग चांडक, अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, शंकर गोयल, अमर कुमार चांडक, विजय अग्रवाल, राजेश राठी, सुरेंद्र गोयल, भवानी अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल, कल्याण अग्रवाल, छीतरमल गोयल, सुशील पेड़ीवाल, चिरंजी अग्रवाल, पिंटू राईका, लालचंद अग्रवाल, प्रेम चंद अग्रवाल, गोपाल डालमिया, पुरुषोत्तम अग्रवाल, श्याम लाल गोयल, अजय गोयल, पिंकी गोयल, माणिक मित्तल, रोहित मित्तल, मनोज खेतान, प्रकाश राईका, दयानन्द बरनवाल, डॉ उत्तम कुमार नाग, विजय सिंह, घनश्याम प्रसाद, रवि छाबड़ा, मणिशंकर अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, रोशन डांडेवाला, ऋतिक बंसल, राज कुमार बंसल, सुमित बंशल, दिलीप खेतान, बंटी मित्तल के अलावे सैकड़ों गणमान्य उपस्थित थे।

## वनभोज सह मिलन समारोह का आयोजन

२३ दिसंबर २०२५ को झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की साकची शाखा द्वारा जुबली निकको पार्क में वनभोज सह मिलन समरोह का आयोजन किया गया। इसमें साकची मारवाड़ी समाज परिवारों के लगभग १५ सौ महिला-पुरुष एवं बच्चे शामिल हुए। खेलकूद व प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। खेलकूद व प्रतियोगिता कार्यक्रमों को सफल बनाने में कविता अग्रवाल, अंजू चेतानी, वर्षा चौधरी, राखी अग्रवाल, मंजू खंडेलवाल, पिंकी केडिया, स्वेता मोदी, सिमा संघी, मुस्कान अग्रवाल, रेखा अग्रवाल (बुटीक) आदि का सराहनीय योगदान रहा।

मारवाड़ी सम्मेलन साकची शाखा के कार्यक्रम को सफल बनाने में मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बजरंग लाल अग्रवाल, महासचिव श्री बबलु अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री सन्नी संघी, श्री ओम प्रकाश रिंगसिया, श्री अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, श्री पंकज संघी, श्री कुशल गनेड़ीवाल, निर्मल पटवारी, अशोक गुप्ता, अशोक चौधरी, कमल अग्रवाल, संकर सिंघल, संजय देबुका, महेंद्र मोदी, विजय आनंद मूनका, रिशब चेतानी, सांवरमल अग्रवाल, दीपक पारीक, दीपक चेतानी, राहुल चौधरी, गौरव अग्रवाल, संजय सक्सेरिया, रमेश मुनका, नरेंद्र जैन, रोहित अग्रवाल, लाल चंद अग्रवाल आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

### श्रद्धांजलि

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष, महाराष्ट्र सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे, विधानसभा के पूर्व मुख्य प्रतोद, राज्य के वरिष्ठ भाजपा नेता, राजस्थान समाज के प्रमुख प्रतिनिधि एवं पाँच बार विधायक रहे, व्यापारी आघाड़ी के प्रदेश संयोजक एवं प्रखर वक्ता **श्री राज पुरोहित** का दिनांकः १७ जनवरी २०२६ को आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। सम्मेलन परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

# बेरमो शाखा के अध्यक्ष बनें छीतरमल

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के बेरमो शाखा के अध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में २ मतों से जीत के बाद छीतरमल अग्रवाल अध्यक्ष निर्वाचित किए गए।

बेरमो मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पद का चुनाव फुसरो स्थित श्री अग्रसेन भवन में गुप्त मतदान प्रक्रिया से शुक्रवार को संपन्न हुआ। मुख्य चुनाव अधिकारी ओम प्रकाश अग्रवाल, सहायक चुनाव अधिकारी राजेंद्र प्रसाद मित्तल एवं आनंद गोयल की देखरेख में शांतिपूर्वक चुनाव सम्पन्न हुआ। बेरमो मारवाड़ी सम्मेलन में फोसरो, करगली बाजार, गोमिया, कथारा एवं चंद्रपुरा के कुल ९० आजीवन सदस्यों में ७४ सदस्यों ने अपने मतों का प्रयोग किया। मतदान कराने में चुनाव अधिकारी के अलावा आलोक अग्रवाल एवं भवानी अग्रवाल ने सहयोग दिया। प्रथम मतदाता के रूप में श्याम सुंदर अग्रवाल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बेरमो प्रखंड बीस सूत्री उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार चांडक सहित सुरेन्द्र कुमार खेमका, रोहित मित्तल, प्रेमराज गोयल, सुरेश बंसल, राजेश राठी, मनोज खेतान, अमर चांडक व दीपक अग्रवाल सहित कई ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई दी। अपनी जीत पर अग्रवाल ने मारवाड़ी समाज के सभी मंचों के पदाधिकारियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि समाज के अधूरे कार्यों को पूरा करूंगा।

# चिकित्सा शिविर का आयोजन

१ जनवरी २०२६ को झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की बेरमो शाखा के द्वारा चिकित्सा शिविर प्रभारी-भवानी अग्रवाल की देख-रेख में स्थानीय श्री अग्रसेन भवन फुसरो में निःशुल्क होमियोपैथिक कैंप का आयोजन स्वर्गीय बद्री दास पेड़ीवाल की पुण्यस्मृति में उनके परिजनों के सौजन्य से किया गया। जिसका उद्घाटन श्री अग्रसेन स्मृति भवन के वरीय उपाध्यक्ष श्री अशोक राठी तथा कोषाध्यक्ष श्री प्रेम राज गोयल, श्री दामोदर दास पेड़ीवाल, श्री सुशील पेड़ीवाल के द्वारा डॉक्टर नाग को पुष्पगुच्छ तथा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। प्रायोजक परिवार के सदस्य श्री दामोदर दास पेड़ीवाल, श्री सुशील पेड़ीवाल, श्रीमती संतोष पेड़ीवाल तथा श्रीमती मनीषा पेड़ीवाल को सम्मेलन के अध्यक्ष श्री छीतरमल अग्रवाल द्वारा पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

महामंत्री श्री कृष्ण कुमार चांडक ने कहा कि डॉ. उत्तम कुमार नाग तथा श्री अग्रसेन स्मृति भवन ट्रस्ट के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर बोकारो जिला मारवाड़ी सम्मेलन के सह सचिव सह श्री अग्रसेन स्मृति भवन के कोषाध्यक्ष श्री प्रेम राज गोयल, वरीय उपाध्यक्ष श्री अशोक कुमार राठी, श्री दामोदर दास पेड़ीवाल, बेरमो शाखा अध्यक्ष श्री छीतरमल अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य, श्री सुशील पेड़ीवाल, श्री दिलीप अग्रवाल, श्री संजय अग्रवाल, बेरमो बीस सूत्री उपाध्यक्ष सह सम्मेलन के बेरमो शाखा महामंत्री श्री कृष्ण कुमार चांडक, चिकित्सा शिविर प्रभारी श्री भवानी अग्रवाल, श्री रमेश स्वर्णकार, श्री राकेश कुमार जैन, श्री सुनील कुमार, श्री आशुतोष कुमार, श्री उमेश सिंह, श्री मनोज पाल आदि उपस्थित थे।

# ११वां कन्हैयालाल सेठिया पुरस्कार प्रदत्त

जयपुर साहित्य महोत्सव में आध्यात्मिक गुरु श्री गौर गोपाल दास ने प्रतिष्ठित कवि और अयोध्या के पूर्व शाही परिवार के सदस्य श्री यतींद्र मिश्रा को ११वां महाकवि कन्हैयालाल सेठिया पुरस्कार प्रदान किया।

प्रतिष्ठित जूरी में नमिता गोखले, संजय के. रॉय. सुकृता पॉल कुमार, रंजीत होसकोटे, जयप्रकाश सेठिया और सिद्धार्थ सेठिया शामिल थे।

# अन्नपूर्णा सेवा का सफल संचालन

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा लगभग ४ वर्ष पूर्व से दो स्थानों पर १० रूपया में भरपेट चावल, दाल, साग, प्याज, केला, हरी मिर्च, कुलर वाटर के साथ कभी मिठाई तो कभी आइसक्रीम भी दी जाती है। अब तक ५५०००० लोंगो ने इस अन्नपूर्णा सेवा का लाभ उठाया है।

राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सज्जन पाड़िया एवं महामंत्री निर्मल बुधिया "राज" ने बताया कि इसके सफल संचालन में पूर्व जिला अध्यक्ष (वर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष) श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल के साथ ही श्री प्रदीप नारसरिया, श्री साँवरमल बुधिया, श्री द्वारिका प्रसाद अग्रवाल, श्री मनोज रुईया, श्री रमेश बंका, श्री निर्भय शंकर हरित, श्री प्रमोद अग्रवाल के साथ सैंकड़ों दानदाताओं का भरपूर सहयोग प्राप्त होता है।

प्रांतीय समाचार : गुजरात

## जरुरतमंदो की सेवा

२५ दिसंबर २०२५ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९१वे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सूरत शाखा के द्वारा शेल्टर होम 'अल्थन सोहम' सर्कल पर जरूरतमंदों भोजन और वस्त्रों की सेवा दी गई। शाखाध्यक्ष सुशील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रमेश मोदी, सचिव शिवकुमार, वेसू शाखाध्यक्ष श्री प्रकाश बिंदल, श्री अमित, श्री राजा अग्रवाल, श्री राजेंद्र अग्रवाल, श्री सुरेंद्र अग्रवाल, श्री अंकुर अग्रवाल, श्री विशाल अग्रवाल, श्री शिव हरि जगविनय, श्री राजेश अग्रवाल, श्री विकास अग्रवाल, श्री विक्की तुलस्यान, श्री राम भाई एवं श्री गोपाल ड्रोलिया की शानदार उपस्थिति रही। अध्यक्ष महोदय ने सभी आए हुए कहा आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम की सफलता के लिए बधाई दी।

## निराश्रित विधवा माताओं को सहायता

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९१वें स्थापना दिवस (२५ दिसंबर २०२५) के उपलक्ष्य में गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सूरत शाखा द्वारा शुक्रवार, १९ दिसंबर २०२५ को एक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निराश्रित विधवा माताओं को भोजन सामग्री एवं कंबलों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य संदीप सिंगल का स्वागत राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोकुलचंद बजाज द्वारा किया गया। आयोजन में जिला अध्यक्ष सुशील अग्रवाल, सचिव शिवकुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रमेश मोदी के साथ-साथ विकास अग्रवाल, विजय सरावगी, राजेन्द्र अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रांतीय समाचार : गुजरात

## गरीबों और असहायों को भोजन वितरण

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९१वें स्थापना दिवस, २५ दिसंबर २०२५ के अवसर पर गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित वेसू सूरत शाखा द्वारा सूरत के भटार चार रास्ता स्थान पर गरीबों और असहायों के बीच भोजन की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, प्रांतीय मंत्री श्री सुशांत कुमार बजाज और प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अमित कांकरिया, वेसू शाखा के अध्यक्ष श्री प्रकाश बिंदल, सचिव श्री राहुल बजाज, कोषाध्यक्ष श्री विवेक लोहारूका के साथ संरक्षक श्री निरंजन अग्रवाल, सदस्यगण श्री अमित केडिया, श्री प्रभात जालान, श्री पंकज जालान, श्री अमित मस्करा, श्री राजेश डालमिया, श्री दीपक मस्करा, श्री अंकित डोकानियां आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महती भूमिका निभाई। सभी ने उपस्थित होकर कार्यक्रम में अपना योगदान दिया।

## 'नर सेवा नारायण सेवा' कार्यक्रम संपन्न

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९१वें स्थापना दिवस, २५ दिसंबर २०२५ के उपलक्ष्य में गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सूरत शाखा द्वारा आयोजित **'नर सेवा नारायण सेवा'** कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक: २१ दिसंबर २०२५ को सूरत से बाहर बरदोली की मोटा गाँव की झोपड़ पट्टी में जरूरतमंदों को कंबल, साड़ी, बिस्कुट, सूट और बच्चों के कपड़े देकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इस अवसर पर शाखाध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री रमेश मोदी, श्री राजा अग्रवाल, श्री सुनील अग्रवाल, श्री शिव हरि जिगवानियां, श्री रघुवीर जांगीर, श्री संजय अग्रवाल, श्री सचिन जैन, बहन राधिका, बहन अध्यक्ष महोदय ने सहयोग के लिये सभी का दिल से आभार व्यक्त किया।

प्रांतीय समाचार : गुजरात

## सम्मान समारोह

८ जनवरी २०२६ को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से एक सम्मान समारोह में सूरत के वेलेंटाइन हाल में बिहार के राज्यपाल महामहिम आरिफ मोहम्मद खान साहब का सम्मान किया गया। इस अवसर पर गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल साथ में श्री प्रकाश बिंदल, श्री राहुल बजाज, श्री सिद्धार्थ अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

## भोजन वितरण कार्यक्रम

१८ जनवरी २०२६ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय इकाई गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सूरत शाखा के द्वारा मौनी अमावस्या के अवसर पर शेल्टर होम अल्थान पर जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। इस मौके पर शाखाध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल शाखा सचिव श्री शिवकुमार अग्रवाल, शाखा कोषाध्यक्ष श्री रमेश मोदी, शाखा सह कोषाध्यक्ष श्री विकास अग्रवाल, शाखा उपाध्यक्ष श्री राजा अग्रवाल, श्री राजेंद्र अग्रवाल, श्री सुनील अग्रवाल एवं श्री सूर्यकान्त अग्रवाल और काफ़ी गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

### श्रद्धांजलि

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे। परम आदरणीय **स्वर्गीय सीताराम रुंगटा** के १०६वें जन्मदिवस पर सम्मेलन परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि एवं नमन।

## श्री राम कथा में योगदान

१८ जनवरी २०२६ को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं वेसू शाखा द्वारा के संयुक्त तत्वाधान में शाश्वतम परिवार द्वारा आयोजित श्रीराम कथा के प्रथम दिन निकाली गयी कलश पोथी यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के बीच जल एवं जूस की सेवा प्रदान की गयी। यात्रा श्रीश्याम मंदिर से निकल कर श्री मेंहदीपुर बालाजी मंदिर परिसर तक गयी। कथा १८ जनवरी से शुरू होगी जो २४ जनवरी तक चलेगी। कथा महामंडलेश्वर श्री श्री १००८ डां उमाकांता नंद सरस्वती जी महाराज के मुखारविंद से होगी।

प्रांतीय समाचार : आंध्र प्रदेश

## सड़क पर सोने वाले राहगीरों को कम्बल वितरण

आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की शाखा 'श्रीकाकुलम मारवाडी सम्मेलन' के द्वारा कुल ५०० कम्बल वितरण का कार्यक्रम एक सप्ताह तक चलेगा।

श्रीकाकुलम मारवाडी सम्मेलन के सभी सदस्यों के द्वारा रात को १० बजे से १२ बजे तक यह काम किया जा रहा है। एक-एक क्षेत्र के हिसाब से रोज रात को सड़क पर सोने वाले राहगीरों को कम्बल वितरण करते हुए उनका आशीर्वाद ले रहे है। मारवाड़ी सम्मेलन के सभी सम्मानित सदस्यों को हार्दिक अभिनंदन।

# उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा ओडिशा के पुरे प्रांत में १०००० कंबल वितरण का लक्ष्य रखा था, पर शाखाओं ने उत्साह दिखाते हुए २०००० से अधिक कंबल का वितरण पुरे प्रांत में किया

दिनांक: ३१ दिसंबर २०२५ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनंकश अग्रवाल कार्यक्रम संयोजक श्री शंभू बरेलिया, श्री श्याम अग्रवाल, दानावाले कदममॉल, भूझापाड़ा, बांधपाड़ा, पुजारीपाड़ा, में जाकर वृद्धों तथा जरूरमंदो को २०० से अधिक कंबल वितरण किया गया।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की रेंगली शाखा द्वारा पिछड़ी बस्तियों में कंबल वितरण का कार्यक्रम।

२२ दिसंबर २०२५ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बालासोर शाखा द्वारा कंबल, ओडिया पुस्तक और कॉपी वितरण ट्राइबल जगह में किया गया। शाखाध्यक्ष धर्मेन्द्र मोर, मंत्री गौरव राठी एवं प्रकाश पोद्दार, चंद्र प्रकाश भरतिया, शिव पोद्दार, नवल अग्रवाल, श्री भगवान गुप्ता ने भाग लिया।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के संतुक्त तत्वाधान में इन्फिनिटी हुंडई ने दिनांक: ३१ दिसंबर २०२५ को देबाडीही गाँव में एक कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें अपनी सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत जरूरतमंदों को २०० कंबल वितरित किए गए।

इस कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक, निदेशक श्री पवन सुल्तानिया सहित श्री महेंद्र केड़िया, श्री ओमप्रकाश खेतान एवं श्री अनिल भुवानिया एवं देबाडीही के श्री अश्विनी पांडेय का विशेष आभार, जिन्होंने विभिन्न गाँवों के जरूरतमंद लोगों की पहचान कर पूर्व में टोकन वितरित किए तथा कंबलों का सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं सुचारू रूप से वितरण सुनिश्चित किया। साथ ही इन्फिनिटी हुंडई के कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बालेश्वर शाखा द्वारा मूक बधिरे एवं अंध विद्यालय में कंबल वितरण का कार्यक्रम।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सोहेला शाखा द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर कंबल वितरण किया गया।

मारवाड़ी सम्मेलन बरगढ़ महिला शाखा द्वारा मकर संक्रांति पर कंबल वितरण किया गया।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की संबलपुर शाखा एवं लायंस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में गोशाला स्थित आंध्रीपल्ली ग्राम में कंबल वितरण का कार्यक्रम।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आवाहन पर मारवाडी महिला समिति, क्षेत्राजपुर ने दुर्गापली स्थित दयामनी वृद्धाश्रम में जाकर सभी बुजुर्गों को कंबल वितरित किया। सभी रहवासियों ने महिला समिति को ढेरों आशीर्वाद प्रदान की।

मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की आताबीरा शाखा द्वारा कंबल वितरण।

# शाखाओं को कंबल वितरण कार्यक्रम हेतु सम्मान

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की संबलपुर शाखा की बैठक दिनांक: २० जनवरी २०२६ को अनुष्ठित हुई। जिसमें बड़ी संख्या में सदस्यों की उपस्थिति रही। इस बैठक में कंबल वितरण कार्यक्रम में शामिल सभी संस्थाओं को मोमेंटो तथा सम्मान पत्र प्रदान किया गया।

आगामी प्रांतीय अधिवेशन जो १५ मार्च २०२६ को संबलपुर शाखा के आतिथ्य में 'रिवर इन रिसॉर्ट' में अनुष्ठित होने वाली है। उसके चेयरमैन श्री राज कुमार पोद्दार तथा स्वागताअध्यक्ष श्री शंभू तुलस्यान सर्वसम्मति से चुने गए तथा सभी उपसमिति का गठन अति शीघ्र करने का निर्णय लिया गया। उक्त अधिवेशन में पुरे प्रांत तथा राष्ट्र से ८०० से अधिक प्रतिनिधि, विशिष्ट राजनेता, समाज के IAS,IPS,OAS को भी निमंत्रित किया जाएगा। प्रांतीय अधिवेशन में स्मारिका का भी प्रकाशन होगा। प्रांत में समाज के जो भी संगठन है उनके अध्यक्षों को निमंत्रित किया जाएगा। अगर आपके कोई सुझाव है तो आप श्री राजकुमार पोद्दार, श्री शीशराम अग्रवाल, श्री मंगतूराम अग्रवाल, श्री शंभू तुलस्यान, श्री राजकिशोर अग्रवाल, को भेज सकते हैं।

# कार्यकारिणी सभा अनुष्ठित

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के केसिंगा शाखा की नई कार्यकारिणी का पदभार ग्रहण समारोह अनुष्ठित हुआ। इस अवसर पर ५१ सम्मेलन के नए आजीवन सदस्य बने। इस मौके पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री श्री सुभाष अग्रवाल, जोन उपाध्यक्ष श्री दीपक गुप्ता, बलांगीर जोन सचिव श्री प्रकाश गोयल के साथ २०० से अधिक सदस्य उपस्थित रहे।

**प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग**

# २०० आचार्यों व कार्यकर्ताओं के बीच कंबल वितरण

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की (सिलीगुड़ी शाखा) द्वारा बुधवार को चालसा में एक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बनबंधू परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों के जलपाईगुड़ी अंचल के आचार्यों, संचालक प्रमुखों एवं पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं के बीच २०० नग कंबल वितरित किए गए।

वितरण कार्यक्रम के दौरान सम्मेलन के शाखा सचिव श्री अरुण कन्दोई ने कहा कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना ही मारवाड़ी सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर श्री दीनदयाल अग्रवाल ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रोजेक्ट प्रभारी श्री हनुमान डालमिया की विशेष भूमिका रही, जिन्होंने वितरण प्रक्रिया की देखरेख की। कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस सहायता से उन्हें अपने सेवा कार्यों को जारी रखने में संबल मिलेगा।

**प्रांतीय समाचार : बिहार**

# कंबल व लेडिज शाल वितरण

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की नवगछिया शाखा के तत्वावधान में प्रसिद्ध समाजसेवी पुरूषोत्तम यादुका, बीणा यादुका के सहयोग से श्री गोपाल गौशाला में ४० कम्बल व १० लेडीज शॉल का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अंग प्रदेश क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सह महामंत्री नगर शाखा विनोद केजरीवाल ने की तथा संचालन क्षेत्रीय सहायक मंत्री विनय प्रकाश सर्राफ द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज के प्रतिष्ठित समाजसेवी पुरूषोत्तम यादुका व बीणा यादुका थे। मौके पर नगर शाखा अध्यक्ष विश्वनाथ यादुका, शाखा कोषाध्यक्ष सुरेश हिसारिया, मीडिया प्रभारी अशोक कुमार केडिया, उपाध्यक्ष संतोष यादुका, नटवर यादुका, पल्लवी यादुका, तेजस हिसारिया, विक्रम आनन्द, विद्या सागर सर्राफ, मनोज यादुका, अरविन्द रूंगटा कन्हैया यादुका, रचित गाड़दिया, मुरारी लाल पंसारी, गौशाला के मैनेजर अशोक शर्मा, अनिल व अन्य उपस्थित थे।

**प्रांतीय समाचार : महाराष्ट्र**

# कंबल वितरण

२ जनवरी २०२६ को महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की जालना शाखा के अध्यक्ष श्री सुभाष देवीदान के जन्मदिन पर **'आओ सहारा बने बेसहारों का ठिठुरती ठंड में'** कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संतोषी माता मंदिर पर जरूरत मंदो को ७६ ब्लैंकेट बांटे गए। इस अवसर पर प्रांतीय महामंत्री श्री सुदेश करवा, प्रांत के पी.आर.ओ श्री मनीष तवरावाला, श्री रमेशचंद अग्रवाल एवं मित्र परिवार की उपस्थिति रही।

# कंबल वितरण कार्यक्रम

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सीतामढ़ी शाखा द्वारा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९१वें स्थापना दिवस पर ठंड से पीड़ित लोंगो के बीच कंबल वितरण किया गया। इस अवसर पर श्री जर्नादन प्रसाद भरतिया, श्री राजेश कुमार संदरका, श्री पंकज कुमार गोयनका, श्री दीपक मस्करा, श्री रितेश सीकरिया, श्री अशोक सोनी, श्री श्रवण अग्रवाल, श्री विजय पोद्दार समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे।

# उपलब्धियाँ

NDA में राष्ट्रपति पदक जीतने वाली पहली महिला कैडेट बनकर सिद्धि जैन ने रचा इतिहास।

**इंदौर के फतेहपुरिया समाज ने बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉ. बनवारीलाल जाजोदिया 'यथार्थ' का किया सम्मान**

शेखावाटी राजस्थान के इंदौर में बसे मारवारी समाज ने इंदौर के प्रतिष्ठित परिवार के अग्रज डॉ. बनवारीलाल जाजोदिया की उपलब्धियों का मूल्यांकन कर अभिनंदन पत्र के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और कृतित्व की सराहना की। ज्ञातव्य रहे श्री जाजोदिया ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की शाखा इंदौर में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

श्रीमती अनु गर्ग जी (१९९१ बैच आईएएस) को ओडिशा राज्य की पहली महिला मुख्य सचिव (मुख्य सचिव) के रूप में नियुक्त किया गया है। यह ओडिशा राज्य के प्रशासनिक इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण है एवं साथ साथ नारी शक्ति और अग्रवाल समाज के लिए गर्व का विषय है। बधाई!

फारबिसगंज निवासी आलोक अग्रवाल और कविता अग्रवाल की सुपुत्री डॉ. विरोनिका अग्रवाल जिन्होंने दरभंगा मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित नेत्र विज्ञान में एम.एस. (मास्टर ऑफ सर्जरी) की परीक्षा में बिहार राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर पूरे राज्य और समाज को गौरवान्वित किया है। बधाई!

## सोशल मीडिया पेज से जुड़ें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सोशल मीडिया में उपस्थिति फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से प्रारंभ हो चुकी है। सभी समाज-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि फेसबुक : AIMF1935 व इंस्टाग्राम : allindiamarwarifederation_ को अधिक से अधिक संख्या में लाइक/फॉलो करें। इसके द्वारा हम आपसी संवाद एवं संपर्क को बढ़ावा देंगे एवं इससे सम्मेलन की सूचनाओं का आदान-प्रदान भी संभव हो पाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा अपने सूचना/विचार एवं कार्यक्रम की फोटो पोस्ट करने के लिए राष्ट्रीय कार्यालय में व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल (aimf1935@gmail.com) में भेज सकते हैं, ताकि उपयुक्त जानकारियों को हम एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!!

– **केदार नाथ गुप्ता**, राष्ट्रीय महामंत्री

## रोजगार सहायता में नामांकन करें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वेबसाइट : www.marwarisammelan.com पर रोजगार सहायता का पेज जुड़ गया है, जरूरतमंद समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि अपना बायोडाटा प्रविष्ट कर इस सुविधा का लाभ उठाएँ, इसके लिए सम्मेलन की वेबसाइट के **एक्टिविटीज** मेनू पर कर्सर ले जाने पर '**पोस्ट योर सीवी**' का संक्शन दिखेगा, उस पर क्लिक करने पर '**क्रिएट न्यू रिज्यूमे एंट्री**' का एक नया विंडो खुलेगा; इसमें अपना पूर्ण विवरण प्रविष्ट कर '**सबमिट**' पर क्लिक करने से आप हमारे **रोजगार सहायता** प्रकल्प में नामांकित हो जाएंगे। किसी भी असुविधा की स्थिति में आप राष्ट्रीय कार्यालय में दूरभाष एवं व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल aimf1935@gmail.com के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!

**केदार नाथ गुप्ता**
राष्ट्रीय महामंत्री

## राजस्थानी भाषा को मान्यता देने का अनुरोध

राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री माननीय श्री अमित शाह जी को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से एक अनुरोध पत्र दिनांक: ९ नवंबर २०२४ एवं दिनांक: २४ जनवरी २०२६ को राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा तथा राजस्थान सरकार के स्कूल शिक्षा, संस्कृत एवं पंचायती राज विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री मदन दिलावर को भेजा गया था।

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

## विशिष्ट सदस्य

| | | |
|---|---|---|
| **श्री राजेश अग्रवाल (सी.ए.)**<br>२०२, शांति बसंत अपार्टमेंट<br>कांके रोड,<br>रांची- ८३४००८<br>झारखण्ड<br>मो. ९७७१४२२३०० | 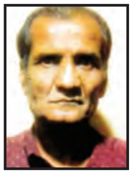 **श्री सूर्यनारायण गजबी**<br>डी-१, वंश ब्लू सोसाइटी<br>वसुंधरा नगर,<br>जालना-४३१२०३<br>महाराष्ट्र<br>मो. ८९९९११३९८९ | **श्री राम किशन जिंदल**<br>आनंदम एच.न.- ७<br>इंद्र धनुष एन्क्लेव, मोती विहार<br>सोसाइटी, सर्वोदयानगर,<br>कानपुर-२०८००५, उत्तर प्रदेश<br>मो. ९८३९०३३६७७ |
| **श्री संदीप कुमार सोनी**<br>मेसर्स - महाबीर डनवर<br>ज्वेलर्स प्रा. लि., श्री लेखा<br>४२ए, पार्क स्ट्रीट, प्रथम तल्ला<br>कोलकाता- ७०००७०<br>मो. ९८३०१३१०२० | **श्री संजय गर्ग**<br>राम कुंज, एल - ३७०<br>पांचवां मेन, सेक्टर-६ एच.<br>एस.आर लेआउट<br>बैंगलोर- ५६०१०२, कर्नाटक<br>मो. ९९००९५५००९ | **श्री शरत दुदानी**<br>सुखी निवास,<br>गोविंदपुर<br>धनबाद- ८२८१०९,<br>झारखण्ड<br>मो. ९४३११२५९५५ |
| **श्री सिद्धार्थ रूहतिया**<br>मेसर्स - कालूराम फ़ूड<br>प्रोडक्ट्स प्रा. लि., पुराना<br>किराना बाज़ार,<br>अकोला- ४४४००१, महाराष्ट्र<br>मो. ९८२३२५७७१२ | **श्री सीताराम मित्तल**<br>मेसर्स - नेशनल कैरिंग<br>कॉर्पोरेशन, ३८ए, दादानगर,<br>कानपुर- २०८०२२<br>उत्तर प्रदेश<br>मो. ९८३९३६७७३१ | **श्री सुरेश कुमार राठी**<br>आइडियल हाईट,<br>बी.एल- डी,<br>तल्ला-१८डी/१८ई,<br>३०२ ए.पी.सी.रोड,<br>कोलकाता- ७००००९ |

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री संजय कुमार फोगला**<br>मिल्लेनियम ४ टेक्सटाइल मार्केट<br>भतेना, सूरत, गुजरात<br>मो. ९३७६२३७३११ | **श्री सुरेंद्र कुमार अग्रवाल**<br>साई खाती मार्केट, रिंग<br>रोड, सूरत, गुजरात<br>मो. ९४१५२०३७०५ | **श्री योगेश रामसिसरिया**<br>कृपा मार्केट, नियर महावीर<br>मार्केट, रिंग रोड, सूरत, गुजरात<br>मो. ९८७९५४०८०९ | **श्री अजय कुमार केशन**<br>जिओ बी.पी पेट्रोल पंप, नियर<br>स्टेशन चौक, बेतिया, बिहार<br>मो. ८०८४५१८५३६ | **श्री अमर कुमार सुल्तानिया**<br>मेसर्स किराना दुकान, पुरैनी<br>बाजार, मधेपुरा, बिहार<br>मो. ९६६१५३८३०३ |
| **श्री संतोष जयपुरिया**<br>एफ/१३१२, ग्रीन वैली,<br>सूरत, गुजरात,<br>मो. ९८९८०७८३१४ | **श्री सुशील अग्रवाल**<br>वि.आई.पी. रोड<br>अलथान, सूरत, गुजरात<br>मो. ७६००१२०३५३ | **श्री अभय केडिया**<br>मेसर्स केडिया मार्केट,<br>मेन रोड, गोपालगंज, बिहार<br>मो. ९६०८८६१८२२ | **श्री आकाश अग्रवाल**<br>मेसर्स श्रीमान श्रीमती, मेन<br>रोड, ईस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९४७०२३२७७७ | **श्री अमित अग्रवाल**<br>मेसर्स सागरमल एंड सन<br>एलएलपी, मेन रोड, नवादा, बिहार<br>मो. ९९३४०६०१८९ |
| **श्री संतोष कुमार बजाज**<br>९४, अनपम टेक्सटाइल<br>मार्केट, रिंग रोड, सूरत, गुजरात<br>मो. ९३२७१२८१५५ | **श्री सुशील कुमार मोर**<br>उधना मग्दाल्ला रोड, नियर<br>बीएसएनल, अलथान, सूरत, गुजरात<br>मो. ९८२४७००५३३ | **श्री अभिज्ञान रत्नम**<br>मां तारा रेजीडेंसी, दुर्गा<br>स्थान, कटिहार, बिहार<br>मो. ९६६१८७१७७७ | **श्री आकाश जगनानी**<br>मिल रोड, खगड़िया,<br>बिहार<br>मो. ९१२८५०५२६४ | **श्री अमित केडिया**<br>मारवाड़ी मोहल्ला, वार्ड<br>नंबर १६, गोपालगंज, बिहार<br>मो. ८०५१५५८४०० |
| **श्री श्रीराम बिदावतका**<br>९/१०, रघुनंदन टेक्सटाइल<br>मार्केट, सूरत, गुजरात<br>मो.९३७४७२९६१० | **श्री विजय मित्तल**<br>१०२५, वौल्ड ट्रेड सेंटर, उधना<br>दरवाजा, सूरत, गुजरात<br>मो. ९२२७४०४४९२ | **श्री अभिजीत अग्रवाल**<br>चौक बाजार, बरियारपुर,<br>मुंगेर, बिहार<br>मो. ९९०५७१८०८० | **श्री अक्षत कुमार चौधरी**<br>कोर्ट बाजार, वार्ड नंबर<br>१६, सीतामढ़ी, बिहार<br>मो. ९४७२४०५०६० | **श्री अमित केडिया**<br>मेन रोड, वार्ड नंबर १६,<br>गोपालगंज, बिहार<br>मो. ९४३१०५९२४४ |
| **श्री सोनू कुमार दोकनिया**<br>शॉप नंबर -५८, मिल्लेनियम<br>टेक्सटाइल सूरत, गुजरात<br>मो. ८३४७८५७३३० | **श्री विजय सरावगी**<br>न्यू टैक्सटाइल मार्केट,<br>सूरत, गुजरात<br>मो. ९३२७६४०४७२ | **श्री अभिमन्यु कुमार केडिया**<br>केडिया टावर, मारवाड़ी<br>मोहल्ला, गोपालगंज, बिहार<br>मो. ८२९२६३६६१६ | **श्री आलोक कुमार हिसारिया**<br>कोर्ट बाजार, वार्ड नंबर<br>१५, सीतामढ़ी, बिहार<br>मो. ७९०३२५३४०० | **श्री अमित कुमार बांका**<br>मेसर्स अपर्णा, शंकर नगर,<br>रामना, मुजफ्फरपुर, बिहार<br>मो. ९४३१२३८१३७ |
| **श्री सुमित बंसल**<br>एच/१००२, शृंगार रेजिडेंस,<br>वेसु, सूरत, गुजरात<br>मो. ६३५१२९६११४ | **श्री विनय कुमार अग्रवाल**<br>श्याम विल्ला, वि.आई.पी<br>रोड, सूरत, गुजरात<br>मो. ९०९९९२८५८६ | **श्री अभिषेक खंडेलवाल (सी.ए)**<br>अनिल कंप्लेक्स, लोहार<br>पट्टी रोड, मोतीहारी, ईस्ट<br>चंपारण, बिहार<br>मो. ९९९९१५६७३९ | **श्री अमर कुमार सरावगी**<br>ऑपोजिट जयहिंद सिनेमा,<br>जयनगर, मधुबनी, बिहार<br>मो. ९९३१५९४२३८ | **श्री अमित कुमार बोहरा**<br>मेसर्स सुंदरी साड़ी एम्पोरियम<br>सब्जी बाजार, नवादा, बिहार<br>मो. ७००४३२७३७० |
| **श्री सनील कुमार अग्रवाल**<br>आशीर्वाद एवेन्यू, वि.आई.<br>पी रोड, सूरत, गुजरात<br>मो. ९५१०६१४४५४ | **श्री विष्णु कुमार सुल्तानिया**<br>४३३, मिल्लेनियम- २, रिंग<br>रोड, सूरत, गुजरात<br>मो. ९३७७३७५२१७ | **श्री अजय कुमार बगला**<br>सीतामढ़ी,<br>बिहार | **श्री अमर कुमार सिंघानिया**<br>मेन रोड, जहानाबाद,<br>बिहार<br>मो. ९३०८५९२६५० | **श्री अमित कुमार बुराकिया**<br>मेसर्स राघव पलाई, पटना<br>गांधी रोड, जयनगर, मधुबनी<br>बिहार, मो. ९८०१७८२१०० |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री आनंद अग्रवाल**<br>अग्रवाल हाउस, मीरा सिनेमा रोड, सहरसा, बिहार<br>मो. ७००४२८४३८५ | **श्री अनुराग केडिया**<br>बेतिया,<br>बिहार | **श्री अशोक कुमार शर्मा**<br>श्री बलानान्दजी नगर, जमला रोड, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९७०९४६१४१९ | **श्री विनोद कुमार अग्रवाल**<br>बहुमानी, सब्जी बाजार, नवादा, बिहार<br>मो. ९९३४०४७५६० | **श्री दीपक कुमार अग्रवाल**<br>मेसर्स अग्रवाल चुरी घर, महावीर चौक, सहरसा, बिहार<br>मो. ९९३९२२१००० |
| **श्री अनिल कुमार अग्रवाल**<br>तारापुर मुंगेर मेन रोड, मुंगेर, बिहार<br>मो. ९४३१८२७८३६ | **श्रीमती अर्चना मवांडिया**<br>जय राम मारवाड़ी लाइन, गुरुद्वारा रोड, भागलपुर, बिहार<br>मो. ९९३९७४७७७७ | **श्री अशोक सोनी**<br>सीतामढ़ी,<br>बिहार | **श्री विनोद कुमार अग्रवाल**<br>न्यू मार्केट, राम नगर, वेस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९९३९८४४८८० | **श्री दीपक कुमार डालमिया**<br>मेसर्स दीपक इंटरप्राइजेज, छोटा रमना, बेतिया, बिहार,<br>मो. ९४३१२१२४७३ |
| **श्री अनिल कुमार बोहरा**<br>छतौनी चौक, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९४३१४६७१०७ | **श्री अरुण कुमार अग्रवाल**<br>भारतीय नगर, वार्ड नंबर २६, सहरसा, बिहार<br>मो. ८८२५२८९३२७ | **श्री अश्वनी कुमार जालान**<br>एट.- खावा, पोस्ट- किरणपुर लखीसराय, बिहार<br>मो. ९४३१२३५८४३ | **श्री विनोद कुमार शर्मा**<br>मौन फाटक, नियर हनुमान मंदिर, छपरा, बिहार<br>मो. ८७८९२५१९७७ | **श्री दीपक कुमार सराफ**<br>आर्य समाज चौक, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९१९९९२५९५५ |
| **श्री अनिल कुमार केडिया**<br>रानीगंज, गया,<br>बिहार<br>मो. ९४३१४७७८८१ | **श्री अरुण कुमार बांका**<br>शंकर नगर, रामना, मुजफ्फरपुर, बिहार<br>मो. ९८३५२५८७२३ | **श्री अविनाश केडिया**<br>पूनम सिनेमा रोड मिर्जापुर, दरभंगा, बिहार मो. ९४७०६४४१०० | **श्री विनोद रुंगटा**<br>मारवाड़ी मोहल्ला, पर्वती स्टोर, बेगूसराय, बिहार<br>मो. ९८३५६४७४७४ | **श्री धीरज बाजोरिया**<br>बाजोरिया गली, स्टेशन चौक, भागलपुर, बिहार<br>मो. ९४३१२१४५४८ |
| **श्री अनिल संथालिया**<br>जयनगर, मधुबनी,<br>बिहार | **श्री आशीष कुमार भरतिया**<br>कटरा बाजार, पोस्ट- छपरा, छपरा, बिहार<br>मो. ८००२००७८४५ | **श्री अविनाश कुमार**<br>कोर्ट बाजार, वार्ड नंबर १६ सीतामढ़ी, बिहार<br>मो. ९११३४५१२७५ | **श्री विपिन कुमार हिसारिया**<br>मारवाड़ी मोहल्ला, नियर यूको बैंक, बेगूसराय, बिहार<br>मो. ९३०४ १७७७७० | **श्री दिलीप कुमार अग्रवाल**<br>सदर बाजार, जमालपुर, मुंगेर, बिहार<br>मो. ९९३४८०६६७५ |
| **श्री अंकित कुमार केडिया**<br>मेसर्स मां दुर्गा एजेंसी सूर्यगढ़, लखीसराय, बिहार<br>मो. ९५४६१४७७६७ | **श्री आशीष कुमार भुवानिया**<br>आर.एन. अग्रवाल रोड, चुनीहरि टोला, भागलपुर, बिहार<br>मो. ९४३१२१३५४८ | **श्री आयुष कुमार बाजोड़िया**<br>कोर्ट बाजार, वार्ड नंबर १६, सीतामढ़ी, बिहार<br>मो. ९४७२५६८९६८ | **श्री विष्णु कुमार शर्मा**<br>डीएसएम कॉलेज रोड, जमुई, झाझा, बिहार<br>मो. ९८३५६१३७५८ | **श्री दिलीप कुमार चौधरी**<br>मझौलिया शुगर इंडस्ट्री मिल्ल्स, पोस्ट- मझौलिया, वेस्ट चंपारण, बिहार |
| **श्री अंकित पोद्दार**<br>मारवाड़ी मोहल्ला, नरकटियागंज, वेस्ट चंपारण, बिहार<br>मो.९७७१३४०८७२ | **श्री आशीष कुमार केडिया**<br>नगेंद्र नगर, बेला रोड, मिठनपुरा, मुजफ्फरपुर, बिहार<br>मो. ७०३३१९११२४ | **श्री बालमुकुंद झुनझुनवाला**<br>एम.पी द्विवेदी रोड, दवा पट्टी, भागलपुर,<br>बिहार | **श्री बृज मोहन भरतिया**<br>अखाड़ाघाट रोड, सुरेखा काम्प्लेक्स, मुजफ्फरपुर, बिहार<br>मो. ७०६१२५०२६० | **श्री दीनदयाल शर्मा**<br>सलेमपुर, पोस्ट- छपरा, सारण, छपरा, बिहार<br>मो. ९४३०८५४२७० |
| **श्री अनमोल कुमार मोदी**<br>रानीगंज मोहल्ला, बड़ा चाकिया, ईस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ७००४००८५६२ | **श्री आशीष कुमार शर्मा**<br>जागीर मोहल्ला, कॉलेजिएट स्कूल रोड, बेगूसराय, बिहार<br>मो. ८९३६०५२८७९ | **श्री भारतीय चंद्र**<br>बेतिया,<br>बिहार | **श्री बृजमोहन पंसारी**<br>मेन रोड, जयनगर, मधुबनी, बिहार<br>मो. ८७८९२२३७८० | **श्री दिनेश खेतान**<br>मेसर्स क्रिस्टल अपैक्स रूपसपुर थाना, पटना, बिहार<br>मो. ९००२७८५३१८ |
| **श्री अनूप कुमार अग्रवाल**<br>मे. अग्रवाल वस्त्रालय, बाढ़ बाज़ार, बाढ़, पटना, बिहार<br>मो. ८६७८०६०९२३ | **श्री आशीष पोद्दार**<br>मेसर्स जय भवानी ड्रग्स लाल बाजार, बेतिया, बिहार<br>मो. ९४७००८९४९० | **श्री भोलानाथ सिकरिया**<br>राधा नगर, नकछेदी टोला, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९९३४६५२९९८ | **श्री चंदन कुमार**<br>ठाकुरबाड़ी रोड, उड़ा किशुनगंज, मधेपुरा, बिहार<br>मो. ८८७७९१८३८२ | **श्री दिनेश प्रसाद अग्रवाल**<br>टोला पोस्ट एंड पुलिस स्टेशन - बरियारपुर, मुंगेर, बिहार<br>मो. ७७३९४३०३४८ |
| **श्री अंशु कुमार जैन**<br>नया बाजार, जगदीशपुर, भागलपुर, बिहार<br>मो. ८४०९६७४९५४ | **श्री अशोक कुमार गोयनका**<br>मारवाड़ी मोहल्ला, गौशाला रोड, बेगूसराय, बिहार<br>मो. ९४३०४८१६६६ | **श्री बिजय अग्रवाल**<br>अंबेडकर चौक, बनमनखी, पूर्णिया, बिहार<br>मो. ९१०२५५०६५६ | **श्री चेतन कुमार हिसारिया**<br>मारवाड़ी मोहल्ला, बेगूसराय, बिहार<br>मो. ७२९४०४१९०९ | **श्री दीपक कुमार शर्मा**<br>सीतामढ़ी,<br>बिहार |
| **श्री अंशुमन मुरारका**<br>होटल राजस्थान, जयनगर, मधुबनी, बिहार<br>मो. ७००४१००२२० | **श्री अशोक कुमार मोदी**<br>रानीगंज, गया,<br>बिहार<br>मो. ९०६५३८९९८० | **श्री विमल मस्कारा**<br>स्टेशन रोड, जयनगर, मधुबनी, बिहार<br>मो. ९४३०४४६३६३ | **श्री दीपक अग्रवाल**<br>मेन रोड, जयनगर, मधुबनी, बिहार<br>मो. ९५२३९०९९७९ | **श्री फतेह चंद्र गिरिया**<br>हरी नगर, शुगर मिल्ल्स, रामनगर, वेस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९४७०४६०६८३ |
| **श्री अनूप कुमार अग्रवाल**<br>मारवाड़ी मोहल्ला, गोपालगंज, बिहार<br>मो. ७५०५०६००९० | **श्री अशोक कुमार सराफ**<br>जी.एल.एम कॉलेज रोड, बनमनखी, पूर्णिया, बिहार<br>मो. ७६५४७५००१५ | **श्रीमती बिना देवी मुरारका**<br>बासोपट्टी, मधुबनी,<br>बिहार | **श्री दीपक कुमार**<br>चर्च रोड, नियर एस.टी. मैरी स्कूल, बेतिया, बिहार,<br>मो. ९४३१२१२९८१ | **श्री गगन शर्मा**<br>गजाधर चौधरी लेन, सरैयागंज, मुजफ्फरपुर, बिहार<br>मो. ७००४८३७०११ |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

| आजीवन सदस्य | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री गौरव कुमार अग्रवाल**<br>अंबेडकर चौक, कटिहार,<br>बिहार<br>मो. ८९८६६८१०२३ | **श्री हरीश अग्रवाल**<br>मंगल बाजार फलपट्टी,<br>कटिहार, बिहार<br>मो. ९३०४६८७११९ | **श्री कन्हैया कुमार सराफ**<br>वार्ड नंबर- १७, नगर<br>परिषद, सीतामढ़ी, बिहार,<br>मो. ७९०३५५२३४५ | **श्री लड्डू कुमार छापडिया**<br>चौक बाजार, बरियारपुर,<br>मुंगेर, बिहार<br>मो. ९९३४६१८७८६ | **श्री मनीष कुमार अग्रवाल**<br>पोस्ट- बरियारपुर, पुलिस<br>स्टेशन- बरियारपुर, मुंगेर, बिहार<br>मो. ८८७७२९३२४९ |
| **श्री गौतम कुमार**<br>मेन बाजार, रानीगंज,<br>गया, बिहार<br>मो. ९४३०६६३१३७ | **श्री हितेश मुरारका**<br>बासोपट्टी, मधुबनी,<br>बिहार<br>मो. ९५४६२१६७२६ | **श्री कन्हैया लाल अग्रवाल**<br>बैंक ऑफ़ बड़ोदा गली,<br>सवराजपूरी रोड, गया, बिहार<br>मो. ९००६५०६४५९ | **श्री ललित कुमार सराफ**<br>जवाहर चौक, बिहारीगंज,<br>मधेपुरा, बिहार<br>मो. ९४३०६९५६१२ | **श्री मनीष कुमार झुनझुनवाला**<br>सोवा बाबु चौक,<br>बेत्तिया, बिहार<br>मो. ९४३१४००७६१ |
| **श्री गिरधारी कुमार कनोड़िया**<br>मारवाड़ी टोला, अमरपुर,<br>बिहार<br>मो. ९१६२४३९०४९ | **श्री जगदीश कुमार अग्रवाल**<br>सुगौली बाजार, ईस्ट<br>चंपारण, बिहार<br>मो. ९५०७९२००६२ | **श्री कन्हैया लाल शर्मा**<br>भगवान दास लाइन नंबर-<br>१, भागलपुर, बिहार<br>मो. ९४७०७७३६७७ | **श्री माधव अग्रवाल**<br>श्याम सुपर मार्केट, मेन<br>रोड, गोपालगंज, बिहार<br>मो. ९२३४५४१७२१ | **श्री मनीष कुमार मुरारका**<br>वार्ड नंबर- ९, मारवाड़ी<br>मोहल्ला, मधुबनी, बिहार<br>मो. ९४३१४१५६६९ |
| **श्री गिरधारी लाल केडिया**<br>बाजार थावे रोड<br>गोपालगंज, बिहार<br>मो. ७४८८१६६४८८ | **श्री जगदीश कुमार खंडेलवाल**<br>मेन रोड सुगौली, ईस्ट<br>चंपारण, बिहार<br>मो. ९९३१६३६१९६ | **श्रीमती कांता टेकरीवाल**<br>पोस्ट ऑफिस केंपस,<br>सिंघेश्वर, मधेपुरा, बिहार<br>मो. ९९५५३०५१०१ | **श्री मधुसूदन पोद्दार**<br>जवाहरलाल रोड, थाना<br>नगर, मुज़फ़्फ़रपुर, बिहार<br>मो. ९३३४१३४६०० | **श्रीमती मंजू शर्मा**<br>चनपटिया, वेस्ट चंपारण,<br>बिहार<br>मो. ७०३३३९०७२६ |
| **श्री गिरधारी उदयका**<br>सीतामढ़ी,<br>बिहार | **श्री जगदीश प्रसाद सराफ**<br>स्टेशन रोड, जयनगर,<br>मधुबनी, बिहार<br>मो. ८५२९८१२३७० | **श्री केतन कुमार बांका**<br>सुट्टापट्टी, मारवाड़ी धर्मशाला,<br>मुजफ्फरपुर, बिहार<br>मो. ९१५५३६३५०८ | **श्री मधुसूदन सराफ**<br>टूटवाड़ी मोड़, न्यू गोदाम<br>गया, बिहार<br>मो. ९४३०५६९५५१ | **श्री मनमोहन केडिया**<br>नियर रानी सती मंदिर<br>सहरसा, बिहार<br>मो. ७७६६९२४६४६ |
| **श्री गोपाल कुमार अग्रवाल**<br>सदर बाजार, जमालपुर,<br>मुंगेर, बिहार<br>मो. ९४७००२३९५३ | **श्री जयप्रकाश भूटिया**<br>नियर थाना, बाढ़ बाजार,<br>बाढ़, पटना, बिहार<br>मो. ९४७२८००२९० | **श्रीमती किरण देवी मुरारका**<br>बासोपट्टी, मधुबनी,<br>बिहार | **श्री महादेव प्रसाद**<br>भिम्सरिया, धर्मशाला रोड,<br>सहरसा, बिहार<br>मो. ७९९२३८९५२४ | **श्री मनोज कुमार अग्रवाल**<br>न्यू मार्केट, राम नगर, वेस्ट<br>चंपारण, बिहार<br>मो. ९३०४२५२३९६ |
| **श्री गोपाल कुमार बुराकिया**<br>कुंवर सिंह चौक, जयनगर,<br>मधुबनी, बिहार<br>मो. ९६६१४८८१८३ | **श्री जयप्रकाश चोखानी**<br>काली कोठी, दुर्गा स्थान, गली<br>नंबर- १, मुजफ्फरपुर, बिहार<br>मो. ९४३१६१३५९५ | **श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल**<br>वार्ड नंबर- ४, पोस्ट<br>फुलौत, मधेपुरा, बिहार<br>मो. ७००४३८५९३७ | **श्री महेश कजरिया**<br>मेसर्स घर संसार<br>लाल बाजार, बेतिया, बिहार<br>मो. ९५२५०४७४७१ | **श्री मनोज कुमार दारुका**<br>नया बाजार चौक,<br>लखीसराय, बिहार<br>मो. ९८३५८५४६२० |
| **श्री गौतम अग्रवाल**<br>मिर्चिबानी, अंबेडकर चौक,<br>कटिहार, बिहार<br>मो. ८३४०२२०९२९ | **श्री जयदीप कुमार अग्रवाल**<br>सुगौली बाजार, मेन रोड,<br>ईस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९४३०२३४८१८ | **श्री कृष्ण कुमार जैन**<br>ऑपोजिट टाटा मोटर्स, ईस्ट<br>चंपारण, बिहार<br>मो. ९७७१२८०२३१ | **श्री महेश केशन**<br>जय नगर, मधुबनी,<br>बिहार | **श्री मोहन कुमार भिवानिया**<br>कर्पूरी स्थान चौक,<br>बेगूसराय, बिहार<br>मो. ९३०४१७७६०९ |
| **श्री गोविंद प्रसाद**<br>चांदगोठिया, पुरानी गुर्हत्ति,<br>छपरा, बिहार<br>मो. ९४३१२१६२१५ | **श्रीमती जुली तुलस्यान**<br>सहरसा,<br>बिहार<br>मो. ७९७०६२३००६ | **श्री कृष्ण कुमार केडिया**<br>पुरानी बाजार, मधुबन पोस्ट<br>ऑफिस रोड, ईस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९९३४२०८६३६ | **श्री महेश कुमार खेतान**<br>सदर बाजार, जमालपुर<br>मुंगेर, बिहार<br>मो. ९९३१०८१९३० | **श्री मुकेश कुमार अग्रवाल**<br>कपड़ा पट्टी, सहरसा,<br>बिहार<br>मो. ९४३१४९७१७१ |
| **श्री गुलजारी लाल अग्रवाल**<br>शंकर नगर, कच्ची सराय<br>रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार<br>मो. ९३३४९०४२२३ | **श्री कालूराम अग्रवाल**<br>काली मंदिर रोड, बनमंखी,<br>पूर्णिया, बिहार<br>मो. ९८३५६६०५४६ | **श्री कृष्ण मुरारी अग्रवाल**<br>मिसकौट, मोतीहारी, ईस्ट<br>चंपारण, बिहार<br>मो. ९४७०२३३३५० | **श्री महेश नाथ अग्रवाल**<br>मेन रोड, मोतीहारी, ईस्ट<br>चंपारण, बिहार<br>मो. ९४३१०५३२५६ | **श्री मुकेश कुमार माधोगड़िया**<br>तिर्खी राम नारायण, लाल<br>बाजार, बेतिया, बिहार<br>मो. ९४३१२१२९०९ |
| **श्री हरिप्रसाद बांका**<br>चनपटिया, वेस्ट चंपारण,<br>बिहार<br>मो. ९०१६३११०७८ | **श्री कन्हैया अग्रवाल**<br>नरकटियागंज, वेस्ट<br>चंपारण, बिहार<br>मो. ९१६२६१४४४४ | **श्री कुमार राज**<br>बन्दना, डी.बी. रोड,<br>सहरसा, बिहार<br>मो. ७९७९७२६०८९ | **श्री महेश सराफ**<br>पुरैनी बाजार, मधेपुरा,<br>बिहार<br>मो. ९७७१२३६११६ | **श्री मुरली मनोहर गनेरीवाल**<br>होटल रास दरबार गली,<br>डी.बी. रोड, सहरसा, बिहार<br>मो. ९४३१४११४१४ |
| **श्री हरिप्रसाद शर्मा**<br>३०, रामेश्वरम अग्रवाल रोड,<br>चुनिहारी टोला, भागलपुर, बिहार<br>मो. ९९३४२३७७०७ | **श्री कन्हैया कुमार**<br>वार्ड नंबर- ८, पोस्ट- सुगौली,<br>ईस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९६३१८६४०६९ | **श्रीमती कुमारी प्रियंका**<br>शम्भु घराना, दुर्गाबाड़ी रोड,<br>गया, बिहार<br>मो. ९७०८४७७७४६ | **श्री मनीष कुमार**<br>चौक बाजार, बरियारपुर,<br>मुंगेर, बिहार<br>मो. ६२०११६३६७७ | **श्री नरेंद्र केडिया**<br>गडारी चौक, उड़ा<br>किशुनगंज, मधेपुरा, बिहार<br>मो. ९९५५५२११३५ |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री नवीन कुमार माधोगड़िया**<br>कवि रमण पथ, नागेश्वर कॉलोनी, पटना, बिहार, मो. ९५२३२५७४४४ | **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल**<br>वार्ड नंबर ८, बनमनखी, पूर्णिया, बिहार<br>मो. ८००२५६५१०१ | **श्री पवन कुमार मोटानी**<br>लाल बाजार, वार्ड नंबर- १७, बेतिया, बिहार<br>मो. ९४३०५५१८९१ | **श्री प्रमोद कुमार बैरोलिया**<br>डोनर रोड, दरभंगा, बिहार<br>मो. ९३३४८५५२०० | **श्रीमती प्रेरणा जैन**<br>वशीकुंज, डॉ. आर.पी रोड भागलपुर, बिहार<br>मो. ९९००८११४५८ |
| **श्री नवल मुरारका**<br>बासोपट्टी, मधुबनी, बिहार | **श्री ओम प्रकाश डिडवानिया**<br>दीनानाथ शाह लाइन, पटल बाबू रोड, भागलपुर, बिहार<br>मो. ८७८७२८६९०५ | **श्री पीयूष सिंघानिया**<br>सोनापट्टी, वार्ड नंबर- ५, जयनगर, मधुबनी, बिहार<br>मो. ९१०२१८८६७८ | **श्री प्रमोद कुमार चौधरी**<br>स्टेशन चौक, सुजागंज, भागलपुर, बिहार<br>मो. ८२५२१९४१६१ | **श्री प्रीतम कुमार पोद्दार**<br>कालीबाड़ी, नियर कली मंदिर, कटिहार, बिहार<br>मो. ९०३१३८००००१ |
| **श्री नीरज अग्रवाल**<br>मेन रोड, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ८५९५१९०३४५ | **श्री ओमप्रकाश केडिया**<br>रानीगंज, गया, बिहार<br>मो. ९४३१०५४९४८ | **श्री प्रभाकर सुरेका**<br>काली मंदिर रोड, बनमनखी, पूर्णिया, बिहार<br>मो. ८०८४२५९९०९ | **श्री प्रमोद कुमार रुंगटा**<br>पोस्ट-बरौली, गोपालगंज, बिहार<br>मो. ९९७३५४३८९६ | **श्रीमती प्रीति सराफ**<br>मेन रोड, वार्ड नंबर-२०, मधेपुरा, बिहार<br>मो. ९४३०५१७४७३ |
| **श्री नीरज कुमार अग्रवाल**<br>कपड़ा पट्टी- ४८, न्यू मार्केट, सहरसा, बिहार<br>मो. ७०९११२५३६६ | **श्री पंकज झुनझुनवाला**<br>रानी सती मॉल, रानी सती टावर, गढ़पर, नवादा, बिहार<br>मो. ९४३१२६६४७० | **श्री प्रभाष कुमार बांका**<br>पुरानी बाजार, दुर्गा मंदिर रोड, पोस्ट-झाझा, जिला-जमुई, बिहार<br>मो. ९९३४४७५९५१ | **श्री प्रमोद कुमार सराफ**<br>सीतामढ़ी, बिहार | **श्रीमती प्रिया जैन**<br>सुखी शाह लेन, ए.सी. रोड, भागलपुर, बिहार<br>मो. ८९८६२६६७७० |
| **श्री नीरज कुमार क्याल**<br>पुरानी बाजार, गुल्वारा मधुबन, ईस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९७०९९४११४३ | **श्री पंकज कुमार**<br>चनपटिया, पोस्ट-चनपटिया वेस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९४३०६८९३०० | **श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल**<br>प्रसाद बीघा, नवादा, बिहार, मो. ९३३४०४७४०२ | **श्री प्रमोद कुमार सिर्सिलेवाल**<br>श्री गणेश मंदिर, लाल बाजार, बेतिया, बिहार<br>मो. ७००४३२६०१० | **श्रीमती प्रियंका देवी सराफ**<br>न्यू गोदाम, टुटवाड़ी मोड़, गया, बिहार<br>मो. ९२६४२४३३२९ |
| **श्रीमती नेहा तुलसियन**<br>मरुफगंज, सहरसा, बिहार<br>मो. ७५४७००२८१४ | **श्री पंकज कुमार**<br>पुरानी बाजार, रामनगर, वेस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९९३४४२८९४४ | **श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल**<br>स्टेशन रोड, नियर सिविल कोर्ट, बेतिया, बिहार<br>मो. ९१६२८३२८८३ | **श्री प्रशांत कुमार पोद्दार**<br>नवाब रोड, पोस्ट- झाझा, जिला- झाझा, बिहार<br>मो. ९८०१५९७८०५ | **श्री पुरुषोत्तम झुनझुनवाला**<br>पुरानी बाजार, रामनगर, वेस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९५३४२९९०८२५ |
| **श्री निखिल कुमार वेस्वाला**<br>जयनगर, मधुबनी, बिहार | **श्री पंकज कुमार बांका**<br>मिर्ची पट्टी, जयनगर, मधुबनी, बिहार<br>मो. ९९३९११८३६३ | **श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल**<br>बनमनखी, पूर्णिया, बिहार<br>मो. ७०७९११११८३ | **श्री प्रशांत कुमार संघी**<br>छोटू चौधरी लेन, सरैयागंज, मुजफ्फरपुर, बिहार<br>मो. ६२०२३५६१७४ | **श्री राहुल कुमार रुंगटा**<br>मारवाड़ी मोहल्ला, नियर दुर्गा मंदिर, बेगूसराय, बिहार<br>मो. ६२०४२३९५८९ |
| **श्री नीरज कुमार जैन**<br>बोरिंग रोड, शिवपुरी गणेश पथ रोड, पटना, बिहार<br>मो. ९४३१२१६०३२ | **श्री पंकज कुमार बांका**<br>अपोजिट सिविल कोर्ट, शास्त्री नगर, नवादा, बिहार,<br>मो. ८२१०४७९२९१ | **श्री प्रदीप कुमार भरतिया**<br>जवाहर चौक, वार्ड नंबर- २४, सीतामढ़ी, बिहार<br>मो. ९४७०७२२३९२ | **श्री प्रशांत कुमार सुल्तानिया**<br>सोनापट्टी, पुलिस स्टेशन- झाझा, जमुई, बिहार<br>मो. ८३२०२८२२३८ | **श्री राहुल कुमार सिकरिया**<br>नियर गयात्री मंदिर, लाल बाजार, बेतिया, बिहार<br>मो. ९९६७०८१५६३ |
| **श्री नितेश छापोलिया**<br>मझौलिया, वेस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ८१००८८७९९७ | **श्री पशुपति कुमार**<br>नरकटियागंज, वेस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ८०८३०१७२०१ | **श्री प्रदीप कुमार धानुका**<br>आनंदम, घराना अपार्टमेंट, रामपुर रोड, गया, बिहार<br>मो. ९९३४२३८७५१ | **श्री प्रशांत राजगढ़िया**<br>लाल बाजार, बेतिया, बिहार | **श्री राजकुमार चांदगोठिया**<br>बनमनखी, पूर्णिया, बिहार<br>मो. ९४७०८९७२२२ |
| **श्री नितेश डालमिया**<br>पानी टंकी चौक, बड़ा बाजार, कटिहार, बिहार<br>मो. ९८३११६१६०२ | **श्री पवन जालान**<br>खावा, पोस्ट- किरणपुर, लखीसराय, बिहार<br>मो. ९९३१८५९९३७ | **श्री प्रदीप कुमार पोद्दार**<br>बनमंखी, पूर्णिया, बिहार<br>मो. ९४३१६३९८१६ | **श्रीमती प्रतिगाया तुलस्यान**<br>सहरसा, बिहार<br>मो. ९५७२६२२०६२ | **श्री राजकुमार मेहरिया**<br>धर्मशाला रोड, सदर बाजार, पोस्ट-जमालपुर, मुंगेर, बिहार<br>मो. ८७०९८२६८३४ |
| **श्री नितिन कुमार बैरोलिया**<br>पटना गद्धी रोड, जयनगर, मधुबनी, बिहार<br>मो. ८७०९९८९८८० | **श्री पवन कुमार अग्रवाल**<br>बाल भारती रोड, बनमनखी, पूर्णिया, बिहार<br>मो. ८८६३८५०८१९ | **श्री प्रकाश केशान**<br>जयनगर, मधुबनी, बिहार | **श्री प्रतीक सुरेका**<br>जयनगर, मधुबनी, बिहार | **श्री राजकुमार मोदी**<br>बलुआ चौक, मोतीहारी, ईस्ट चंपारण, बिहार<br>मो. ९४३०४९३२०२ |
| **श्रीमती नूपुर अग्रवाल**<br>गुरुद्वारा रोड, गोसाई बाग, महरी मंडल, गया, बिहार,<br>मो. ९९३१३७३२०३ | **श्री पवन कुमार भरतिया**<br>बनमनखी, पूर्णिया, बिहार<br>मो. ७००४३३८१४१ | **श्री प्रकाश कुमार झुनझुनवाला**<br>लाल बाजार, बेतिया, बिहार<br>मो. ९४७३३०२३०० | **श्री प्रवीण कुमार केडिया**<br>केडिया मार्केट, मेन रोड, गोपालगंज, बिहार<br>मो. ७००४५४६६३८ | **श्री राजकुमार पोद्दार**<br>बनमंखी, पूर्णिया, बिहार<br>मो. ९९५५०६१६७० |

RUPA®
FRONTLINE
YEH STYLE KA
MAMLA HAI!
SCAN & EXPLORE
Toll-free No.: 1800 1235 001
www.rupaonlinestore.com
Follow Us:
We are also available at:
amazon | Flipkart | JioMart

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 27th January, 2026
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
**All India Marwari Federation**
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com